www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ... | पत्र नहीं; मित्र | RNI No. - MPHIN/2018/76121

देशबन्धु

वर्ष – 7 । अंक – 347 । नर्मदापुरम, मंगलवार 25 मार्च 2025 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 2.00 रुपए

वैश्य महासम्मेलन मध्य प्रदेश की बैठक अनूपपुर में प्रारंभ — पृष्ठ 2
▸ न्यायपूर्ण परिसीमन की लड़ाई! ▸ आग जो कभी लगी नहीं और छिपा हुआ धन जो कभी मिला नहीं — पृष्ठ 4
▸ डीपीसी ने देवरदा स्कूल 5 के खिलाफ जारी किया था नोटिस, आज घोषित होगा रिजल्ट — पृष्ठ 6
प्रदेश में गुड़ी पड़वा पर होंगे नव वर्ष आयोजन, प्रभार के जिलों में शामिल होंगे मंत्री — पृष्ठ 8

सार-समाचार

सांसदों के वेतन, भत्ते और पेंशन में की गई बढ़ोतरी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने सांसदों के वेतन में 24 प्रतिशत की वृद्धि की है, जो 1 अप्रैल 2023 से प्रभावी होगी। यह बढ़ोतरी मूल्य वृद्धि सूचकांक के आधार पर तय की गई है, जिसका मतलब है कि सांसदों के वेतन में यह बदलाव महंगाई दर के अनुसार किया गया है। संसदीय कार्य मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी राजपत्र अधिसूचना के अनुसार, केंद्र ने 1 अप्रैल, 2023 से प्रभावी, संसद सदस्यों (सांसदों) के वेतन, भत्ते और पेंशन में वृद्धि की है। अधिसूचना के अनुसार, लोकसभा और राज्यसभा सदस्यों का वेतन एक लाख रुपए से बढ़ाकर 1.24 लाख रुपए प्रतिमाह कर दिया गया है, जबकि दैनिक भत्ता 2,000 से बढ़ाकर 2,500 रुपए कर दिया गया है।

'हनी ट्रैप' मामले में सुप्रीम कोर्ट सुनवाई को सहमत

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय कर्नाटक सरकार के एक वरिष्ठ मंत्री और न्यायाधीशों सहित कई अन्य लोगों को कथित रूप से हनी ट्रैप में फंसाने की घटना की जांच का निर्देश देने की मांग वाली जनहित याचिका पर विचार करेगा। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने याचिकाकर्ता बिनय कुमार सिंह की याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति व्यक्त करते हुए कहा कि मामले की सुनवाई सोमवार या मंगलवार को की जाएगी। धनबाद निवासी याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता बरुण कुमार सिंह ने शीर्ष अदालत से शीघ्र सुनवाई की गुहार लगाते हुए मामले का विषेश रूप से उल्लेख के बाद यह सहमति व्यक्त की गई।

हाथरस सत्संग भगदड़ मामला में 5 अप्रैल को सुनवाई

हाथरस, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के हाथरस में नारायण साकार हरि के सत्संग के दौरान मची भगदड़ मामले में हाथरस जिला न्यायालय में चल रही सुनवाई को लेकर अधिवक्ता एपी सिंह ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 5 अप्रैल की तारीख निर्धारित की है। अधिवक्ता एपी सिंह ने कहा, हाथरस जिला न्यायालय में पिछले साल 2 जुलाई को हुई एक दुखद घटना के मामले की सुनवाई चल रही थी। सोमवार को जिला जज अलीगढ़ में निरीक्षण के लिए गए थे, जिसके कारण इस मामले की अगली सुनवाई की तारीख 5 अप्रैल तय की गई है।

मणिपुर पुलिस ने 7 लोगों को किया गिरफ्तार

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर पुलिस और सुरक्षाकर्मियों ने पिछले 24 घंटों के दौरान अलग-अलग घटनाओं में पांच उग्रवादियों सहित सात लोगों को गिरफ्तार किया। मणिपुर पुलिस ने सोमवार को बताया कि सुरक्षा बलों ने 22 मार्च को हुई झड़प में शामिल होने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इस झड़प में इंफाल पूर्व के चार लोग घायल हो गए थे। सुरक्षा बलों ने इंफाल पश्चिम जिले के लामसांग-थाना क्षेत्र के अंतर्गत लामडेंग खुनौ से तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि वे केसीपी (पीडब्लूजी) संगठन के नाम का इस्तेमाल कर जबरन वसूली, अपहरण की गतिविधियों में शामिल थे।

अनंतनाग में आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़

श्रीनगर, एजेंसी। सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के एक जंगल में एक आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ठिकाने का भंडाफोड़ विशेष अभियान समूह अनंतनाग, सेना की 19 राष्ट्रीय राइफल्स और सीआरपीएफ की एक संयुक्त टीम ने संगलान जंगल के ऊंचे इलाकों में पुलिस स्टेशन उत्तेरसू के अधिकार क्षेत्र में किया।

मुंबई में हाउसिंग सोसाइटी में सुरक्षा गार्ड की मौत

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में मुंबई के विद्या विहार में एक बहुमंजिला इमारत में सोमवार तड़के आग लगने से एक सुरक्षा गार्ड की मौत हो गई, जबकि एक अन्य सुरक्षा गार्ड सहित तीन लोग घायल हो गए। घटना तक्षशिला सीएचएस के नीलकंठ किंगडम कॉम्प्लेक्स में नाथानी रोड में विद्याविहार स्टेशन के सामने विद्याविहार (डब्ल्यू) में हुई। पहली और दूसरी मंजिल पर पांच फ्लैटों में लगी आग से बिजली के तार, घरेलू सामान, लकड़ी के फर्नीचर व एसी यूनिट को नुकसान पहुंचा।

शिवकुमार के बयान को लेकर संसद में हंगामा हुआ

संसद में नड्डा और खड़गे के बीच हुई तीखी नोकझोंक

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक में मुस्लिम कोटे को लेकर जमकर राजनीति हो रही है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बयान को लेकर संसद में जबरदस्त हंगामा हुआ। जेपी नड्डा और मल्लिकार्जुन खरगे को बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि राज्यसभा के नेता जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने संसद में झूठ बोला है और इसके लिए वो कानूनी कार्रवाई करेंगे।

खड़गे ने यह भी दावा किया कि बीजेपी अपना भ्रष्टाचार छिपाने के लिए कर्नाटक कोटा मुद्दा उठा रही है। जेपी नड्डा और किरेन रिजिजू ने संसद से झूठ बोला है और हम उनके खिलाफ कार्रवाई करने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस धर्म के आधार

भ्रष्टाचार छिपाने के लिए कोटा मुद्दा उठा रही भाजपा : खड़गे

पर आरक्षण दे रही है जो पूरी तरह से झूठ है। भाजपा ही वह पार्टी है जो धर्म के आधार पर कानून बना रही है। हमने कभी किसी को धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया। हमारे नेताओं सरदार पटेल और पंडित नेहरू ने संविधान सभा में कभी इस मुद्दे को नहीं छुआ, लेकिन बीजेपी अपने भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए इस मुद्दे को उठा रही है। उन्होंने कहा, 'संविधान बदलने की बात हमारी तरफ से किसी नेता नहीं की है और न ही कोई आगे करेगा। इस तरह के दावे हमेशा उनकी तरफ से किए जाते हैं।'

साजिश के तहत सदन को नहीं चलने दिया जा रहा

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि सत्तापक्ष सोची समझी रणनीति से संसद की कार्यवाही बाधित की जा रही है और जो राज्यों का मुद्दा है उसको उठाकर साजिश के तहत सदन को नहीं चलने दिया जा रहा है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा,ऐसा लगता है कि उन्होंने मन बना लिया है कि वे सदन नहीं चलने देना चाहते। बहुत दिन से वे हंगामा करने का कोई न कोई बहाना ढूंढ ही रहे थे। पार्टी के राज्यसभा सदस्य रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा, मोदी सरकार ने लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही को षडयंत्रकारी तरीके से स्थगित किया है ताकि दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के घर पर मिले नोटों के बंडल को लेकर कोई सवाल नहीं कर सके।

इस तरह के बयान को हल्के में नहीं ले सकते

इससे पहले, रिजिजू ने सदन में कहा कि एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता, जो एक संवैधानिक पद पर हैं, ने कहा है कि उनकी पार्टी मुसलमानों को आरक्षण देने के लिए संविधान में बदलाव करेगी। हालांकि रिजिजू ने नेता का नाम नहीं बताया लेकिन वह परोक्ष रूप से शिवकुमार का जिक्र कर रहे थे। मंत्री ने कहा, 'हम इस तरह के बयान को हल्के में नहीं ले सकते।' उन्होंने कहा कि यह टिप्पणी किसी साधारण नेता की नहीं बल्कि संवैधानिक पद पर बैठे एक व्यक्ति की है।

---

23 लाख कर्मचारियों को मिलेगा का लाभ

1 अप्रैल से यूनिफाइड पेंशन स्कीम की शुरुआत

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार अपने कर्मचारियों के लिए एक नई योजना यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) ला रही है। इस योजना के तहत केंद्रीय कर्मचारी जो कि कम से कम 25 वर्षों से अपनी सेवा दे रहे हैं, 1 अप्रैल से यूपीएस के तहत रिटायरमेंट से पहले आखिरी 12 महीनों के अपने औसत मूल वेतन का 50 प्रतिशत पेंशन के रूप में पाने के पात्र होंगे।

सरकार अपनी इस योजना के साथ कम से कम 23 लाख केंद्रीय कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद वित्तीय सुरक्षा देने की तैयारी में है। यूपीएस खासकर उन लोगों को ध्यान में रखते हुए लाई जा रही है, जिन्हें बाजार से जुड़ी पेंशन के बजाय एक स्थिर और अनुमानित आय पसंद आती है। नई योजना के तहत जिन कर्मचारियों ने 10 साल से अधिक लेकिन 25 साल से कम समय तक सेवा की है, उन्हें प्रति माह न्यूनतम 10,000 रुपए पेंशन मिलेगी। पेंशनभोगी की मृत्यु की स्थिति में उनके परिवार को पारिवारिक पेंशन के रूप में अंतिम पेंशन का 60 प्रतिशत मिलेगा। इसके अलावा, केंद्र सरकार के कर्मचारी, जो वर्तमान में राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत हैं, वे यूपीएस पर स्विच कर सकते हैं। इस योजना को हाइब्रिड मॉडल के रूप में डिजाइन किया गया है, जिसमें ओल्ड पेंशन स्कीम (ओपीएस) और नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) दोनों की विशेषताएं शामिल हैं।

जस्टिस वर्मा के तबादले की अधिसूचना जारी

इन दिनों विवादों में घिरे हैं जस्टिस यशवंत वर्मा

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने दिल्ली हाई कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को उनके मूल न्यायालय, इलाहाबाद उच्च न्यायालय में वापस स्थानांतरित करने की सिफारिश करते हुए प्रस्ताव जारी किया है। 21 मार्च को मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने केंद्र सरकार को उनके स्थानांतरण की सिफारिशें की थी। वहीं इससे पहले इलाहाबाद उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन ने न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्थानांतरित करने के सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के फैसले

कॉलेजियम ने इलाहाबाद हाई कोर्ट भेजने की सिफारिश की थी

पर आपत्ति भी जताई थी।

जज यशवंत वर्मा के दिल्ली हाई कोर्ट से इलाहाबाद हाई कोर्ट ट्रांसफर किए जाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही कहा था कि उनका ट्रांसफर एक नियमित प्रक्रिया के तहत किया जा रहा है। इस ट्रांसफर का जज वर्मा के घर से मिले अधजले नोटों के विवाद से कोई लेना देना नही हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा इन दिनों सुर्खियों में बने हुए है, जब से उनके दिल्ली स्थित आवास में आग लगी और आग बुझाने के दौरान दमकल और पुलिस को बड़े पैमाने पर अधजले नोट बरामद किए गए। ये घटना 14 मार्च की है, जब लुटियंस दिल्ली के पॉश इलाके में न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के सरकारी आवास के स्टोररूम में आग लगने की घटना के बाद वहां जले हुए नोट मिले।

विधानसभा के बजट सत्र का समापन, अध्यक्ष ने कहा-

संसदीय कार्यप्रणाली प्रगति का माध्यम बने

भोपाल, देशबन्धु। विधानसभा के बजट सत्र का सोमवार को समापन हो गया। अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने इस अवसर पर अपने भाषण में कहा कि सदन में सार्थक चर्चा के माध्यम से ही जनता की समस्याओं का निराकरण होता है। उन्होंने कहा कि सदन का चलना और चर्चा होना पक्ष और विपक्ष दोनों के हित में है। इससे जहां एक ओर विपक्ष को प्रश्नों, ध्यानाकर्षण और विभिन्न संसदीय माध्यमों से अपनी बात कहने का अवसर मिलता है।

श्री तोमर ने कहा कि वास्तव में हमारा लक्ष्य यही होता है कि लोकतंत्र समृद्ध हो और संसदीय कार्यप्रणाली प्रदेश और उसकी जनता की प्रगति तथा उन्नति का माध्यम बने। उन्होंने कहा कि सरकार को अपनी कार्यप्रणाली में कमियों को दूर करने के लिए बहुमूल्य सुझाव भी प्राप्त होते हैं जिससे प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार करने और उसमें कसावट लाने में सुविधा होती है। अध्यक्ष श्री तोमर ने बताया कि 10 मार्च से प्रारंभ हुए इस सत्र में कुल 9 दिन सदन की कार्यवाही संचालित हुई जिसमें सौहार्द पूर्ण वातावरण में पक्ष-विपक्ष ने सक्रियता के साथ भाग लिया।

मुख्यमंत्री ने की अध्यक्ष और सभी सदस्यों की सराहना, कहा-

जिला स्तर पर विकास समितियां गठित होंगी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि पक्ष एवं विपक्ष दोनों ओर के सभी सदस्य सदन की पूरी कार्यवाही में सत्र के अंतिम दिन तक सक्रिय रूप से प्रतिभागी रहे। उन्होंने कहा कि यह एक स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपरा की निशानी है। उन्होंने इसके लिए विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर सहित पक्ष-विपक्ष के सभी सदस्यों की सराहना की। सदन में उठाए गए कुछ मुद्दों पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि हमने जिलास्तर पर विकास समिति बनाने का निर्णय लिया है। जब हम जमीन लेकर मुआवजा देते थे तो बहुत सारी कठिनाई आती थी। अब हम मुआवजा नहीं दे रहे हैं, बल्कि किसानों को भागीदार बना रहे हैं।

नेता प्रतिपक्ष ने की मांग

सत्र की अवधि बढ़े और सीधा प्रसारण हो

विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सदन की कार्यवाही के संचालन में विपक्ष को अवसर देने के लिए विधानसभा अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष महोदय ने छोटे सत्र में भी अधिक समय तक कार्यवाही संचालित कर सदन में सबको अवसर दिया, लेकिन हम ये अपेक्षा करते हैं कि अगले सत्र में सदन की बैठकों की संख्या बढ़े, कार्यवाही का सीधा प्रसारण हो। उन्होंने विपक्षी विधायकों के क्षेत्र में भी 15-15 करोड़ की विकास निधि दिए जाने की मांग की।

सहकारिता संशोधन विधेयक पारित, विपक्ष ने किया बहिर्गमन, मंत्री बोले-

किसानों को फायदा होगा

भोपाल, देशबन्धु। विधानसभा के बजट सत्र के अंतिम दिन सोमवार को सहकारिता संशोधन विधेयक पारित हो गया। विपक्ष ने संशोधन विधेयक पर सवाल उठाए और इसके विरोध में सदन से बहिर्गमन कर दिया। विपक्ष की मांग थी कि इस विधेयक को विधानसभा की समिति को सौंपा जाए और राज्य में सहकारी संस्थाओं के चुनाव कराए जाएं। हंगामे के बीच संशोधन विधेयक पारित हो गया।

सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग के संशोधन विधेयक को विधानसभा के पटल पर रखते ही हंगामा शुरू हो गया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने इस संशोधन विधेयक को सहकारिता का गला घोंटने वाला विधेयक बताया। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद सोसायटी के 2011 से अभी तक चुनाव नहीं हुए। निजी कंपनी किसी भी सोसायटी को टेकओवर कर लेगी। सोसायटी का अंश लेकर कोई भी मनमानी करेगा। पीपीपी मोड का विपक्ष विरोध करता है। उमंग सिंघार ने कहा कि सरकार हाइकोर्ट के आदेश पर भी चुनाव टाल रही है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि किसानों को समय पर खाद, बीज और ऋण मिले। मगर सरकार मनमानी कर रही है और किसानों की आवाज नहीं सुन रही है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि निष्पक्ष संस्था पर सरकार का नियंत्रण नहीं होना चाहिए। विधेयक पर पहले विधानसभा समिति को विचार करना चाहिए। संशोधन विधेयक पर विपक्ष द्वारा उठाई गई आशंकाओं का जवाब देते हुए सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि हमारी सरकार चुनाव रोकने के पक्ष में नहीं है। इस संशोधन विधेयक से सहकारिता आंदोलन मजबूत होगा।

नगर और ग्राम निवेश संशोधन विधेयक, विजयवर्गीय ने कहा-

किसानों को बना रहे भागीदार, जमीनों की कीमत बढ़ेगी

भोपाल, देशबन्धु। विधानसभा में नगर और ग्राम निवेश संशोधन विधेयक पारित कर दिया गया। इसके बाद सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने संशोधन विधेयक पर पूरी चर्चा का उत्तर देते हुए कहा कि इस विधेयक में मुआवजा और मास्टर प्लान का कोई उल्लेख नहीं है। हम किसान को मजबूत बनाने के लिए यह विधेयक ला रहे हैं। इससे किसानों की जमीन की कीमतें बढ़ेगी। कांग्रेस विधायक राजेंद्र कुमार सिंह ने नगर और ग्राम निवेश संशोधन विधेयक को प्रवर समिति को भेजने का प्रस्ताव दिया। उन्होंने कहा कि जमीन लेते समय मानवीय पहलू होना बहुत जरूरी है। बाणसागर सिंचाई परियोजना में अभी भी बहुत से लोग ऐसे हैं जिन्हें मुआवजा नहीं मिला है। इसमें मुआवजे का प्रावधान बाजार दर पर होना चाहिए। इस पर श्री विजयवर्गीय ने कहा कि विधायक श्री सिंह की बातों का इस विधेयक से कोई लेना-देना नहीं है।

खाद्य पदार्थों में मिलावट का मुद्दा उठा, सख्त कार्रवाई की मांग

भाजपा विधायक अभिलाष पांडेय ने खाद्य पदार्थों में मिलावट का मुद्दा उठाया। उन्होंने सरकार से इस पर की गई कार्रवाई की जानकारी मांगी। स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने बताया कि मिलावट से मुक्ति अभियान के तहत बीते वर्ष में 1199 खाद्य विक्रेताओं के खिलाफ कोर्ट में चालान पेश कर 9 करोड़ रुपये से अधिक का अर्थदंड लगाया गया है। विधायक पांडेय ने सरकार के जांच सैंपलों की संख्या पर सवाल उठाते हुए कहा कि जबलपुर में 2000 से अधिक स्ट्रीट वेंडर्स हैं, लेकिन मात्र 17 सैंपलों की जांच की जा रही है। इस तरह के खाद्य पदार्थों से बच्चों में अतिरिक्त चर्बी और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ रही हैं।

कांग्रेस नेता ने इंडिया समूह के छात्र संगठन के संसद मार्च को किया संबोधित

मैं छात्रों के साथ खड़ा हूं

▸ शैक्षणिक संस्थानों पर आरएसएस का कब्जा
▸ शिक्षा क्षेत्र में धांधली व भ्रष्टाचार चरम पर

नई दिल्ली, देशबन्धु। लोकसभा में विपक्ष के नेता तथा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने शिक्षा के क्षेत्र में मनमानी कर शिक्षा व्यवस्था को ध्वस्त कर दिया है, लेकिन छात्र इसके खिलाफ लड़ रहे हैं और वह छात्रों की इस लड़ाई में उनके साथ खड़े हैं।

श्री गांधी ने सोमवार को यहां जंतर-मंतर पर इंडिया समूह के छात्र संगठन के संसद मार्च के दौरान आयोजित प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा-आरएसएस के लोग आज शैक्षणिक संस्थानों पर कब्जा कर रहे हैं और इसी का परिणाम है कि देश के अधिकतर विश्वविद्यालयों के वाइस चांसलर आरएसएस के लोग हैं और वे देश की शिक्षा व्यवसथा को बर्बाद कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आरएसएस-भाजपा के लोग छात्रों के साथ भेदभाव कर रहे हैं और पेपरलीक जैसी घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। पेपरलीक के खिलाफ बच्चे आवाज उठाते हैं।

राज्य व केंद्र सरकार के समक्ष उठाए जाएंगे दलितों के मुद्दे : चेन्निथला

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केरल के वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) कार्यसमिति के सदस्य रमेश चेन्निथला ने सोमवार को कहा कि दलित समुदायों के सामने आने वाले गंभीर सामाजिक मुद्दों को केंद्र और राज्य सरकारों के समक्ष उठाया जाएगा।

चेन्निथला ने आरोप लगाया कि केरल में एससी, एसटी वर्गों को सामाजिक न्याय से वंचित किया जा रहा है। दलित प्रगतिशील सम्मेलन-2025 में चर्चा किए गए मुद्दों और सुझावों को राज्य तथा केंद्रीय अधिकारियों के समक्ष उठाया जाएगा ताकि देश में हाशिए पर पड़े वर्गों के उत्थान के लिए समाधान खोजा जा सके। देश की आबादी का 16.6 प्रतिशत हिस्सा यानी करीब 25 करोड़ दलित लोग अभी भी हाशिए पर हैं। इस सम्मेलन का आयोजन गांधी ग्रामम फाउंडेशन ने किया है, जिसका गठन 2010 में हुआ था।

पिछले साल लोकसभा चुनाव में खर्च हुए थे 1.35 लाख करोड़

भाजपा ने किया चुनाव में सबसे ज्यादा खर्चा

22 पार्टियों ने 18,742.31 करोड़ रुपए जुटाए थे

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव में राजनीतिक दलों ने लगभग 1.35 लाख करोड़ रुपये खर्च किए। सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज की एक स्टडी में यह अनुमान लगाया है। वहीं चुनाव आयोग के आधिकारिक आंकड़े इतर जानकारी देते हैं।

चुनाव आयोग ने भी पार्टियों द्वारा लोकसभा चुनावों और आंध्र प्रदेश, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम के विधानसभा चुनावों में किये गए खर्चे का खुलासा किया है। कुछ पार्टियों ने तो अपने खर्च का पूरा हिसाब दिया है। लेकिन कई पार्टियां ऐसी हैं जिन्होंने अभी तक यह नहीं बताया कि उन्होंने कितना पैसा खर्च किया। कॉमनवेल्थ ह्यूमन राइट्स इनिशिएटिव ने एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि राजनीतिक पार्टियों ने चुनाव में कितना पैसा खर्च किया और कहां से जुटाया। यह रिपोर्ट चुनाव आयोग को दी गई जानकारी पर आधारित है।

इस रिपोर्ट के अनुसार, 22 राजनीतिक पार्टियों के पास चुनाव लड़ने के लिए 18,742.31 करोड़ रुपए थे। इन पार्टियों में आम आदमी पार्टी , असम गण परिषद , ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम , ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन , ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस, ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट , बीजू जनता दल , भारतीय जनता पार्टी , भारत राष्ट्र समिति , बहुजन समाज पार्टी , कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी), द्रविड़ मुनेत्र कड़गम, इंडियन नेशनल कांग्रेस, जनता दल सेक्युलर, जनता दल यूनाइटेड, लोक जनशक्ति पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल, समाजवादी पार्टी , सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट, सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा , तेलुगु देशम पार्टी , युवाजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी शामिल हैं।

भाजपा ने 1,737.68 करोड़ खर्च किए

इन पार्टियों ने मिलकर 3,861.57 करोड़ रुपए खर्च किए। भाजपा ने सबसे ज्यादा 1,737.68 करोड़ रुपए खर्च किए। यह कुल खर्च का 45 फीसदी से भी ज्यादा है। पार्टियों को दान के रूप में 7,416.31 करोड़ रुपए मिले। बीजेपी को इसमें से 84.5 फीसदी हिस्सा मिला।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

आयुध निर्माणी कर्मचारियों को ओवरटाइम एरियर्स का भुगतान किया जाएगा

इटारसी,देशबन्धु। आयुध निर्माणी कर्मचारियों को ओवरटाइम एरियर्स का भुगतान किया जाएगा। आयुध निर्माणी कर्मचारी संघ बीएमएस यूनियन द्वारा आयुध निर्माणी इटारसी के कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करते हुए 28 सितंबर 2021 को ओवरटाइम कैलकुलेशन विसंगतियों से संबंधित मामले में याचिका कैट न्यायालय जबलपुर में दायर की थी। न्यायालय ने आज कर्मचारियों के पक्ष में निर्णय दे दिया है। कर्मचारियों को सन् 2006 से 2016 उनके द्वारा किए गए ओवरटाइम की पेमेंट में ।।क्रञ्ज और स्न का पैसा जोड़कर भुगतान करने हेतु कैट न्यायालय जबलपुर ने आदेश जारी किया है। न्यायालय के निर्णय के पश्चात सभी पात्र कर्मचारियों को ओवरटाइम एरियर्स के भुगतान का रास्ता साफ हो गया है। इस अवसर पर यूनियन के कर्मचारी नेता अमित बाजपेई, अतुल सिंह, नरेंद्र मेघवाल, कुलदीप चौधरी, श्रीकृष्ण शर्मा, योगेश पटेल, राजेश रोशन, सुखविंदर सिंह, अनिल कुमार ने आयुध निर्माणी के कर्मचारियों को बधाई प्रेषित के साथ निरंतर कर्मचारी हित में कार्य करने का आश्वासन दिया है।

कराते परीक्षा में सफल विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये

इटारसी,देशबन्धु। सरदार पटेल भवन, वर्मा कॉलोनी पुरानी इटारसी में टिमरनी की तिनका सामाजिक संस्था के तत्वावधान में और शहर के पटेल समाज सेवा समिति के सहयोग से चल रहे नि:शुल्क कराटे क्लासेज में बच्चों की बेल्ट परीक्षा हुई। इस अवसर पर कक्षा के 18 स्टूडेंट्स को येलो बेल्ट प्रदान किया गया। तिनका संस्था के फाउंडर रितेश तिवारी और पुरानी इटारसी केंद्र के प्रशिक्षक कुलदीप धोके और खिरकिया के प्रशिक्षक अनुपम भी उपस्थित थे। विदित हो कि ये कक्षाएं शहर के चौधरी दंपत्ति, पटेल समाज सेवा समिति की अध्यक्ष श्रीमती मृदुह्ला चौधरी और सीएम राइज इटारसी के प्राचार्य एनपी चौधरी के सतत सहयोग से निरंतर जारी हैं। आगामी 1 अप्रैल से निशुल्क ग्रीष्मकालीन शिविर भी प्रारंभ किया जाएगा इसमें बच्चों को मार्शल आर्ट और डांस जैसी कई गतिविधियां भी सिखाई जाएंगी।

नर्मदापुरम जिला माहेश्वरी सभा की बैठक में मिशन 100 आईएएस महासभा की योजना पर चर्चा

इटारसी,देशबन्धु। नर्मदापुरम जिला माहेश्वरी समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक माहेश्वरी भवन शोभापुर में हुई। सर्वप्रथम भगवान महेश की पूजन सभी पदाधिकारियों एवं अतिथियों ने की। महेश वंदना की प्रस्तुति श्रीमती स्वाति मूदड़ा एवं श्रीमती नुपूर लड्ढा ने, स्वागत गीत श्रीमती कविता बाहेती

एवं श्रीमती सरोज मालपानी ने, शोभापुर इकाई के अध्यक्ष अशोक मालपानी ने स्वागत भाषण दिया एवं आभार प्रदर्शन मुरली मूंदड़ा ने किया।

मिशन 100 आईएएस महासभा की योजना के संबंध में चर्चा की गई। सभी गणमान्य सदस्यों ने अपने-अपने विचार रखे। सर्वसम्मति से मप्र पूर्व क्षेत्रीय प्रादेशिक सभा के युवा संगठन अध्यक्ष उदित जांवधिया को इस कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए नियुक्त किया। नर्मदापुरम जिलाध्यक्ष अशोक तोषनीवाल ने भी जिले में किए जा रहे सामाजिक कार्यों एवं अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी सभा द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी। जिला सभा कोषाध्यक्ष जगमोहन बाहेती ने जिला सभा का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। अखिल भारतीय महिला संगठन की संयुक्त मंत्री अनिता जांवधिया, प्रदेश सचिव राजश्री राठी, जिला सभा महिला संगठन अध्यक्ष संगीता जांवधिया एवं सचिव सरला माहेश्वरी, मप्र पूर्व क्षेत्रीय सभा उपाध्यक्ष सुरेश गोयदानी, महेश सेवा ट्रस्ट के प्रदेश सचिव बालकिशन टावरी, युवा संगठन प्रदेशाध्यक्ष उदित जांवधिया एवं प्रहलाद बाहेती शोभापुर ने संबोधित किया। बैठक में सामाजिक विकास के अनेक कार्यों पर चर्चा की गई।

वैश्य महासम्मेलन मध्य प्रदेश की बैठक अनूपपुर में प्रारंभ

जस्टिस पीसी गुप्ता का हुआ अभिनंदन

इटारसी,देशबन्धु। मध्य प्रदेश के सबसे बड़े सामाजिक संगठन वैश्य महासम्मेलन मध्य प्रदेश की प्रदेश कार्य समिति की बैठक मां नर्मदा की उद्गम स्थल अमरकंटक के नजदीक अनूपपुर में आज से प्रारंभ हो गई है।

नर्मदापुरम जिला अध्यक्ष संजय शिल्पी ने बताया कि पूर्व मंत्री, संगठन के प्रदेश संरक्षक मार्गदर्शक उमाशंकर गुप्ता के मार्गदर्शन में यह संगठन मध्य प्रदेश की प्रत्येक तहसील एवं लगभग 23000 ग्राम पंचायत तक पहुंच चुका है। आज संगठन में समाज के विभिन्न घटकों के सकारात्मक सोच के व्यक्ति आपस में वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश के बैनर तले निरंतर

प्रदेश में रक्तदान, पर्यावरण की सुरक्षा, सामाजिक धार्मिक कार्यक्रमों का सामूहिक आयोजन, निरंतर अनेक सेवा कार्य पूरे प्रदेश में चल रहे हैं। आज प्रथम दिन वैश्य कुल देवी माता महालक्ष्मी जी के पूजन एवं सामूहिक वैश्य गौरव गान के साथ प्रदेश बैठक का सुबह 10:30 बजे सक्रिय पदाधिकारियों के सम्मान के साथ शुभारंभ हुआ। अनूपपुर इकाई ने पगड़ी पहनाकर, स्मृति चिन्ह एवं माल्यार्पण से अभिनंदन किया। इस बैठक में संगठन के सूत्रधार उमाशंकर गुप्ता, ने आयोजन में पधारे जस्टिस पीसी गुप्ता का अभिनंदन किया। जस्टिस गुप्ता ने कहा कि उमाशंकर गुप्ता ने जो यह वटवृक्ष बनाया है, हम सभी को मिलकर इस संचित करते रहना है। संगठन के प्रति समर्पित रहते हुए जिन्हें संरक्षण की जरूरत है, जो जरूरतमंद हैं, उनकी भी मदद करना है। प्रदेश अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष संदेश जैन, प्रदेश महामंत्री विजय झांझरी, प्रदेश महामंत्री मनीष अग्रवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष कपिल मलैया सागर, प्रदेश उपाध्यक्ष भगवानदास अग्रवाल प्रदेश मंत्री तरुण सेठी, जिला अध्यक्ष संजय शिल्पी इटारसी, ओपी बंसल, तरुण शाह, महिला इकाई प्रदेश अध्यक्ष ज्योति जैन, प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश सोनी, प्रदेश मंत्री राजेश अग्रवाल बबलू, संभाग अध्यक्ष संजय साहू, जबलपुर ग्रामीण जिला प्रभारी विमल जैन, जिला अध्यक्ष पदम मोदी, नरसिंहपुर जिला प्रभारी बी डी सोनी, जिला अध्यक्ष अजय जैन, प्रदेश के प्रमुख पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी, संभाग एवं प्रमुख पदाधिकारी बैठक में शामिल हुए हैं। प्रदेश के महामंत्री पदम खेमका शहडोल एवं उनके सभी सहयोगी महिला इकाई, युवा इकाई, अतिथियों एवं आयोजन को भव्यता प्रदान करने में विगत सप्ताह भर से जुटे हुए हैं।

बजरंग दल का प्रांतीय प्रशिक्षण वर्ग शिविर 3 मई से

इटारसी,देशबन्धु। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल नगर समिति इटारसी की महत्वपूर्ण बैठक श्री बूढ़ी माता मंदिर प्रांगण के सत्संग भवन में हुई जिसमें विहिप जिला मंत्री चेतन सिंह राजपूत ने प्रांत बैठक गुना में मिले मार्गदर्शन एवं आगामी कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया।

नर्मदापुरम जिले के पूर्ववर्ती कार्यक्रमों को देखते हुए प्रांत संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह ने बजरंग दल का प्रांतीय प्रशिक्षण वर्ग शिविर इटारसी के धोखेड़ा स्थित एकलव्य स्कूल में 3 मई से 10 मई के बीच आयोजित करने की घोषणा की और अभी से प्रशिक्षण वर्ग की तैयारी एवं व्यवस्था में जुट जाने को कहा। वर्ग में पूरे प्रांत से

बजरंगी आकर विभिन्न प्रकार के शस्त्रों को चलाने का प्रशिक्षण लेंगे। तदोपरांत त्रिशूल दीक्षा कार्यक्रम करने की भी योजना है। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष डॉ.सुभाष दुबे ने कहा कि हमें प्रशिक्षण वर्ग में संख्या पर विशेष ध्यान देना है। उक्त शिविर जिले के लिए बड़ी उपलब्धि है।

बैठक में जिला प्रचार प्रमुख अनूप तिवारी, मातृशक्ति जिला संयोजिक तरुणा सोनी, जिला विशेष संपर्क प्रमुख अनिल शुक्ला, नगर अध्यक्ष महेश अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष महेश वालेचानी, उपाध्यक्ष अनुरुद्ध चंसौरिया, संतोष शर्मा, बजरंग दल संयोजक संदीप यदुवंशी सह संयोजक अंकित राठौर, मातृशक्ति नगर संयोजिका अनिता तिवारी, सह संयोजिक आरती मालवीय, संस्कार केंद्र प्रमुख आशा गोस्वामी, सत्संग प्रमुख अर्चना सातपुते, दुर्गा वाहिनी नगर संयोजिका डॉली सांकरिया, संदीप चौरे, नवीन शर्मा, गोरक्षक वीरू बाथरी, हरि सिंह राजपूत, राज श्रीवास, हरिशंकर राठौर, ज्ञान सिंह, गौतम ठाकुर, आदित्य श्रीवास, मनीष, रानी मनवारे, मीरा सिंह सहित मातृशक्ति एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सपा सांसद का पुतला दहन किया

इटारसी,देशबन्धु। महाराजा महाराणा संग्राम सिंह राणा सांगा के लिए सपा सांसद रामजी लाल सुमन द्वारा अभद्र भाषा का प्रयोग करके उनको गद्दार कहने के विरोध में आज यहां करणी सेना एवं राजपूत समाज इटारसी ने सांसद का पुतला दहन किया और उनके इस बयान की घोर निंदा की है। सांसद के बयान के विरोध में आज करणी सेना परिवार ने जयस्तंभ चौक पर सपा सांसद रामजी लाल सुमन का पुतला दहन किया।

कर्मा देवी की जयंती कल, द्वारिकाधीश बड़ा मंदिर में होगी महाआरती

इटारसी,देशबन्धु। तैलिक साहू समाज की आराध्य माता कर्मा देवी की जयंती नगर साहू समाज इटारसी द्वारा कर्मा सखी संगम एवं साहू युवा संगठन के सहयोग से आयोजित की जा रही है। उक्त आशय की जानकारी नगर अध्यक्ष महेंद्र साहू ने दी। श्री साहू ने बताया कि 25 मार्च को संध्या काल 5 बजे श्री द्वारिकाधीश बड़ा मंदिर परिसर में माता कर्मा देवी की महाआरती एवं भगवान जगन्नाथ स्वामी को खिचड़ी का भोग लगाया जाएगा।

कर्मा जयंती के अवसर पर आयोजन के संबंध में प्रदेश मुख्य सलाहकार रमेश के साहू एडवोकेट, जिलाध्यक्ष विक्रांत बड़कुल, युवा जिला अध्यक्ष अभिषेक साहू एवं कर्मा सखी संगम ने सामाजिक बंधुओं से निवेदन किया है कि वे सपरिवार पधारकर माता कर्मा की महाआरती और खिचड़ी वितरण कार्यक्रम को सफल बनाएं। उल्लेखनीय है कि नगर साहू समाज ने निर्णय लिया है कि गत वर्ष अनुसार इस वर्ष भी कर्मा जयंती का समारोह शिवकर्मा शाहू गार्डन खेड़ा इटारसी में 13 अप्रैल रविवार को धूमधाम से आयोजित किया जाएगा जिसमें मेडिकल कैंप के साथ महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों की विभिन्न प्रतियोगिताएं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न होंगे।

नपा अध्यक्ष के कार्यालय परिसर में आयोजित हुई सभा

भाजपा व समाजसेवियों ने दी मनीष शंकर शर्मा को श्रद्धांजलि

इटारसी,देशबन्धु। प्रदेश के वरिष्ठ आईपीएस मनीषशंकर शर्मा स्पेशल डीजी रेल को आज इटारसी भाजपा व समाजसेवियों ने श्रद्धांजलि अर्पित कर प्रदेश, देश व विश्व में उनके योगदान को याद किया। आईपीएस श्री शर्मा का 16 मार्च को असमय देवलोक गमन हो गया था। दिवंगत आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि शाम 4:30 बजे नगरपालिका अध्यक्ष कार्यालय इटारसी में रखी गई थी।

इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे, विधायक प्रतिनिधि जगदीश मालवीय, वरिष्ठ पत्रकार प्रमोद पगारे, भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला अध्यक्ष जयकिशोर चौधरी, उपाध्यक्ष नपा निर्मल सिंह राजपूत, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष राहुल चौरे, पुरानी इटारसी मंडल अध्यक्ष मयंक मेहतो, नीरज जैन ,सत्येंद्रपाल सिंह जग्गी, अशोक साकल्ले, नंदू साहू, संतोष राजवंशी, पार्षद जिम्मी कैथवास, मंजीत कलोसिया, समाजसेवी व कांग्रेस पार्षद दिलीप गोस्वामी, रोहित बाबेजा, शैलेंद्र दुबे, गोविंद मेहतो, हैप्पी भाटिया, नंदू साहू, गोपाल शर्मा, राहुल पटेल, सौरभ मेहरा, गौरव बड़कुर सहित अन्य मौजूद थे। श्रद्धांजलि सभा में नपाध्यक्ष पंकज चौरे, वरिष्ठ पत्रकार प्रमोद पगारे, नगर मंडल अध्यक्ष राहुल चौरे, मयंक मेहतो व अन्य ने मनीष शंकर शर्मा के जीवन पर प्रकाश डाला।

गुरुनानक स्कूल परिवार ने दी श्रद्धांजलि

गुरु नानक पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल इटारसी में भी आज आईपीएस मनीष शंकर शर्मा श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस श्रद्धांजलि सभा में गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के अध्यक्ष सरदार जसवीर सिंह छाबड़ा, सचिव सरदार राजेंद्र सिंह दुआ, गुरु नानक पब्लिक स्कूल के अध्यक्ष सरदार राजेंद्र सिंह सलूजा, सचिव सरदार हरप्रीत सिंह छाबड़ा, उपाध्यक्ष वरिंदर सिंह लांबा, उपाध्यक्ष गुरभेज सिंह जुनेजा, सह सचिव हरमीत सिंह गुरुदत्ता, कोषाध्यक्ष परविंदर सिंह टुटेजा, सह कोषाध्यक्ष रश्मीत सिंह खनूजा, शाला प्राचार्य श्रीमती संगीता दुबे एवं शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

चंवर वंश के राजा वीर मथुरे के महल के पास की संगोष्ठी

शासन से भूमि की मांग

इटारसी,देशबन्धु। अहिरवार समाज संघ नर्मदापुरम ने चंवर वंश के राजा वीर मथुरे के महल के भ्रमण के साथ ही संगोष्ठी का आयोजन किया। इटारसी के समीप तवा नगर के रानीपुर गांव के पास चंवर वंश के राजा वीर मथरे का महल है, जिनके शासनकाल में चमड़े के नोट व सिक्के शासन की मुद्रा के रूप में चले।

कार्यक्रम की शुरुआत में वीर मथुरे का पूजन करके व उनके वंशजों, रामविलास पथोरिया, शारदा पथोरिया सिलारी का स्वागत सम्मान किया। संगोष्ठी में, मुख्य अतिथि के रूप में अहिरवार समाज संघ के संस्थापक व

राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ जगदीश सूर्यवंशी उपस्थित रहे। अहिरवार समाज संघ युवा प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष इंजीनियर अजय अहिरवाल ने मध्य प्रदेश शासन से मांग की है कि इस स्थान को सरकार तीर्थ स्थल घोषित करे। समाज के आस्था का केंद्र है, चमर दल महल की भूमि शासन से मुक्त करके सामाजिक ट्रस्ट को सौंपी जाए, यहां महापुरुषों की मूर्तियां स्थापित की जाएगी। साल में एक बार यहां मेले का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में राजगढ़, विदिशा, सीहोर, भोपाल, रायसेन, नरसिंहपुर, हरदा, बैतूल, खंडवा जिले के प्रमुख सामाजिक प्रतिनिधि उपस्थित हुए। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष एडवोकेट गुमान सिंह मांडले ने की। कार्यक्रम में डीएसपी एमएल वर्मा, हेमंत नरवरिया, राधाकृष्ण बकोरिया, कन्हैयालाल बामने, विनोद लोंगरे, सिकंदर बकोरिया, धनराज निसरेले, संतोष अहिरवार, भगत, राम मांडले, अशोक मांडले पिपरिया, गणेश अहिरवार सोहागपुर, हरि बरगले, संतोष आर्य, कृष्णा चौधरी, दिनेश गोलियां, प्रकाश कंठेले, जितेन्द्र चौधरी, राहुल चौधरी, कपिल अहिरवार, अनिल अहिरवार और सैकड़ों साथी उपस्थित रहे।

दानापुर-एसएमवीटी बेंगलुरु-दानापुर द्विसाप्ताहिक एक्सप्रेस इटारसी स्टेशन से होकर गुजरेगी

इटारसी,देशबन्धु। रेल प्रशासन यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। इसी कड़ी में, दानापुर-एसएमवीटी बेंगलुरु-दानापुर द्वि-साप्ताहिक एक्सप्रेस चलाई जा रही है, जो भोपाल मंडल के इटारसी स्टेशन पर ठहरकर गंतव्य तक जाएगी।

गाड़ी संख्या 03251 दानापुर – एसएमवीटी बैंगलुरु द्वि-साप्ताहिक एक्सप्रेस 26 मई 2025 तक प्रत्येक रविवार एवं सोमवार को दानापुर स्टेशन से दोपहर 15 बजे प्रस्थान कर, अगले दिन मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए सुबह 7:30 बजे इटारसी स्टेशन एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव के बाद तीसरे दिन दोपहर 14:30 बजे एसएमवीटी बेंगलुरु स्टेशन पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 03252 एसएमवीटी बेंगलुरु-दानापुर द्वि-साप्ताहिक एक्सप्रेस 28 मई 2025 तक प्रत्येक मंगलवार एवं बुधवार को रात 23:50 बजे एसएमवीटी बेंगलुरु स्टेशन से प्रस्थान कर, तीसरे दिन मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए सुबह 06 बजे इटारसी स्टेशन एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव के बाद तीसरे दिन रात 23:55 बजे दानापुर स्टेशन पहुंचेगी।रास्ते में यह गाड़ी दोनों दिशाओं में दानापुर, आरा, बक्सर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., प्रयागराज छिवकी, सतना, जबलपुर, इटारसी जं., नागपुर जं., सेवाग्राम, चंद्रपुर, बल्हारशाह, वारंगल, विजयवाड़ा जं., गुडुर जं., पेरंबूर, कटपाड़ी जं., जोलारपेट्टई जं., बंगारपेट जं., व्हाइटफील्ड, एसएमवीटी बेंगलुरु पर रुकेगी।

भगवान परशुराम की शोभायात्रा 1 मई को, बैठक हुई

इटारसी,देशबन्धु। जिला सर्वब्राह्मण समाज तहसील इटारसी द्वारा परशुराम जयंती की तैयारियों हेतु रामपुर-गुर्रा सेक्टर की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन ग्राम रूपापुर में किया। बैठक में सामाजिक कार्यों को नये आयाम तक पहुंचाने हेतु वरिष्ठ

पदाधिकारियों ने मार्गदर्शित किया।

बैठक में सर्व ब्राह्मण समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिला अध्यक्ष पं जितेन्द्र ओझा ने संबोधित कर कहा कि प्रत्येक विप्र मजबूत समाज का आधार है, संगठित होकर एकजुट होकर समाज को एकसूत्र में पिरोकर ही समाज का उत्थान संभव है। हमें इस बात का गर्व हो सकता है कि हम समाज के सर्वश्रेष्ठ कुल में पैदा हुए हैं। अन्य वर्ग हमें सम्मान के साथ संबोधित करते हैं क्योंकि इस कुल को ब्रह्म ज्ञानी कहा जाता है। किंतु जिसके कारण हम सर्वश्रेष्ठ है उस पर हमें चिंतन करना चाहिए। परशुराम जयंती के कार्यक्रम में पूर्ण तन्मयता और लगन के साथ भागीदारी करें और हम सभी के आराध्य परशुराम जयंती के सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रम में सहभागिता निभाकर आयोजन को सफल बनाएं। बैठक में सर्व ब्राह्मण समाज के जिलाध्यक्ष जितेन्द्र ओझा, नगर अध्यक्ष अशोक दुबे, जयंती कार्यक्रम संयोजक अभिषेक तिवारी, अरविंद तिवारी, दिनेश उपाध्याय, सतीश दुबे, प्रदीप दुबे, कृष्ण कुमार दुबे, श्यामशरण तिवारी, अनिल तिवारी, राधेश्याम दुबे, मधु दुबे, प्रदीप दुबे, प्रकाश दुबे, श्रीराम दुबे, गिरिराज द्विवेदी, ज्ञानेन्द्र उपाध्याय, मनोज द्विवेदी, राजेन्द्र तिवारी, मनीष तिवारी, संदीप तिवारी, दीपक दुबे, ललित दुबे, दीपक श्रोती, आलोक दीक्षित, शैलेन्द्र दुबे, कमल लाटा, संतोष दुबे, चिंतामणी दुबे, अभिषेक दुबे, सुरेन्द्र गुरू, अनुराग परसाई, विनोद पाण्डेय, विश्वनाथ तिवारी, अंकित दुबे, राजेश दुबे, अनिकेत दुबे, अमन दुबे, यतेन्द्र श्रोती, प्रकाश श्रोती, देवेश दुबे, कान्हा दुबे एवं अन्य विप्रजन उपस्थित रहे। आभार प्रदर्शन युवा शाखा के तहसील अध्यक्ष रजत दुबे ने किया।

सर्व ब्राह्मण समाज युवा शाखा जिलाध्यक्ष पं गिरिराज द्विवेदी ने बताया कि 1 मई को परशुराम जयंती के उपलक्ष्य में शोभायात्रा परशुराम भवन से प्रारंभ होकर शहर के विभिन्न मार्गों से निकलेगी एवं फ्रेन्ड्स स्कूल ग्राउंड में सम्मान, विप्र मिलन समारोह होगा।

श्री रामजन्म महोत्सव का ऐतिहासिक आयोजन होगा

कार्यक्रम की रूपरेखा और व्यवस्थाओं को लेकर समिति की बैठक हुई

इटारसी,देशबन्धु। नर्मदांचल की आस्था के प्रमुख केंद्र श्री द्वारिकाधीश बड़ा मंदिर में 62 वे वर्ष में श्री रामजन्म महोत्सव का आयोजन होने जा रहा है। आयोजन को सफल बनाने व्यवस्थाओं और रूपरेखा को लेकर एक बैठक सोमवार को मंदिर प्रांगण में हुई। आयोजन अंतर्गत समिति द्वारा 1963 से प्रतिवर्ष श्री रामकथा का आयोजन एवं रामनवमी पर शोभायात्रा चल समारोह की परंपरा रही है। इस वर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा 30 मार्च रविवार से राम नवमी 06 अप्रैल रविवार तक प्रतिदिन सायं 07 से 10 बजे तक चित्रकूट धाम के सुप्रसिद्ध कथावाचक मानसमणि महेंद्र मिश्रा के मुखारविंद से नगर के श्रद्धालु रामकथा का श्रवणामृत ग्रहण करेंगे। समिति प्रवक्ता भूपेंद्र विश्वकर्मा ने बताया कि बैठक में समिति सचिव अभिषेक तिवारी ने कार्यक्रम की समग्र रूपरेखा बताते हुये बैठक की प्रस्तावना रख सुझाव आमंत्रित किये। उपस्थित सदस्यों ने विचार प्रस्तुत किये। संरक्षक प्रमोद पगारे ने सविस्तार इस वर्ष होने वाले कार्यक्रम से

संबंधित विभिन्न पक्षों पर अपने विचार रखते हुये प्रतिदिन की कथा और चल समारोह में अधिकाधिक संख्या में सहभागिता का आह्वान किया।

समिति अध्यक्ष डॉ नीरज जैन ने महोत्सव को लेकर समिति की तैयारी, योजना और संकल्पना को लेकर अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि समिति द्वारा नगर की मंदिर समितियों, धार्मिक व सामाजिक संगठनों सहित नवरात्र देवी प्रतिमा समितियों से भी संपर्क कर इस पावन आयोजन में आमंत्रित किया जायेगा। योजनानुसार चल समारोह भव्य और दिव्य स्वरूप में अखाड़े, डंडा नृत्य, सांस्कृतिक झांकियों के साथ अपने तय मार्ग से निकलेगा। सनातन नव वर्ष चैत्र प्रतिपदा अर्थात गुड़ी पड़वा 30 अप्रैल की है जो कि रविवार का दिन है, साथ ही 6 अप्रैल रामनवमी भी रविवार है। समिति ने नगर के व्यापारियों से आग्रह किया है कि हिन्दू नव वर्ष और हमारे बड़े ही महत्वपूर्ण पर्व रामनवमी पर अपने अपने प्रतिष्ठान खुले रखकर उल्लास और उमंग से साथ यह त्योहार मनायें। बैठक में नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे, उपाध्यक्ष निर्मल सिंह राजपूत, वरिष्ठ समाजसेवी एवं उद्योगपति कैलाश शर्मा, जगदीश मालवीय, संदेश पुरोहित, जयकिशोर चौधरी, पंकज राठौड़, मयूर जायसवाल, कोषाध्यक्ष प्रकाश मिश्रा, अमित दरबार, हिमांशु बाबू अग्रवाल, शैलेंद्र दुबे, संदेश अग्रवाल, हरिओम सोनी, देवेंद्र पटेल, अनिल गेलानी, सहित समिति के पदाधिकारी और सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कुआं खुदाई में बिना लाइसेंस हो रहे थे धमाके

137 डेटोनेटर सहित पोकलेन और दो ट्रैक्टर जब्त

बैतूल, देशबन्धु। आठनेर में अवैध तरीके से कुआं खुदाई के दौरान भारी मात्रा में डेटोनेटर बरामद होने से हड़कंप मच गया। आठनेर तहसील के अंतर्गत तिलकचंद लहरपुरे पिता पन्नालाल लहरपुरे की कृषि भूमि पर कुआं खुदाई के लिए ब्लास्टिंग की जा रही थी। मामले की सूचना मिलते ही नायब तहसीलदार आठनेर, पुलिस प्रशासन, और राजस्व निरीक्षक ने संयुक्त रूप से मौके पर पहुंचकर जांच की।

जांच के दौरान मौके से 137 नग डेटोनेटर बरामद किए गए, जिनकी कोई वैध अनुमति नहीं पाई गई। प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 137 डेटोनेटर, दो ट्रैक्टर और एक पोकलेन मशीन को जब्त कर लिया। ट्रैक्टरों और पोकलेन मशीन पर कोई रजिस्ट्रेशन नंबर नहीं था, साथ ही ट्रैक्टर चालकों के पास ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन के रजिस्ट्रेशन से संबंधित कोई दस्तावेज भी नहीं मिले। कुआं खुदाई के लिए पोकलेन मशीन के मालिक गणेश पिता शरद भरतपुरे, निवासी आठनेर और दो ट्रैक्टरों के मालिक प्रदीप उइके पिता शिवदीन उइके के चार मजदूरों को भी मौके पर पाया गया। इनमें कज्जू पिता मारोती उइके निवासी रजापुर ढाना, हरि उइके पिता पुरन निवासी नांगाढाना, हरिराम पिता प्यारे पन्द्राम निवासी रगड़गांव और दिनेश उइके पिता रामदास निवासी करजगांव, महाराष्ट्र शामिल हैं। इन सभी से पूछताछ की जा रही है।

प्रशासन ने जप्त किए गए सभी डेटोनेटर, पोकलेन मशीन और दोनों ट्रैक्टरों को थाना आठनेर की सुपुर्दगी में सौंप दिया है। मामले में आगे की जांच जारी है। राजस्व निरीक्षक, नायब तहसीलदार और तहसीलदार आठनेर ने पंचनामा बनाकर प्रतिवेदन अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) भैंसदेही को प्रेषित कर दिया है।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

कृषकों का दल करेगा नवीन तकनीकों का अध्ययन

नर्मदापुरम, देशबन्धु। उप संचालक उद्यान नर्मदापुरम श्रीमती रीता उइके ने बताया कि एकीकृत बागवानी मिशन योजना के तहत राज्य के अंदर कृषकों के लिए 3 दिवसीय प्रशिक्षण सह भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन 24 मार्च से 26 मार्च तक किया गया है। कार्यक्रम के तहत 25 कृषकों का दल

के. के. रघुवंशी ग्रा.उ.वि.अधि. केसला के नेतृत्व में भोपाल, सीहोर, देवास और उज्जैन में उद्यानिकी फसलों का अवलोकन करेगा और वैज्ञानिकों से परिचर्चा करेगा। कृषक दल को जनपद पंचायत नर्मदापुरम के अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र चौकसे ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उप संचालक उद्यान, नर्मदापुरम, श्रीमती रीता उईके, सुश्री विजयालक्ष्मी और श्री विकास अग्रही सहित कई विभागीय अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

ग्राम बेगनिया और दमदम में किसान खेत पाठशाला का आयोजन किया

नर्मदापुरम, देशबन्धु। ग्राम बेगनिया और दमदम में सोमवार को प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम के तहत किसान खेत पाठशाला का आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी जयश्री देशमुख, कृषि विकास

अधिकारी गोदावरी बडौले, सहायक पशु चिकित्सक डॉ. सुरायाजी और अन्य किसान उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बताया गया कि नरवाई जलाने से मिट्टी की उर्वरा शक्ति कम होती है, जिससे फसलों की पैदावार कम होती है और लागत अधिक आती है। इस समस्या का समाधान करने के लिए शासन द्वारा नर्मदापुरम जिले की 10 पंचायतों में प्रेरणा अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत किसानों को नरवाई न जलाने के लिए गांव गांव जाकर किसान खेत पाठशाला का आयोजन कर प्रेरित किया जा रहा है। इसके अलावा, किसानों को सुपर सीडर, पूसा डिकंम्पोसर जैसे उपकरणों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। कार्यक्रम में विभाग की योजनाओं चेपकटर, पावर स्प्रे पंप, सूरजमुखी के बीज के बारे में भी किसानों को जानकारी दी गई।

युवा संगम रोजगार एवं स्वरोजगार मेला 9 को

नर्मदापुरम, देशबन्धु। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार जिले में 9 अप्रैल को शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय नर्मदापुरम में युवा संगम रोजगार एवं स्वरोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। तत्संबंध में कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने मेले के सुचारू आयोजन के लिए विभिन्न अधिकारियों को दायित्व सौंप उनकी ड्यूटी लगाई हैं। जारी आदेशानुसार कलेक्टर सुश्री मीना द्वारा श्रीमती नीता कोरी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, को रोजगार मेला का संपूर्ण प्रभार सौंपा गया है। इसी प्रकार अन्य अधिकारियों को भी रोजगार मेले के सुचारू आयोजन हेतु दायित्व सौंपे गए है।

हरदा मण्डी के तौल कांटे जांच के दौरान सही पाये गये

हरदा, देशबन्धु। कलेक्टर आदित्य सिंह के निर्देश पर कृषि उपज मंडी प्रांगण हरदा में संचालित दोनों तौलकांटों की जांच नापतौल विभाग के अधिकारियों द्वारा एसडीएम कुमार शानु देवड़िया व कृषि उपज मंडी समिति हरदा के सचिव अशोक कुमार ठाकुर, की उपस्थिति में की गई। नापतौल निरीक्षक शैलेंन्द्र सिंह पंवार ने बताया कि जांच के दौरान स्थानीय किसान व गल्ला व्यापारी भी मौजूद थे। उन्होने बताया कि जांच में दोनों तौल कांटे सही पाये गये। और कोई त्रुटि नही पाई गई।

पोषण भी पढ़ाई भी अभियान के तहत प्रशिक्षण जारी

हरदा, देशबन्धु। तीन वर्ष तक बच्चों की बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा के सुदृढ़ीकरण के लिये प्रदेश सरकार ने पोषण भी पढ़ाई भी अभियान प्रारम्भ किया है। इस अभियान के अंतर्गत आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है। जिला कार्यक्रम अधिकारी संजय त्रिपाठी ने बताया कि 24 से 29 मार्च के बीच सभी बाल विकास परियोजनाओं में कार्यकर्ताओं के लिये खण्ड स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। सोमवार को हरदा ग्रामीण परियोजना के प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री त्रिपाठी ने कार्यकर्ताओं को अभियान के बारे में विस्तार से समझाया। सोमवार को इसी तरह का प्रशिक्षण टिमरनी व खिरकिया परियोजना में भी आयोजित किये गये।

मूंग सिंचाई को ध्यान में रखते हुए नहरों की रिपेयरिंग की जा रही है

हरदा, देशबन्धु। जल संसाधन विभाग द्वारा मूंग सिंचाई वर्ष 2025 को ध्यान में रखते हुए नहरों के रखरखाव के कार्य कराये जा रहे है। कार्यपालन यंत्री जल संसाधन डी.के. सिंह ने बताया कि विभाग द्वारा सोनतलाई उप संभाग में मुख्य नहर से घास एवं गाद निकालने का कार्य लगभग पूर्ण कर लिया गया है।

आरओ वॉटर प्लांट में जल गुणवत्ता की जांच के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करें: संभागायुक्त

आंगनबाड़ियों के संचालन की निरंतर निगरानी सुनिश्चित करें

नर्मदापुरम, देशबन्धु। संभागायुक्त कृष्ण गोपाल तिवारी ने सोमवार को आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नर्मदापुरम संभाग के तीनों जिलों में शांति एवं कानून व्यवस्था तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की। श्री तिवारी ने नर्मदापुरम संभाग के तीनों जिले के कलेक्टर्स को निर्देशित किया है कि आने वाले माह में जिलों में विभिन्न त्योहार एवं पर्वों को मनाया जाएगा जिन्हें दृष्टिगत रखते हुए सभी अनुविभाग स्तर पर कानून एवं शांति व्यवस्था को सुदृढ़ रखा जाए।

संभागायुक्त ने निर्देश दिए की वित्तीय वर्ष समाप्ति के शेष दिवसों में और अधिक बेहतर कार्य करें। जिन राजस्व क्षेत्र में वसूली या लक्ष्य पूर्ति की संभावना हो उन क्षेत्रों में विशेष तौर पर प्रगति लाई जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि आरसीएमएस के सभी घटकों में तीनों जिलों को अधिक सक्रियता दिखाने की आवश्यकता है। श्री तिवारी ने निर्देशित किया कि संभाग के सभी शासकीय विभागों में समस्त फाइलों का आदान-प्रदान ई-ऑफिस प्रणाली के तहत ही किया जाए। उन्होंने कहा कि जितने विभाग ऑन बोर्ड होने के लिए शेष रह गए हो वे सभी एनआईसी की सहायता से अगले 1 सप्ताह के भीतर ऑन बोर्डिंग व्यवस्था सुनिश्चित करें। कमिश्नर श्री तिवारी ने यह निर्देश भी दिए कि जिन भी फाइलों का ई ऑफिस के तहत आदान प्रदान किया जा रहा है उनमें संलग्न दस्तावेज पूर्ण रूप से स्कैन किए जाएं।

संभागायुक्त ने सभी जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित किया की जल जीवन मिशन योजना पर और अधिक फोकस करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सभी जिला पंचायत सीईओ इस संबंध में नियमित रूप से समीक्षा करें। जल जीवन मिशन के तहत नल जल योजना के कनेक्शन किए जाने में प्रगति लाई जाए। उन्होंने यह निर्देश भी दिए की अनु विभाग स्तर पर ग्रीष्मकाल में निर्बाध पेयजल व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए बैठक आयोजित कर ली जाएं तथा उनकी जानकारी संभागायुक्त कार्यालय में प्रस्तुत किया जाना सुनिश्चित करें। श्री तिवारी ने निर्देश दिए हैं कि शहरों में संचालित होने वाले आरओ वॉटर प्लांट का सघन निरीक्षण किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को एक ठोस कार्ययोजना तैयार कर पानी के सैंपल एकत्रित करने और उनकी निर्धारित मानकों के अनुसार टेस्टिंग करवाने के निर्देश दिए हैं। संभागायुक्त ने कहा कि पानी की गुणवत्ता जनता के स्वास्थ्य से सीधे जुड़ी हुई है, इसलिए सभी आरओ वॉटर प्लांट की नियमित जांच अत्यंत आवश्यक है।

संभागायुक्त ने मछुआ समृद्धि योजना के तहत कम प्रगति होने पर हरदा कलेक्टर को निर्देशित किया कि झींगा पालन, मत्स्य बीज संवर्धन योजना के तहत स्थिति को सुधारा जाए। उन्होंने सभी कलेक्टर्स को निर्देशित किया कि शान द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्य न करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही भी की जाए। श्री तिवारी ने तीनों जिलों के कलेक्टर्स को निर्देशित किया कि खनिज वसूली के लिए शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य को पूर्ण किया जाए साथ ही खनिज विभाग से जुड़े हुए सभी 6 घटकों में आवश्यक कार्यवाही करना भी सुनिश्चित करें। उन्होंने अपर कलेक्टर्स को निर्देशित किया कि इस संबंध में नियमित फॉलो अप एवं समीक्षा की जाती रहे। संभागायुक्त ने निर्देश दिए हैं कि संभाग में 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग वाले वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि योजना के तहत निर्धारित लक्ष्य के अनुसार कार्य समय सीमा में पूर्ण किया जाए। संभागायुक्त ने यह निर्देश भी दिए कि यदि शासन द्वारा उपलब्ध करवाए गए लक्ष्यों और जिलों में निर्धारित किए गए लक्ष्यों में कोई अंतर हो, तो उसे तत्काल सुधारते हुए आवश्यक समन्वय स्थापित किया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि आयुष्मान कार्ड निर्माण प्रक्रिया में आ रही आधार कार्ड एवं आयु संबंधित समस्या का भी त्वरित निराकरण किया जाए, ताकि अधिक से अधिक वरिष्ठ नागरिकों को योजना का लाभ प्राप्त हो सके।

संभागायुक्त ने निर्देश दिए हैं कि आंगनबाड़ियों के संचालन की नियमित जांच सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आंगनबाड़ियां शासन द्वारा निर्धारित गाइडलाइन के अनुसार तय समय पर खुल रही हैं या नहीं इसका भी परीक्षण करें। संभागायुक्त ने कहा कि संबंधित अधिकारी नियमित रूप से भ्रमण कर आंगनबाड़ियों का निरीक्षण करें और संचालन में किसी भी तरह की लापरवाही न होने दें। उन्होंने अधिकारियों को इस संबंध में पूरी सतर्कता बरतने और आवश्यकता अनुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। श्री तिवारी ने उपार्जन के संबंध में सभी कलेक्टर्स को निर्देशित किया की खरीदी केंद्रों पर आवश्यक एवं बुनियादी सुविधाओं को पुख्ता रखा जाए साथ ही बारिश की संभावना को दृष्टिगत रखते हुए उपार्जित स्कंध का सुरक्षित परिवहन एवं भंडारण भी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कंट्रोल रूम स्थापित कर उपार्जन के विरुद्ध उपार्जित स्कंद की भुगतान की स्थिति की भी सतत रूप से मॉनिटरिंग करवाए तथा उपार्जन प्रक्रिया की गति भी बढ़ाई जाए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान हरदा कलेक्टर आदित्य सिंह, बैतूल कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी, सीईओ जिला पंचायत नर्मदापुरम सौजान सिंह रावत, ऑनलाइन एवं उपायुक्त राजस्व गणेश जायसवाल, संयुक्त आयुक्त विकास जीसी दोहर ऑफलाइन उपस्थित रहे।

संभागीय संयुक्त संचालक ने किया गया आंगनबाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण

नर्मदापुरम, देशबन्धु। संभागीय संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास नर्मदापुरम संभाग नर्मदापुरम एचके शर्मा द्वारा सोमवार को जिला नर्मदापुरम अंतर्गत महिला एवं बाल विकास परियोजना-नर्मदापुरम शहरी अंतर्गत संचालित 6 आंगनबाड़ी केन्द्र का औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान संयुक्त संचालक, श्री शर्मा द्वारा आंगनबाडी केन्द्र में प्रतिमाह आयोजित होने वाले वजन अभियान अंतर्गत् बच्चों का सही-सही शरीरिक माप लेने तथा शुद्ध व सटीक ऑकड़े पोषण ट्रेकर एप में दर्ज करने हेतु निर्देश दिये गये। कुपोषित बच्चों पर विशेष निगरानी रखने, आवश्यक उपचार कराने, स्वास्थ्य विभाग से समन्वय कर आवश्यक 5 प्रकार की दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा सैम बच्चों को पोषण पुनर्वास केन्द्र में भर्ती करने हेतु निर्देश दिये गये। आंगनबाडी कार्यकर्ता की संपर्क एप में प्रतिदिन उपस्थिति तथा प्रतिदिन आंगनबाड़ी केंद्र खुलने की पोषण ट्रेकर एप में प्रविष्टि

सुनिश्चित की जावे। आंगनबाड़ी केन्द्र की सर्वेक्षित जनसंख्या अनुसार वर्ष 2024 की अनुमानित जनसंख्या के आधार पर निर्धारित अनुपात में गर्भवती माता, धात्री माता, 6 माह से 3 वर्ष के बच्चे तथा 3 वर्ष से 6 वर्ष के बच्चों का पंजीयन पोषण ट्रेकर एप शत प्रतिशत प्रविष्ट किया जावे। कोई भी हितग्राही पंजीयन से छूटना नहीं चाहिये। पंजीकृत हितग्राहियों का आधार सत्यापन भी पोषण ट्रेकर एप में अनिवार्यत: नियमित रूप से किया जावे। पोषण ट्रेकर में दर्ज समस्त आधार सत्यापित हितग्राहियों का शतप्रतिशत एफआरस एवं ईकेवाईसी किया जाना सुनिश्चित करें। प्रत्येक माह आयोजित होने वाले वजन अभियान में सभी पात्र बच्चों का वजन अत्यंत सावधानी से पूरी शुद्धता से लिया जाकर पोषण ट्रेकर एप में दर्ज किया जावे। कोई भी बच्चा वजन मापन से वंचित न रहे, ऐसा सुनिश्चित करें। माता-पिता को बच्चे के वजन की प्रगति से निरंतर अवगत कराते रहें एवं खाने में पौष्टिकता बनाये रखने हेतु क्या-क्या खाना है, उनको बताते रहें। आंगनबाडी केन्द्र निर्धारित समय पर खोलें, नियमित रूप से साफ-सफाई रखी जावे तथा हितग्राहियों को निर्धारित मीनू अनुसार टीएचआर एवं गर्म ताजा पका नाश्ता/भोजन प्रदाय किया जावे। आंगनबाडी केन्द्र में बच्चों की शतप्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित की जावे। पोषण ट्रेकर एप में प्रतिदिन एन्ट्री की जाये। क्षेत्र का गहन सर्वे कर विभागीय योजनाओं के लाभ से सभी हितग्राहियों को जोड़े एवं लाभांवित करायें। कोई भी पात्र हितग्राही वंचित न रहे, ऐसा सुनिश्चित करें। लाडली लक्ष्मी योजना एवं प्रधानमंत्री मातृ वंदना का लाभ लेने हेतु आवश्यक दस्तावेजों यथा-समग्र आईडी, आधार, डीबीटी, बैंक से लिंकेज आदि के संदर्भ में हितग्राहियों को मार्गदर्शन एवं सहयोग करते रहें। संपर्क एप एवं पोषण ट्रेकर एप की डाटा प्रविष्टि पर विशेष ध्यान दिया जावे।

संयुक्त संचालक, श्री शर्मा द्वारा संचालनालय महिला एवं बाल विकास भोपाल से प्राप्त निर्देशानुसार पोषण भी पढाई भी कार्यकम अंतर्गत् बाल विकास परियोजना-नर्मदापुरम ग्रामीण एवं नर्मदापुरम शहरी अंतर्गत् आंगनबाडी कार्यकर्ताओं के आयोजित किये जा रहे प्रशिक्षण में उपस्थित होकर आंगनबाडी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण के विषय की गंभीरता को अवगत कराते हुये आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया।

विश्व क्षय दिवस पर टीबी मरीजों को खाद्य पैकेट वितरित

जागरूकता रैली निकाली गई

नर्मदापुरम, देशबन्धु। विश्व क्षय दिवस के अवसर पर कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेश दहलवार के मार्गदर्शन में जिले में टीबी मरीजों के लिए विशेष अभियान चलाया गया। महामहिम राज्यपाल महोदय के निर्देशानुसार, जिले में विगत तीन वर्षों से निक्षय मित्रों एवं समाजसेवियों के सहयोग से टीबी से पीडति मरीजों को फूड बास्केट वितरित की जा रही है।

इस अभियान के तहत कलेक्टर महोदय, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिविल सर्जन एवं जिला क्षय अधिकारी के नेतृत्व में टीबी उन्मूलन अभियान को सफल बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। यह पहल प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत संचालित की जा रही है ।कार्यक्रम में विशेष रूप से समाजसेवी चंद्र गोपाल मलैया, उदित द्विवेदी, अनिल अग्रवाल, मुकेश श्रीवास्तव, गौरव सेठ, विपिन जैन सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। साथ ही, कार्यालय प्रभारी शेर सिंह बड़कुर, डीपीएम श्रीमती कविता, डीपीसी विशेष दुबे एवं टीबी विभाग का समस्त स्टाफ कार्यक्रम में सक्रिय रूप से सम्मिलित रहा। इस अवसर पर आशा कार्यकर्ताओं एवं टीबी विभाग के कर्मचारियों द्वारा जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें आम जनता को टीबी रोग, उसके लक्षण, बचाव एवं उपचार संबंधी जानकारी दी गई।

विश्व क्षय दिवस पर टीबी मुक्त पंचायतों के सरपंच सचिव हुए सम्मानित

हरदा, देशबन्धु। विश्व क्षय दिवस के अवसर पर जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में जिले की टीबी मुक्त 25 पंचायतों के सरपंच, सचिव व सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष गजेन्द्र शाह, उपाध्यक्ष दर्शन सिंह गेहलोत, कलेक्टर आदित्य सिंह व जिला पंचायत की सीईओ श्रीमती सविता झानिया सहित अन्य अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद थे। कार्यक्रम में टीबी मुक्त जिन पंचायतों के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया, उनमें हरदा विकासखण्ड की ग्राम पंचायत धनगांव, खामापड़वा, खेड़ा, बालागांव, बूंदड़ा, केलनपुर, हीरापुर, रहटाखुर्द, रोलगांव, झालवा व गुठानिया, खिरकिया विकासखण्ड की पंचायत बमनगांव, बारंगी, बारंगा, बावड़िया, बेड़ियाकला, मांदला, पिपल्याखुदिया, सक्तापुर, सारंगपुर व जूनापानी मकड़ाई तथा टिमरनी विकासखण्ड की पंचायत खमगांव, दूधकच्छकला, तजपुरा व नांदवा शामिल हैं। कार्यक्रम के अंत में हरदा जिले को टीबी मुक्त जिला बनाने के लिये उपस्थित सभी अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों को शपथ दिलाई गई।

नलकूप व हेण्डपम्प खनन के लिये एसडीएम से लेना होगी अनुमति

हरदा, देशबन्धु। कलेक्टर आदित्य सिंह ने म.प्र. पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 एवं संशोधित अधिनियम 2022 के तहत हरदा जिले को 31 जुलाई 2025 तक जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित किया है। जारी आदेश अनुसार सम्पूर्ण हरदा जिले में नलकूप व हैण्डपम्प के खनन पर प्रतिबंध लगाया गया है। अब बिना सक्षम अनुमति के कोई भी व्यक्ति प्रायवेट ट्यूबवेल या हैण्डपंप का खनन नहीं कर सकेगा और इस अवधि के दौरान बिना सक्षम अनुमति के जल स्रोतों से कृषि हेतु सिंचाई तथा औद्योगिक कार्य हेतु उपयोग नहीं किया जा सकेगा। आदेश का उल्लंघन होने पर संबंधित के विरूद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जाकर दंडित किया जायेगा। नलकूप खनन एवं सिंचाई की अनुज्ञा जारी करने के लिये संबंधित क्षेत्र के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को अधिकृत किया गया है। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि आगामी ग्रीष्मकाल में अत्याधिक गर्मी व तापमान संभावित होने के फलस्वरूप जल स्तर में अधिक गिरावट संभावित है।

जैविक खेती को प्रोत्साहित करें, नरवाई न जलाने के लिये प्रेरित करें

हरदा, देशबन्धु। कलेक्टर आदित्य सिंह ने सोमवार शाम को आयोजित बैठक में उपस्थित कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि किसानों को जैविक व परम्परागत खेती के फायदे बताएं तथा उन्हें नरवाई जलाने से होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी दें।

कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में कृषि के साथ-साथ पशु पालन, उद्यानिकी, सहकारिता, डेयरी व मछली पालन विभाग की योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की और उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिये कि उपलब्ध बजट का बेहतर ढंग से उपयोग करें तथा विभिन्न योजनाओं के तहत जिले को प्राप्त बजट को किसी भी स्थिति में समर्पित न करें। उन्होने उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि किसानों को पॉली हाउस, ड्रिप सिंचाई पद्धति, स्प्रिंकलर सिंचाई पद्धति व शेड नेट के उपयोग से होने वाले फायदे के बारे में प्रशिक्षित करें। उन्होने पशु चिकित्सा व डेयरी विभाग के अधिकारियों को दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिये मिल्क रूट विकसित करने के लिये भी कहा। उन्होने मण्डी सचिव को निर्देश दिये कि कृषि उपज मण्डी में किसानों की सुविधा वृद्धि के लिये विकास कार्यों हेतु प्रबन्ध संचालक मण्डी बोर्ड भोपाल को अधोसंरचना विकास संबंधी कार्यों की स्वीकृति के लिये प्रस्ताव भेजें।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में मादा तेंदुआ की मृत्यु

नर्मदापुरम, देशबन्धु। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के कक्ष क्रमांक 234, बीट सुआरिया नाला, वन परिक्षेत्र कामती में एक मादा तेंदुआ की मृत्यु की घटना सामने आई। इस संबंध में एनटीसीए, नई दिल्ली एवं मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक, मध्यप्रदेश, भोपाल के दिशा-निर्देशों के अनुसार त्वरित कार्रवाई की गई।

घटना स्थल को सुरक्षित कर डॉग स्क्वॉड की सहायता से गहन जांच की गई, जिसमें अवैध शिकार के कोई प्रमाण नहीं मिले। मृत मादा तेंदुआ के शरीर पर अन्य वन्यप्राणी के दांतों के निशान पाए गए, जिससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि मृत्यु प्राकृतिक कारणों से हुई है। मादा तेंदुआ के शव का पोस्टमार्टम वन्यजीव विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में किया गया, जिसमें सभी अंग सुरक्षित पाए गए। पोस्टमार्टम करने वाले . डॉ. प्रशांत देशमुख (प्राणी संरक्षण ट्रस्ट, [illegible], डॉ. हमजा फारूखी (वन्यप्राणी चिकित्सक, वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल), डॉ. संजय कुमार सिंघई (शासकीय पशु चिकित्सक, नर्मदापुरम) चिकित्सक उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश शासन वन विभाग के निर्देशानुसार शवदाह (भस्मीकरण) की प्रक्रिया सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के अधिकारियों एवं विशेषज्ञों की उपस्थिति में संपन्न की गई। शवदाह प्रक्रिया के दौरान श्रीमती राखी नंदा क्षेत्र संचालक, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व, सुश्री पूजा नागले उप संचालक, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व, अंकित जामोद सहायक संचालक, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व, उप इकाई सोहागपुर, प्रेमनारायण ठाकुर परिक्षेत्र अधिकारी, कामती, श्रीमती पूजा अहिरवार सरपंच, टेकापार, एनटीसीए प्रतिनिधि लखनलाल पटेल एवं श्री बलबहादुर पठारिया, वन्यजीव विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. प्रशांत देशमुख, डॉ. हमजा फारूखी, डॉ. संजय कुमार सिंघई अधिकारी एवं एनटीसीए के प्रतिनिधी एवं वन्य प्राणि विशेषज्ञ उपस्थित रहे। घटना की पूरी प्रक्रिया की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी की गई है। घटना के संबंध में वन अपराध प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच जारी है।

कायालय नगर पालिका परिषद् सिवनी मालवा जिला नर्मदापुरम (म.प्र.)

क्रमांक 718/ रा.न.पा./2025 — सिवनी मालवा दिनांक 24.03.2025

म.प्र जगैरमालिका अधिनियम 1961 की धारा 109 के तहत मध्यप्रदेश नगरपालिका (अचल सम्पत्ति का अंतरण) नियम-2016 के नियमों के अंतर्गत ऑफलाईन निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पालिका परिषद सिवनी मालवा द्वारा नगर पालिका स्वामित्व की गुमठियों का अस्थाई आवंटन / नीलामी की सूचना ऑफलाईन आमंत्रित की जाती है। म. प्र. नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 109 के तहत् मध्यप्रदेश नगर पालिका (अचल सम्पत्ति का अंतरण) नियम-2016 तथा संशोधन अधिसूचना क्रमांक 08-एफ-01-2016 अठारह-3 भोपाल दिनांक 04 मई 2021 व संशोधन अधिसूचना भोपाल दिनांक 28 मई 2023 के नियमों के अनुसार तालिका में वर्णित सम्पत्तियों के विकय हेतु ऑफलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। प्रथम लिफाफा (A) मे अर्नेस्ट मनी (सुरक्षा निधि) एफ.डी.आर. / डी.डी/नगद जमा की मूल रशीद के रूप मे एवं आरक्षित वर्ग का होने पर संबंधित विभाग के सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी जाति प्रमाण, मेडिकल बोर्ड का प्रमाणपत्र आधार कार्ड आदि एवं द्वितीय लिफाफा (B) में निविदा दर निर्धारित प्रपत्र में प्रस्तुत करना होगा। अर्नेस्ट मनी एवं संबंधित विभाग के सक्षम अधिकारी द्वारा जारी जाति प्रमाण पत्र, विकलागंता प्रमाण पत्र मेडिकल बोर्ड का प्रमाणपत्र आदि प्रथम लिफाफा (A) में सही-सही पाई जाने पर ही निविदा दर का लिफाफा (B) खोला जावेगा। प्रत्येक लिफाफे पर निविदादाता का नाम तथा जिस गुमठी के लिये निविदा आकार प्रस्तुत किया जा रहा है, उसका स्पष्ट अक्षरों में उल्लेख किया जाना अनिवार्य होगा। गुमठियों के आरक्षित मूल्य से अधिक राशी के प्रस्ताव/दर प्राप्त होने पर ही स्वीकृति उपरांत अंतरण की कार्यवाही की जावेगी। इस कार्य हेतु प्रत्येक गुमठी हेतु पृथक-पृथक ऑफलाईन निविदा प्रपत्र दिनांक 25.03.2025 समय प्रात: 11.00 बजे से दिनांक 11.04.2025 समय शाम 6.00 बजे तक राशि रुपये 2000/- नगर पालिका मुख्य कार्यालय की राजस्व शाखा में जमा कर क्रय किये जा सकते है, तथा प्रतिभूति निक्षेप (सुरक्षा निधि) की राशि पृथक-पृथक गुमठी हेतु 10000/- रुपये एफ.डी.आर. / अमानत के रुप में मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका सिवनी मालवा के नाम से जमा की जावेगी।

क्रं.	गुमठी का क्षेत्रफल गुमठी सं.	आरक्षित मूल्य: गुमठी नं.	मुल्य	आरक्षण की स्थिति (अचल संपित्त अंतरण नियम अनुसार)	किराया + जी.एस.टी
1	64 Sqf. 70 गुमठी	2,3,4,5,6,7,18,27, 28,33	213000/-	अ.जा. 1,11,31,39,51 अ.ज.जा.- 8,25,42,47 अ.पि.वर्ग - 5,18,45,55 अना. महिला विधवा-19,32,58,62 विकलांग - 17 शेषअनारक्षित- 2,3,4,6,7,9,10, 12,13,14,15,16,20,21,22 23,24,26,27,28,29,30,33,34, 35,36,37,38,40,41,43,44,46 48,49,50,52,53,54,56,57, 59, 60,61,63,64,65,66,67,68,69,70	500/- प्रतिमाह+ जी.एस.टी (शासन नियम अनुसार)
		34	214000/-		
		55,57,59	216000/-		
		54,56	218000/-		
		60	222000/-		
		शेष गुमठियों का मूल्य	211000/-		

नोट:- गुमठी आवंटन हेतु नियम एवं शर्ते कार्यालयीन समय में अवकाश के दिनों को छोडकर नगर पालिका की राजस्व शाखा में देखी जा सकती है। तथा विभाग की वेबसाईट WWW.mpurban.gov-in पर देखी जा सकती है।

समय सारणी :-

01 निविदा प्रपत्र क्रय करने प्रारंभ दिनांक	:-	25.03.2025 (प्रात: 11:00 बजे से)
02 निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम दिनांक	:-	11.04.2025 (शाम 06.00 बजे तक)
03 निविदा की हार्डकापी जमा करने की अंतिम दिनांक	:-	15.04.2025 (शाम 06.00 बजे तक)
04 लिफाफा 'ए' खोलने की दिनांक	:-	16.04.2025 (प्रात: 11.00 बजे से)
05 लिफाफा 'बी' खोलने की दिनांक	:-	16.04.2025 (दोपहर: 03.00 बजे से)

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद सिवनी मालवा म.प्र.

उपलब्ध विभागीय बजट का अधिकतम सदुपयोग करें अधिकारी: कलेक्टर

हरदा, देशबन्धु। वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंतिम दिनों में उपलब्ध विभागीय बजट का निर्धारित मद में अधिकतम सदुपयोग करें और प्रयास करें कि विभाग द्वारा उपलब्ध कराया गया बजट समर्पित न करना पड़े। यह निर्देश कलेक्टर आदित्य सिंह ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में उपस्थित अधिकारियों को दिये।

कलेक्टर श्री सिंह ने सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों तथा जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों के निराकरण की भी समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्राप्त शिकायतों का समय समीक्षा में निराकरण करते हुए आवेदक को सूचित अवश्य करें। कलेक्टर श्री सिंह ने शासकीय राजस्व वसूली से संबंधित विभागों के अधिकारियों से कहा कि राजस्व वसूली के मामले में विशेष ध्यान दें। उन्होने समीक्षा के दौरान ई-ऑफिस सिस्टम अभी तक चालू न कर पाने वाले खनिज, परिवहन, उद्यानिकी, नागरिक आपूर्ति निगम, वेयर हाउस, मार्कफेड, नगर पालिका सहित अन्य विभागों के अधिकारियों के प्रति नाराजगी प्रकट की। उन्होने कहा कि 31 मार्च के बाद सभी शासकीय फाईलें ई-ऑफिस के माध्यम से ही स्वीकार की जायेंगी। कोई भी फाईल ऑफलाइन प्राप्त नहीं की जायेगी। उन्होने ग्राम पंचायतों के लंबित विद्युत देयक भुगतान कराने तथा जल जीवन मिशन की पेयजल योजनाओं की दैनिक समीक्षा नियमित रूप से करने के निर्देश जिला पंचायत की सीईओ श्रीमती झानिया को दिये। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्माण विभागों के अधिकारियों को शासकीय निर्माण कार्य से संबंधित खनिज रायल्टी की राशि खनिज विभाग में जमा कराने के निर्देश भी दिये। कलेक्टर श्री सिंह ने सभी एसडीएम को निर्देश दिये कि वे अनुश्रवण समिति की बैठक नियमित रूप से आयोजित कर योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करें। उन्होने जिला आपूर्ति अधिकारी को उपार्जन कार्य के लिये नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिये। बैठक में जिला पंचायत की सीईओ श्रीमती सविता झानिया, संयुक्त कलेक्टर सतीश राय,संजीव नागू व सुश्री रजनी वर्मा तथा एसडीएम कुमार शानु देवड़िया सहित अन्य जिला अधिकारी मौजूद थे।

उत्कृष्ट कार्य के लिए अधिकारियों को दिए प्रशस्ति पत्र- कलेक्टर आदित्य सिंह ने बैठक में जिला लोक सेवा प्रबंधक नितिन वर्मा को सीएम हेल्पलाइन में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। उन्होंने एनआईसी के जिला सूचना विज्ञान अधिकारी शैलेश दुबे को ई-ऑफिस सिस्टम लागू करने में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

देशबन्धु

नर्मदापुरम, मंगलवार 25 मार्च 2025

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

कटाक्षों से घबराती सरकार

सत्ता जब अनैतिक तरीके से पायी और चलायी जाये तो उससे उपजा अपराध भाव सियासतदानों को एक हास्य कलाकार से भी डरा देता है। फिर उसकी आवाज़ दबाने के लिये कानून की बजाय राज्य अपनी मशीनरी तथा संगठन की ताकत का बेजा इस्तेमाल करता है। कुछ ऐसा ही हुआ है रविवार को मुंबई के खार स्थित हैबिटेट कॉमेडी क्लब में, जहां प्रसिद्ध हास्य कलाकार कुणाल कामरा का शो हुआ था जिसमें उन्होंने मौजूदा राजनीति पर करारे व्यंग्य कसे थे और किसी का भी नाम लिए बिना नेताओं की अवसरवादिता पर कटाक्ष किया था। इससे नाराज़ शिवसेना नेता और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के कार्यकर्ताओं ने आयोजन स्थल में जमकर तोड़-फोड़ की, साथ ही कामरा के खिलाफ मामला दर्ज कर दिया गया है और उन्हें देश भर में कहीं भी न घूमने-फिरने की चेतावनी दी जा रही है।

कामरा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 353(1)(बी) और 356(2) (मानहानि) के तहत मामला दर्ज किया गया है। वैसे कुणाल के जिस मज़ाक पर शिंदे गुट के शिवसैनिक नाराज़ हैं व एफआईआर दर्ज है उसमें न तो उप मुख्यमंत्री का नाम लिया गया है और न ही पार्टी के किसी नेता का उल्लेख है। उल्लेखनीय है कि करीब तीन वर्ष पहले शिवसेना और एनसीपी, इन दोनों दलों में जो फूट पड़ी थी, उस पर कुणाल कामरा ने यह कहकर तंज कसा था कि 'शिवसेना से शिवसेना निकल गयी और एनसीपी से एनसीपी निकल गयी।' साथ ही उन्होंने शिंदे को संकेतों में गद्दार कहा।

राज्य की भाजपा-शिवसेना (शिंदे गुट) व एनसीपी (अजित पवार गुट) की सरकार तथा पार्टी कार्यकर्ताओं को कुणाल की कॉमेडी ऐसी नागवार गुजरी कि उन्होंने आयोजन स्थल में जमकर तोड़फोड़ की। जिस के बाद 11 उपद्रवी गिरफ्तार हुए हैं। उधर पुलिस ने शिवसेना विधायक व पार्टी प्रवक्ता मुरजी पटेल की शिकायत के आधार पर कुणाल कामरा के खिलाफ़ को एफआईआर दर्ज की। इतना ही नहीं, मुम्बई महानगरपालिका का एक दस्ता क्लब को जमींदोज़ करने हेतु भेजा गया। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने कामरा की कॉमेडी को 'अपमानजनक' बतलाते हुए कहा कि 'यह सहन नहीं किया जायेगा।' जबकि शिवसेना विधायक और मंत्री प्रताप सरनाइक का कहना है कि तोड़फोड़ जैसे काम का वह सरकार में होने के नाते समर्थन नहीं करते, लेकिन मंत्री होने से पहले वे शिवसैनिक हैं और जो हमारे नेता का मज़ाक उड़ाएगा उसे शिवसैनिक छोड़ेंगे नहीं। इस घटना पर शिवसेना कार्यकर्ताओं का खून उबाल मार रहा है और नेता उसे जायज ठहरा रहे हैं। पार्टी प्रवक्ता ने चेतावनी दी है कि कुणाल को महाराष्ट्र ही नहीं हिन्दुस्तान भर में कहीं भी घूमने-फिरने नहीं दिया जायेगा। ठाणे से शिवसेना सांसद नरेश म्हस्के का कहना है कि 'कामरा एक अनुबंधित कॉमेडियन हैं। मगर उन्हें सांप की पूंछ पर पैर नहीं रखना चाहिए था। एक बार जब नुकीले दांत बाहर आते हैं तो परिणाम भयंकर होते हैं।' म्हस्के ने आरोप लगाया कि 'कामरा ने उद्धव ठाकरे से पैसे लिए हैं और एकनाथ शिंदे को निशाना बना रहे हैं।' उन्होंने कहा कि 'हम यह सुनिश्चित करेंगे कि वे देश में कहीं भी घूम न सकें। हम दिवंगत बालासाहेब ठाकरे के शिवसैनिक हैं। अगर हम उनका अनुसरण करने लगे तो कामरा को देश छोड़ना पड़ेगा।'

गौरतलब है कि कुणाल कामरा समकालीन परिघटनाओं और राजनीति को अपने व्यंग्य के विषय बनाते हैं। एक मायने में उन्हें साहसी व चैतन्य कलाकार माना जाता है जो देश-विदेश की घटनाओं पर अपने तरीके से अपनी राय जाहिर करते हैं। स्टैंडअप कॉमेडी के अलावा वे सोशल मीडिया के जरिये भी सक्रिय रहते हैं। स्वाभाविक है कि उन्हें इस नाते कई लोगों की नाराज़गी का सामना करना पड़ता है। अनेक प्रसिद्ध हस्तियों से वे उलझ भी चुके हैं। 2020 में इंडिगो की एक फ्लाइट में उनकी मुलाकात सत्ता समर्थक माने जाने वाले एंकर अर्नब गोस्वामी से जब हुई तो उन्होंने गोस्वामी की पत्रकारिता पर तीखे सवाल किये। इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल भी किया। अर्नब गोस्वामी ने कामरा की किसी भी बात का जवाब नहीं दिया तो कॉमेडियन ने यह कहकर उनका मज़ाक उड़ाया कि वे सबसे सवाल तो पूछते हैं लेकिन खुद की बारी आयी तो चुप्पी साध गये। हालांकि इसका उन्हें खामियाजा भुगतना पड़ा। उन्हें कई एयरलाइंस ने अलग-अलग अवधियों के लिये बैन कर दिया था। कुछ ने आजीवन प्रतिबन्ध लगा रखा है।

ओला इलेक्ट्रिक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी भाविश अग्रवाल से उनकी सोशल मीडिया पर भिड़ंत होती रहती है। भाविश ने जब ओला गीगा फैक्ट्री की एक फोटो शेयर की तो उसके जवाब में कामरा ने ओला इलेक्ट्रिक स्कूटरों की फोटो डाल दी थी और कंपनी की सेवाओं पर सवाल खड़े किये थे। 2022 में हरियाणा के गुरुग्राम में उनके शो को बजरंग दल और विश्व हिन्दू परिषद ने रद्द करा दिया था। खुद को 'वीएचपी से बड़ा हिंदू' बतलाते हुए कामरा ने वीएचपी को लिखे पत्र में नाथूराम गोडसे की निंदा करने हेतु ललकारा था। एक बार उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का छेड़छाड़ से एडिटेड वीडियो जारी कर दिया था। हालांकि उन्होंने उसे हटा दिया था पर वे सरकार और भारतीय जनता पार्टी की नज़रों में आ गये थे। बाल संरक्षण आयोग ने भी उन्हें इसके लिये चेतावनी जारी की थी। वर्ष 2020 में सुप्रीम कोर्ट पर टिप्पणी करने से उनके खिलाफ अवमानना की कार्यवाई की तैयारी थी।

कुणाल कामरा के साथ जो हो रहा है वह दरअसल एक असहिष्णु तथा आलोचना को सहन न करने वाले नेताओं के द्वारा सरकार चलाने का प्रतिफल है। भाजपा व शिवसेना तथा उनके जैसी पार्टियों के नेता, जो स्वयं अपने विरोधियों की निन्दा करने के लिये शालीनता तथा मर्यादाओं की तमाम सीमाएं लांघ जाते हैं, खुद के विरुद्ध एक भी शब्द सुनने को राजी नहीं होते। यह रवैया अलोकतांत्रिक तो है ही, घबराये व अपराध भाव से ग्रस्त सियासत की भी मानसिकता है। याद रहे कि हाल ही में लेक्स फ्रिडमैन के साथ अपने चर्चित पॉडकास्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने आलोचना करने के पक्ष में बयान दिया था, लेकिन उनके अपने नेता और सहयोगी इसके खिलाफ आचरण कर रहे हैं और श्री मोदी फिर से चुप लगाकर बैठे हैं।

न्यायपूर्ण परिसीमन की लड़ाई!

राजेंद्र शर्मा

> यह समस्या का आदर्श समाधान नहीं है। सत्ताधारी पार्टी का कुल मिलाकर जो रुख नजर आता है, उसके चलते ही विपक्ष को, एक बचाव उपाय के रूप में ही यह रुख अपनाना पड़ा लगता है। वर्ना होना तो यही चाहिए था कि इस दिशा में किसी भी तरह के कदम उठाने से पहले, केंद्र सरकार सभी राजनीतिक शक्तियों के साथ खुली चर्चा कर, गैर-हिंदी राज्यों की चिंताओं का समाधान खोजती।

है रानी की बात नहीं है कि नरेंद्र मोदी सरकार ने अपनी करनियों और अकरनियों से इस देश की राजनीतिक व्यवस्था में उत्तर और दक्षिण के पुराने विभाजन को फिर से भड़का दिया है। जैसाकि हमने इससे पहले एक लेख में जिक्र किया था, इस विभाजन को बढ़ाने का काम मौजूदा केंद्र सरकार की भाषा नीति और शिक्षा रीति-नीति ने किया है। केंद्र सरकार के, शिक्षा के लिए तमिलनाडु राज्य के फंड उल्लेखनीय पैमाने पर रोकने ने इस टकराव को तेज किया और केंद्र सरकार के इसके ऐलान ने इस टकराव को विस्फोटक बिंदु पर पहुंचा दिया कि 2020 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति और विशेष रूप से त्रिभाषा फार्मूले को जब तक तमिलनाडु लागू नहीं करता है, उसको रुका हुआ फंड नहीं दिया जाएगा। तमिलनाडु सरकार ने, जो त्रिभाषा फार्मूले को तमिलनाडु समेत गैर-हिंदीभाषी इलाके पर हिंदी थोपने की कोशिश के रूप में देखती है, न सिर्फ फंड रोकने के डंडे के बल पर केंद्र की शिक्षा नीति तथा भाषा नीति थोपने की इन कोशिशों को ठुकरा दिया बल्कि अवज्ञापूर्ण रुख अपनाते हुए, केंद्र की इस मनमानी का हर कीमत पर विरोध करने का भी ऐलान कर दिया।

इसी दौरान, मोदी सरकार के इरादों को लेकर गंभीर आशंकाओं से भड़के एक और मुद्दे ने, उत्तर-दक्षिण के विवाद को और उग्र बना दिया है। यह मुद्दा है, आने वाले समय में होने वाली जनगणना के बाद, होने वाले परिसीमन या जन-प्रतिनिधित्व की इकाई के रूप में लोकसभाई क्षेत्रों के पुनर्सीमांकन का। जन प्रतिनिधित्व की व्यवस्था में संतुलन बनाए रखने के लिए आवश्यक समायोजन की व्यवस्था करते हुए, देश के संविधान में इसका प्रावधान किया गया था कि हरेक दस साला जनगणना के बाद, उसके आधार पर संसदीय क्षेत्रों का पुनर्सीमांकन किया जाए, ताकि इस दौरान आए जनसांख्यिकीय बदलावों को हिसाब में लिया जा सके। इन बदलावों के लिए दो अलग-अलग स्तरों पर, परिसीमन के जरिए परिवर्तन किए जाते हैं। राज्यों के स्तर पर यानी राज्यों के अंदर परिवर्तन और राज्यों के बीच में परिवर्तन। इसी आधार पर, दशकीय जनगणना को आधार बनाकर, पहला परिसीमन 1952 में हुआ था और उसके बाद 1963 तथा 1973 में परिसीमन हुआ था और इसके जरिए लोकसभा की सीटों की संख्या क्रमश: 494, फिर 522 और फिर 543 तय की गयी थी।

बहरहाल, 1976 में एक संविधान संशोधन के जरिए, परिसीमन की प्रक्रिया को 25 साल के लिए स्थगित कर दिया गया और लोकसभा की सीटों की संख्या को तब तक के जहां का तहां रोक दिया गया। इसके पीछे विचार यह था कि जिन राज्यों में आबादी ज्यादा बढ़ रही थी, उन्हें इसी के बल पर लोकसभा सीटों की संख्या में बढ़ोतरी के जरिए प्रोत्साहित नहीं किया जाए। बहरहाल, इसके बाद यानी 2001 की जनगणना के बाद भी दक्षिण भारतीय राज्यों के कड़े विरोध के सामने, अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार को भी सीटों की कुल संख्या के लिहाज से परिसीमन पच्चीस साल और यानी 2026 तक रोके रखने और सीटों की संख्या जहां की तहां बनाए रखने का कदम उठाना पड़ा था। इसके बाद, परिसीमन आयोग का गठन तो किया गया, लेकिन उसे जनगणना के आंकड़ों के आधार पर राज्यों की सीमाओं के अंदर ही सीमित परिसीमन करना था।

2026 के बाद होने वाले इसी पूर्ण परिसीमन ने दक्षिण भारतीय राज्यों और अन्य गैर-हिंदीभाषी राज्यों की भी इसकी आशंकाओं को भड़का दिया है कि यह परिसीमन, लोकसभा की उनकी सीटों की संख्या के रूप में, उनका राजनीतिक वजन घटाने का औजार बनने जा रहा है। इसका कारण आसानी से समझा जा सकता है। आबादी में वृद्धि की दर कम करने के मामले में, दक्षिण भारतीय राज्यों और उत्तर भारतीय राज्यों के बीच अब भी बहुत भारी अंतर बना हुआ है। यह अंतर बेशक घटा है, फिर भी उल्लेखनीय रूप से बड़ा बना हुआ है और इन पचास वर्षों में आबादी वृद्धि दरों से आबादियों के बीच का फासला बहुत ज्यादा बढ़ गया है।

ऐसे हालात में यदि आबादी के आधार पर ही परिसीमन किया जाता है, तो संसदीय प्रतिनिधित्व के अनुपात के लिहाज से गैर-हिंदी प्रदेशों का राजनीतिक वजन उल्लेखनीय तरीके से घट जाएगा और हिंदी भाषी क्षेत्र का राजनीतिक वजन उसी अनुपात में बढ़ जाएगा। ऐसा होने में आज केंद्र में सत्ता में बैठे संघ-भाजपा को राजनीतिक फायदा नजर आ रहा है क्योंकि गैर-हिंदी क्षेत्र ही उनका मजबूत राजनीतिक गढ़ है, जबकि खासतौर पर दक्षिणी भारत में उनकी ताकत बहुत ज्यादा नहीं है। इस संबंध में वर्तमान सत्ताधारियों की नीयत को लेकर संदेह इसलिए और भी बढ़ जाते हैं कि उनके पसंदीदा प्रोजैक्ट के रूप में बनाये गए नये संसद भवन में, जिसकी संकल्पना में किसी व्यापक राजनीतिक परामर्श का कोई दखल नहीं था, भविष्यदृष्टि के नाम पर लोकसभा में 800 से ज्यादा सीटों की व्यवस्था रखी गयी है। यह इसका स्पष्ट संकेत करता है कि वर्तमान सरकार, परिसीमन के फलस्वरूप लोकसभा की सीटों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होने का अनुमान लगाकर चल रही है। और जैसाकि हमने पीछे कहा, आबादी पर आधारित परिसीमन के जरिए सीटों की बढ़ोतरी का अर्थ होगा, हिंदी-भाषी क्षेत्र का संसदीय वजन उल्लेखनीय रूप से बढ़ जाना और विशेष रूप से दक्षिण का वजन उसी अनुपात में घट जाना।

इस सिलसिले में विशेष रूप से दक्षिण भारतीय राज्यों की गंभीर आशंकाओं तथा चिंताओं को एक हद तक शांत करने की कोशिश में, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कुछ ही हफ्ते पहले, तमिलनाडु के अपने एक दौरे के क्रम में यह आश्वासन दिया था कि यह सुनिश्चित किया जाएगा कि परिसीमन से किसी भी राज्य की सीटें घटेंगी नहीं बल्कि सभी की सीटों में बढ़ोतरी होगी। उन्होंने "आनुपातिक आधार पर" सीटें तय किए जाने का भरोसा दिलाया था। लेकिन, शाह का यह आश्वासन भी गैर-हिंदी राज्यों की आशंकाओं को दूर करने के लिहाज से नाकाफी ही साबित हुआ है। इसकी सबसे बड़ी वजह यही है कि शाह के आश्वासन से यह स्पष्ट नहीं है कि "अनुपात के आधार पर" से उनका ठीक-ठीक आशय क्या है? मुद्दा यह नहीं है कि हिंदी राज्यों की सीटें बढ़ जाएंगी और गैर-हिंदी राज्यों की सीटें घट जाएंगी। मुद्दा यह है कि सीटों की संख्या में बढ़ोतरी किस आधार पर होगी। अगर यह बढ़ोतरी चालू आबादी के आधार पर की जाती है, तो कुल मिलाकर गैर-हिंदी राज्यों की सीटों का अनुपात, उसके वर्तमान अनुपात से घट जाएगा।

गैर-हिंदी राज्य लोकसभा की कुल सदस्य संख्या में अपने वर्तमान अनुपात को बनाए रखे जाने की मांग कर रहे हैं और अमित शाह और उनके संगी, इसी का आश्वासन देने के लिए तैयार नहीं हैं। जाहिर है कि वे आबादी पर आधारित परिसीमन के अनार्जित फायदे हाथ से जाने नहीं देना चाहते हैं।

इसी पृष्ठभूमि में 22 मार्च को चेन्नै में मुख्यमंत्री एम के स्टालिन की पहल पर, प्रस्तावित परिसीमन से चिंतित राज्यों के नेताओं का जमावड़ा हुआ। इस मुद्दे पर तमिलनाडु की, अपवादस्वरूप भाजपा को छोड़कर अन्य सभी राजनीतिक पार्टियों को एकजुट करने के बाद, स्टालिन ने और वृहत्तर राजनीतिक एकता के लिए पहल की है। यह पहल कोआर्डीनेशन कमेटी फॉर फेअर डिलिमिटेशन नाम के मंच के माध्यम से की गयी है। यह इस मंच की पहली ही बैठक थी जिसमें तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना तथा पंजाब के मुख्यमंत्रियों के अलावा कर्नाटक के उप-मुख्यमंत्री और ओडिाा की मुख्य विपक्षी पार्टी, बीजू जनता दल के सुप्रीमो, नवीन पटनायक और तेलंगाना की प्रमुख विपक्षी पार्टी, बीआरएस के शीर्ष नेताओं ने हिस्सा लिया।

इस बैठक ने एक स्वर से यह मुद्दा उठाया है कि आबादी के अनुपात के आधार पर राज्यों का लोकसभा का प्रतिनिधित्व तय करना, विशेष रूप से दक्षिण भारत के उन राज्यों को दंडित करना होगा, जिन्होंने राष्ट्रीय आबादी नीति के पालन में और अन्य अनेक मानकों पर प्रगति में, हिंदी-भाषी राज्यों के मुकाबले बहुत बेहतर प्रदर्शन किया है। उन पहलुओं से अच्छा प्रदर्शन करने वाले राज्यों को सजा देना और खराब प्रदर्शन करने वाले राज्यों को सीटों या उनके अनुपात में बढ़ोतरी के रूप में ईनाम दिया जाना, तो न्यायपूर्ण परिसीमन नहीं है। बैठक ने सर्वानुमति से मांग की है कि लोकसभा की सीटों की संख्या की बढ़ोतरी पर पचास साल से चली आ रही रोक, और 25 वर्ष के लिए बढ़ा दी जाए।

बेशक, यह समस्या का आदर्श समाधान नहीं है। सत्ताधारी पार्टी का कुल मिलाकर जो रुख नजर आता है, उसके चलते ही विपक्ष को, एक बचाव उपाय के रूप में ही यह रुख अपनाना पड़ा लगता है। वर्ना होना तो यही चाहिए था कि इस दिशा में किसी भी तरह के कदम उठाने से पहले, केंद्र सरकार सभी राजनीतिक शक्तियों के साथ खुली चर्चा कर, गैर-हिंदी राज्यों की चिंताओं का समाधान खोजती। राज्यों के लोकसभा सीटों के अनुपात को यथावत बनाए रखते हुए, लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने और राज्यों के अंदर चुनाव क्षेत्रों का पुनर्सीमांकन करने के जरिए, राजनीतिक प्रतिनिधित्व के पीछे आबादी के असंतुलन को भी कम किया जा सकता था, जो समस्या को 25 और साल के लिए टालने से कहीं बेहतर होता। लेकिन, चूंकि सत्ताधारी पार्टी से अन्य राजनीतिक पार्टियों को विश्वास में लेने की किसी को उम्मीद ही नहीं, समस्या को फिलहाल टाल देना ही बेहतर विकल्प नजर आता है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सत्ताधारी पार्टी, कम से कम अब गैर-हिंदी भाषी क्षेत्र की चिंताओं को समझेगी, सुनेगी और भाषा के प्रश्न की तरह, इस मामले में अपने हठ से, उत्तर-दक्षिण की फॉल्ट लाइन को और उग्र बनाने से बाज आएगी।

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

आग जो कभी लगी नहीं और छिपा हुआ धन जो कभी मिला नहीं

■ के रवींद्रन

> भारत की न्यायपालिका में व्यवस्थागत दोष रेखाएं नयी नहीं हैं, लेकिन उन्हें नज़रअंदाज़ करना मुश्किल होता जा रहा है। फैसले सुनाने में देरी, अस्पष्ट न्यायिक नियुक्तियां, जवाबदेही की कमी और भ्रष्टाचार के आरोपों ने कानूनी व्यवस्था से मोहभंग की भावना को बढ़ाने में योगदान दिया है। न्यायपालिका, जिसे न्याय चाहने वालों के लिए उम्मीद का आखिरी गढ़ माना जाता है।

यह कहना गलत नहीं होगा कि दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के घर से नकदी का एक बड़ा जखीरा मिलने से सभी सदमे में हैं। इस अप्रत्याशित घटना ने न्यायपालिका के भीतर भ्रष्टाचार और ईमानदारी के बारे में असहज सवाल खड़े कर दिये हैं, जिसे अक्सर न्याय और नैतिक सदाचार का संरक्षक माना जाता है। जबकि यह घटना अपने आप में निंदनीय है, लेकिन इससे भी बड़ी बात यह है कि यह प्रणालीगत सड़ांध की ओर इशारा करती है- एक ऐसी गहरी और खतरनाक वास्तविकता जिसे बहुत लंबे समय से अनदेखा किया गया है या अनदेखा किया जा रहा है।

पैसे के छिपे हुए भंडार जो शायद कभी नहीं मिल पाएंगे, और वे अपारदर्शी गलियारे जहां न्याय का वितरण माना जाता है, बहुत गहरी अस्वस्थता की ओर इशारा करते हैं। यह घटना सिर्फ़ एक जज या अवैध रूप से अर्जित धन के एक भंडार के बारे में नहीं है, बल्कि यह भारत की न्यायिक प्रणाली की मूल संरचना में मौजूद परेशान करने वाली दरारों को दर्शाती है।

इस खुलासे के बाद सुप्रीम कोर्ट की ओर से तत्काल प्रतिक्रिया संस्थान के सतर्क और अक्सर स्व-नियमन के प्रति गैर-प्रतिबद्ध दृष्टिकोण की विशेषता थी। शुरुआती रिपोर्टों में निर्णायक कार्रवाई का संकेत दिया गया था, जिससे उम्मीद जगी थी कि सर्वोच्च न्यायालय न्यायिक भ्रष्टाचार के खिलाफ़ आखिरकार एक कड़ा रुख अपना सकता है। हालांकि, जैसे-जैसे दिन बीतता गया, यह स्पष्ट होता गया कि प्रतिक्रिया वास्तविक से ज़्यादा प्रतीकात्मक होगी, जो न्यायपालिका के असुविधाजनक विवादों को दरकिनार करने के इतिहास के अनुरूप होगी। भ्रष्टाचार का सीधे सामना करने की यह अनिच्छा एक व्यापक पैटर्न का हिस्सा है। कदाचार के आरोप, यहां तक कि जब सर्वोच्च न्यायिक पदों पर बैठे लोगों पर निर्देशित होते हैं, तो अक्सर इंकार, विक्षेपण या चुप्पी के साथ सामना किया जाता है। न्यायपालिका की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का डर जवाबदेही और पारदर्शिता की तत्काल आवश्यकता को खत्म कर देता है।

पिछले कुछ वर्षों में, कई प्रमुख हस्तियों ने न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की ओर ध्यान आकर्षित किया है, लेकिन उनकी चेतावनियां मोटे तौर पर अनसुनी रही हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता शांति भूषण से लेकर उनके बेटे प्रशांत भूषण तक, साहसी आवाज़ों ने न्यायिक प्रणाली के अंधेरे पक्ष को उजागर करने की कोशिश की है। सर्वोच्च न्यायिक मंचों के समक्ष लगाये गये उनके आरोपों ने आक्रोश को जन्म दिया है, लेकिन शायद ही कभी सार्थक सुधार हुआ हो। न्यायपालिका की अपने घर को साफ करने की स्पष्ट अनिच्छा एक संस्थागत जड़ता को दर्शाती है जो न्याय की नींव को ही खतरे में डालती है। भ्रष्टाचार के आरोपों को नज़रअंदाज़ या दबाकर, न्यायपालिका जनता के भरोसे को खत्म करने का जोखिम उठाती है-एक ऐसा भरोसा जो कानून के शासन के प्रभावी ढंग से काम करने के लिए ज़रूरी है।

यशवंत वर्मा का मामला विशेष रूप से परेशान करने वाला है क्योंकि यह न्यायिक निष्पक्षता के आदर्श को कमज़ोर करता है। उनके आवास में मिली नकदी की हर गड्डी न्याय की संभावित विफलता का प्रतिनिधित्व करती है - एक ऐसा मामला जिसका फ़ैसला कानूनी तर्कों के गुण-दोष के आधार पर नहीं बल्कि छिपे हुए वित्तीय प्रोत्साहनों के आधार पर किया गया हो सकता है। इस तरह का भ्रष्टाचार न्यायिक प्रक्रिया को विकृत करता है, खतरनाक मिसाल कायम करता है जो मुकदमेबाजों की भावी पीढ़ियों को परेशान कर सकता है। जब फैसले रिश्वत या व्यक्तिगत लाभ से प्रभावित होते हैं, तो पूरी कानूनी व्यवस्था से समझौता हो जाता है, और कानून के समक्ष समानता का सिद्धांत निरर्थक हो जाता है।

भारत की न्यायपालिका में व्यवस्थागत दोष रेखाएं नयी नहीं हैं, लेकिन उन्हें नज़रअंदाज़ करना मुश्किल होता जा रहा है। फैसले सुनाने में देरी, अस्पष्ट न्यायिक नियुक्तियां, जवाबदेही की कमी और भ्रष्टाचार के आरोपों ने कानूनी व्यवस्था से मोहभंग की भावना को बढ़ाने में योगदान दिया है। न्यायपालिका, जिसे न्याय चाहने वालों के लिए उम्मीद का आखिरी गढ़ माना जाता है, अब कई लोग इसे समाधान के बजाय समस्या का हिस्सा मानते हैं। यह धारणा लोकतंत्र में विशेष रूप से हानिकारक है, जहां न्यायपालिका संवैधानिक मूल्यों को बनाये रखने और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

न्यायिक भ्रष्टाचार को संबोधित करने में प्रमुख चुनौतियों में से एक जवाबदेही के लिए प्रभावी तंत्र की अनुपस्थिति है। भारत में न्यायाधीशों को काफी स्वायत्तता प्राप्त है, जो राजनीतिक हस्तक्षेप से उनकी स्वतंत्रता बनाये रखने के लिए आवश्यक है। हालांकि, स्व-नियमन के संदर्भ में व्यक्त की गयी इस स्वायत्तता ने बाहरी निगरानी की कमी को भी जन्म दिया है, जिससे भ्रष्टाचार को पनपने के लिए उपजाऊ जमीन मिल गयी है। न्यायाधीशों के खिलाफ शिकायतों की जांच करने की आंतरिक प्रक्रियाएं अक्सर अपारदर्शी और अपर्याप्त होती हैं, और गोपनीयता की एक व्यापक संस्कृति है जो गलत न्यायाधीशों को जवाबदेह ठहराना मुश्किल बनाती है।

न्यायिक भ्रष्टाचार को उजागर करने का प्रयास करने वाले व्हिसलब्लोअर अक्सर प्रतिशोध का सामना करते हैं, जिससे पारदर्शिता और भी हतोत्साहित होती है। भ्रष्टाचार का सामना करने के लिए न्यायपालिका की अनिच्छा भारतीय सार्वजनिक जीवन में व्याप्त दंड से मुक्ति की व्यापक संस्कृति से और भी जटिल हो जाती है। भ्रष्टाचार केवल न्यायपालिका तक ही सीमित नहीं है; यह एक प्रणालीगत समस्या है जो सरकार की सभी शाखाओं को प्रभावित करती है। हालांकि, संविधान के संरक्षक के रूप में न्यायपालिका की भूमिका भ्रष्टाचार में इसकी मिलीभगत को विशेष रूप से गंभीर बनाती है। जब न्यायाधीशों पर स्वयं भ्रष्टाचार का संदेह होता है, तो वे भ्रष्टाचार के लिए उत्तरदायी नहीं होते हैं।

ऐसा करने से यह संदेश जाता है कि कोई भी वास्तव में जवाबदेह नहीं है और न्याय की खोज निरर्थक है। यह निराशावाद पूरी कानूनी व्यवस्था की वैधता को कमज़ोर करता है और कानून के शासन को कमज़ोर करता है। न्यायपालिका में सुधार करना आसान नहीं होगा, लेकिन अगर भारत को अपनी लोकतांत्रिक साख बनाये रखनी है तो यह ज़रूरी है।

एक संभावित समाधान न्यायाधीशों के खिलाफ़ शिकायतों की जांच करने और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए एक स्वतंत्र निकाय की स्थापना है। इस निकाय को अन्य देशों में समान संस्थानों पर आधारित किया जा सकता है, जो न्यायिक स्वतंत्रता को बनाये रखते हुए न्यायिक भ्रष्टाचार को रोकने में सफल रहे हैं। इसके अतिरिक्त, न्यायिक प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता, जिसमें अदालती कार्रवाई की लाइव-स्ट्रीमिंग और न्यायाधीशों की संपत्ति का प्रकाशन शामिल है, न्यायपालिका में जनता का विश्वास बहाल करने में मदद कर सकता है।

एक और महत्वपूर्ण कदम न्यायपालिका में भ्रष्टाचार को उजागर करने वाले व्हिसलब्लोअर की सुरक्षा के लिए कानूनी ढांचे को मजबूत करना है। गलत कामों को सामने लाने में व्हिसलब्लोअर महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, लेकिन उन्हें अक्सर उत्पीड़न और धमकियों का सामना करना पड़ता है। उन्हें कानूनी सुरक्षा और सहायता प्रदान करने से अधिक लोग न्यायिक कदाचार के बारे में जानकारी देने के लिए आगे आने के लिए प्रोत्साहित होंगे।

आपके पत्र

हमारी सोच से आगे महिलाएं, वैचारिकता बदलनें की दरकार

निश्चित तौर पर भारत में महिलाओं की मुक्ति तथा सशक्तिकरण का प्रश्न स्वतंत्रता एवं भारत की मुक्ति के साथ अनिवार्य रूप से जुड़ गया हैद्यनिश्चित तौर पर हर रात की सुबह होती है, और सुबह चमकदार और उजाले से भरपूर होती है। स्वतंत्र काल से जुड़ी हुई महिला सशक्तिकरण की यात्रा आज तक अनवरत जारी है। अब महिलाओं को कमजोर या असक्त समझने की भूल मत करिए और अपने विचारों को नयेपन की खिड़की से ताजी हवा आने दीजिए। महिलाओं को सुविधाएं मिले या ना मिले अधिकार मिले या ना मिले वे अपने प्रयासों से समाज में धीरे-धीरे अपना अहम स्थान बनाते जा रही हैं। आज भी महिलाएं सामाजिक-राजनीतिक-आर्थिक एवं सांस्कृतिक सभी मोर्चों और सवालों पर पुरुषों के समकक्ष संघर्ष करती नजर आ रही है। आज राष्ट्र निर्माण में नारी अपनी भूमिका से न केवल परिचित है बल्कि उसकी गंभीर जिम्मेदारी का निर्वहन करने के लिए भी तत्पर व सक्षम है। वर्तमान में भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। भारत विकास की दर आज बड़ी से बड़ी वैश्विक शक्ति से टक्कर लेने की जद पर है। विकास की गाथा में देश की आधी आबादी यानी महिलाओं की भूमिका बढ़ती जा रही है। अनेक सामाजिक आर्थिक विसंगतियों के बावजूद आज हर मोर्चे पर महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी होती दिखाई दे रही है। यह आत्मविश्वास उन्हें सदियों के संघर्ष के बाद हासिल हुआ है, प्राचीन काल में अपाला तथा गोसा जैसी विदुषी महिलाओं ने अपनी कीर्ति पताका फैलाई थी, भारतीय समाज में उन्हें सम्मान और बराबरी का दर्जा दिया गया है ,परंतु मध्यकाल में भारत अपनी संकुचित दृष्टि का शिकार हो गया था महिलाओं को घर की चारदीवारी में रहना पड़ा। इसी के साथ कैद हो गई थी उनकी योग्यता, ऊर्जा, शक्ति, आकांक्षाएं और व्यक्तित्व विकास की संभावनाएं। भारत एवं भारत के बाहर विदेशों में भारतीय मूल की ऐसे सैकड़ों महिलाएं हैं जिन्होंने भारत देश का नाम रोशन किया है उनके नाम की सूची बड़ी लंबी है। उनका उल्लेख न करते हुए समग्र रूप से उनका नमन करते हुए यह बताना चाहूंगा कि महिलाएं निरंतर उच्च पदों पर आसीन हो रही हैं इन सब के साथ सबसे पुराने बजट तथा घर के अर्थशास्त्र को संभालने की भूमिका का भी कुशलतापूर्वक सदियों से प्रबंधन करती आ रही है इसके साथ ही वे अपनी शैक्षणिक योग्यता में निरंतर सुधार कर रही है। जनसंख्या गणना के आंकड़े भी इसकी पुष्टि करते हैं, महिलाएं जहां शिक्षा, प्रशासन,मेडिकल क्षेत्र, इंजीनियरिंग, स्पेस रिसर्च, विज्ञान टेक्नोलॉजी और उद्यानिकी, एग्रीकल्चर, सेरीकल्चर और तमाम क्षेत्रों में असाधारण रूप से शिक्षा प्राप्त कर प्रगति कर रही हैं और उच्च पदस्थ होकर कार्यों का कुशलता से संपादन कर रही हैं। सामाजिक कुरीतियों के विरोध में समाज को आगाह करने और उसका विरोध करने में भी महिलाएं पीछे नहीं है, फिर चाहे वह शनि सिंगनापुर हाजी अली दरगाह या तीन तलाक के मामले में इनकी सजगता ने सामाजिक परिवर्तन लाया है। सरकार भी इनकी इस भूमिका को स्वीकार करते हुए थल जल और वायु सेना में युद्धक की भूमिका मैं इनकी नियुक्ति कर रही है। हम यदि राजनीतिक क्षेत्र की चर्चा करें तो पंचायती स्तरों पर महिला प्रधानों ने गंभीर परिवर्तन के प्रयास किए, किंतु हमें यहां हमेशा स्मरण रखना चाहिए कि देश के आर्थिक विकास में अभी भी महिलाओं को वह भागीदारी व सम्मान नहीं मिल पा रहा है जिसके लिए वह पूर्णरूपेण हकदार है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया कि श्रम बल भागीदारी में महिलाओं की भागीदारी 25प्रतिशत से भी कम हो गई है।

-संजीव ठाकुर

ललित सुरजन की कलम से

तेजस्वी बिहार

'19 नवंबर को नीतीश मंत्रिमंडल को शपथ ग्रहण में अनेक दलों व विभिन्न प्रदेशों के प्रतिनिधि गुलदस्ते लेकर पहुंचे। इस अवसर पर डॉ. फारूख अब्दुल्ला ने जो टिप्पणी की उसे अलग से रेखांकित करना होगा। एक समय था जब स्वयं डॉ. अब्दुल्ला तीसरे मोर्चे के बड़े नेता के रूप में उभर रहे थे। उन्हें शायद विश्वास हो गया था कि वे एक दिन प्रधानमंत्री अवश्य बनेंगे। यह सपना टूटा तो वे राष्ट्रपति बनने की दौड़ में शामिल हो गए। इसका जिक्र देश के आला खुफिया अधिकारी ए.एस. दुल्लत ने अपनी हाल में प्रकाशित आत्मकथा 'कश्मीर: द वाजपेयी ईयर्स' में किया है। इन्हीं डॉ. अब्दुल्ला ने पटना में नीतीश कुमार की हौसला अफजाई की कि वे आने वाले समय में प्रधानमंत्री बन सकते हैं। उन्होंने कोई नई बात नहीं की लेकिन जिस मौके पर की उसमें एक बार फिर नीतीशजी की महत्वाकांक्षा को नए पंख मिल सकते हैं। नीतीश कुमार राजनीति के उतार-चढ़ावों को भली-भांति जानते हैं और फिलहाल उम्मीद यही रखना चाहिए कि वे भावावेश में कोई निर्णय नहीं लेंगे।'

(देशबन्धु में 26 नवंबर 2015 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2015/11/blog-post_27.html

पावन प्रसंग

तुलसीदासजी के साहित्य में नारी पात्र

तुलसीदास के कालजयी महाकाव्य रामचरितमानस में नारी के प्रति असीम सम्मान को प्रकट किया गया है। असंगत अर्थों और अतार्किक तथ्यों के कारण कतिपय लोग उनके साहित्य में नारी के प्रति असम्मान दिखाना चाहते हैं, परंतु ऐसा है नहीं। तुलसीदास जी और सूरदास जी का भारतीय संस्कृति की रक्षा में अनुपम योगदान है। इन दोनों महान कवियों ने राम और कृष्ण को उस समय भारतीय जनमानस में भगवान के रूप में स्थापित किया, जब अनेकों सामाजिक विरोधाभास भारतीय मन-मस्तिष्क को व्यथित कर रहे थे।

युगीन आवश्यकता के रूप में इन दोनों कवियों ने राम और कृष्ण की स्तुति में ग्रंथ लिखे और इन महापुरुषों के * साथ कई अलौकिक बातें बताईं। बाद में कुछ और लोगों के द्वारा प्रक्षेप कर इन ग्रंथों को विकृत किया। कुछ आलोचकों के अनुसार, इन दोनों कवियों के कारण राम और कृष्ण तो पूजनीय हो गए, लेकिन भारतीय धर्म का वैज्ञानिक स्वरूप विकृत हो गया। तुलसीदास जी पर आरोप है कि उन्होंने नारी को 'ताड़न' की अधिकारी कहा है। इस बात को कितने ही लोगों ने अपने-अपने लेखों में उद्धृत किया है और नारी जाति की अवमानना करने के लिए बार-बार तुलसीदासजी को उद्धृत किया है। फलस्वरूप समाज में यह धारणा रूढ़ हो गई कि तुलसीदास जी नारी जाति के प्रति सम्मानित भाव नहीं रखते थे। इस विकृत धारणा से नारी जाति पर कई प्रकार के अत्याचार हुए।

स्मरण रहे कि किसी कवि या लेखक का अपने ग्रंथ का कोई प्रतिपाद्य विषय अनिवार्यत: होता है। प्रतिपाद्य विषय अपने तर्कों, तथ्यों एवं विचारों से समृद्ध होता है। इसके अभाव में विषय महत्वहीन हो जाता है। यदि वह अपने प्रतिपाद्य विषय से भटकता है या पहले तो उसके पक्ष में तर्क देता है और बाद में अपने ही तर्कों का खंडन करता है तो दो बातें हो सकती हैं- पहली उस कवि अथवा लेखक में चिंतनशीलता का अभाव है। दूसरी यह भी संभव है कि उसके ग्रंथ में किसी अन्य ने अपना मत जोड़कर उसे विकृत कर दिया हो। विद्वान लोग प्रक्षेपों की इन्हीं युक्तियों के आधार पर ही व्याख्या करते हैं।

अब तुलसीदास जी के रामचरितमानस को आप लें और देखें कि उन्होंने नारी जाति के लिए अन्यत्र भी ऐसे तथ्यों का समावेश किया या एक ही स्थान पर ऐसा कहा है? अन्य स्थानों पर हम देखते हैं कि तुलसीदास जी ने नारी को पुरुष की पूरक ही माना है। वेद के शब्दों में उसे पत्ति की संरक्षिका व पोषणक ही स्वीकार किया है।

उन्होंने सामयिक परंपरा के अनुसार पोष्या को दासी शब्द से उद्धृत किया है, लेकिन दासी का अर्थ कहीं भी ताड़ना की अधिकारी के रूप में प्रयुक्त नहीं हुआ है। भक्त भगवान का दास है तो इसका अभिप्राय यह नहीं कि वह भगवान की ताड़ना अर्थात दंड का अधिकारी हो जाती है, बल्कि इसका अभिप्राय है कि वह ईश्वर की करुणा का, तारन का, त्राण का अधिकारी हो गया है, ऐसा माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि तुलसीदास जी ने नारी को तारन का अधिकार कहा है। ताड़न शब्द तारन के स्थान पर प्रक्षिप्त हो गया है। वैसे भी हिंदी का 'र' 'ड़' में और 'ड' 'र' में स्थान-स्थान पर परिवर्तित हो जाता है।

इस विषय को अब रामचरितमानस में तुलसीदास जी के नारी जाति के प्रति दृष्टिकोण पर विचार करते हैं।

बालकांड (121) में भगवान श्रीराम के जन्म लेने के कारणों पर प्रकाश डालते हुए तुलसीदास कहते हैं कि भगवान श्रीराम असुरों को मारकर देवताओं को राज्य देते हैं और अपनी बांधी हुए वेद-मर्यादा की रक्षा करते हैं। यहां पर ध्यान देने की बात यह है कि राम वेद-मर्यादा का निरूपण करते हैं, अत: राम वेद-मर्यादा के रक्षक सिद्ध हुए। वेद पत्नी की मर्यादा का निरूपण करते हुए स्पष्ट करता है-

त्वं सम्राज्ञ्येधि पत्युरस्तं परेत्य (अथर्ववेद- 14/1/43) अर्थात पति के घर जाकर पत्नी घर की महारानी हो जाती है। पत्नी को गृहस्वामिनी कहने की परंपरा भारत में आज तक है। यह परंपरा वेद की ही देन है। सदियों से हम इस व्यवस्था में जी रहे हैं और इसे ही मान रहे हैं।

- अखण्ड ज्योत्ति

खेल जगत

धोनी की स्टंपिंग के कायल हुए सिद्धू, बोले '43 की उम्र में भी सर्वश्रेष्ठ'

चेन्नई, 24 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने पूर्व सीएसके कप्तान एमएस धोनी की तारीफ की। आईपीएल 2025 के पहले मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ धोनी ने धमाकेदार स्टंपिंग कर पुराने दिनों की याद ताजा करा दी। सिद्धू ने यहां तक दावा किया कि धोनी 50 की उम्र में भी सीएसके के लिए अर्धशतक बना सकते हैं। धोनी ने सूर्यकुमार यादव को स्टंप आउट किया, जब एमआई कप्तान नूर अहमद की गुगली को समझने में विफल रहे। सूर्यकुमार नूर अहमद की गेंद पर शॉर्ट खेलने के प्रयास में जैसे ही क्रीज से बाहर निकले, विकेट के पीछे खड़े धोनी ने अपने पुराने अंदाज में बेल्स उड़ा दीं। यह आईपीएल में धोनी की 44वीं स्टंपिंग थी। सिद्धू ने जियो हॉटस्टार पर कहा, '43 साल की उम्र में भी वह सर्वश्रेष्ठ हैं। वह पुरानी शराब की तरह हैं जो समय के साथ बेहतर होती जा रही है।

शुभमन की गुजरात टाइटंस और श्रेयस की पंजाब किंग्स में रोमांचक मुकाबले की आस

गुजरात के रबाडा, सिराज, कोइत्जी कृष्णा रफ्तार से लेंगे पंजाब के श्रेयस का इम्तिहान

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

■ शुभमन व बटलर की जोड़ी को गुजरात के लिए तेज आगाज करना होगा

नई दिल्ली, 24 मार्च (देशबन्धु)। भारत के उपकप्तान सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल की कप्तानी में उतरने वाली गुजरात टाइटंस और श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली पंजाब किंग्स के बीच 18वीं इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मंगलवार को अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेले जाने वाले मौजूदा संस्करण के पहले मैच में बेहद रोमांचक क्रिकेट मुकाबले की आस है। दोनों टीमों के बीच बेशक पिछले पांच में से तीन गुजरात ने और दो पंजाब किंग्स ने जीते हैं लेकिन इनमें चार का फैसला अंतिम ओवर में हुआ है। गुजरात के कप्तान शुभमन गिल और पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर बेशक भारतीय क्रिकेट का भविष्य हैं और दोनों ही अपनी अपनी फ्रेंचाइजी टीमों का मौजूदा संस्करण में आगाज जीत के साथ करने को बेताब होंगे। कम सश कम कागजों पर पर गुजरात टाइटंस का पलड़ा अपने घरेलू मैदान पर पंजाब किंग्स से भारी नजर आता है।

श्रेयस ने बीते सीजन में अपनी कप्तानी में कोलकाता नाइट राइडर्स को खिताब जिताया। श्रेयस मौजूदा सीजन में पंजाब किंग्स के लिए खेलते दिखेंगे। पंजाब किंग्स की बल्लेबाजी खुद कप्तान श्रेयस अय्यर, नवोदित सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य,विकेटकीपर बल्लेबाज जोश इंग्लिश और शाशंक सिंह पर जरूरत से ज्यादा निर्भर है। पंजाब किंग्स का मध्यक्रम भारत के मुशीर खान, ऑस्ट्रेलिया ग्लेन मैक्सवेल व दक्षिण अफ्रीका के मार्को येनयन पर निर्भर है। सच तो खुद श्रेयस, प्रियांश, नेहाल वढेरा और जोश इंग्लिश जैसे बल्लेबाजो से सज्जित पजाब का शीर्ष क्रम यदि गुजरात के लेग स्पिनर रशीद के साथ दक्षिण अफ्रीकी तेज गेदबाज कसीगो रबाड़ा, जेराल्ड कोइत्जी, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, इशांत शर्मा व करीम जन्नत के सामने शुरू में बिखर गया तो फिर दुनिया के सबसे कंजूस व चतुर लेग स्पिनर रशीद खान, ऑफ स्पिनर ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर व जयंत यादव, राहुल तेवतिया व मानव सुतार, निशांत सिंधु जैसे ऑलराउंडर पंजाब के ऑलराउंडरों ग्लेन मैक्सवेल, मरकस स्टोइनस व सुयांश शेगडे के लिए अपनी टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाना मुश्किल हो सकता है। सच तो यह है कि पंजाब किंग्स ने कप्तान श्रेयस अय्यर को खरीदने पर जरूरत से ज्यादा 26 करोड़ 75 लाख रुपए की राशि खर्च कर दी। अपने चतुर चीफ कोच आशीष नेहरा के मार्गदर्शन में गुजरात टाइटंस के रबाड़ा, कोइत्जी, मोहम्मद सिराज प्रसिद्ध कृष्ण व इशांत शर्मा खासतौर पर श्रेयस अय्यर की शॉर्ट पिच गेंदबाजी को खेलने की कमजोरी का लाभ उठा कर उनके खिलाफ शॉर्ट पिच गेंदबाजी को हथियार के रूप मे अपनाने कर उन्हें और उनके शीर्ष क्रम को सस्ते में बिखेरने की कोशिश करेंगे।

गुजरात टाइटंस को यदि जीत के साथ आगाज करना है तो फिर उसके कप्तान शुभमन गिल और जोस बटलर की सलामी जोड़ी को विस्फोटक आगाज करने की जरूरत होगी। गुजरात के पास साई सुदर्शन, शाहरुख खान, ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स, महिपाल लोमरर, शेरफन रदरफर्ड के शुरू से लेकर निचले मध्यक्रम में राहुल तेवतिया, जयंत यादव और वाशिंगटन सुंदर के रूप में पारी का शानदार समापन करने वाले बल्लेबाज है। पंजाब किंग्स की गेंदबाजी की अगुआई बाएं हाथ के टी 20 क्रिकेट के सबसे चतुर गेंदबाज अर्शदीप सिंह, मार्को येनसन, जेवियर बार्टलेट, लॉकी फर्गुसन, विजय कुमार व्यस्क और यश ठाकुर के रूप में तेज गेंदबाजी के रूप में पर्याप्त विकल्प हैं। बड़ा सवाल यह रहेगा कि पंजाब किंग्स अर्शदीप सिंह, येनसन व फर्गुसन के साथ चौथे तेज गेंदबाज के रूप मरकस स्टोइनस का विकल्प देखेगी। पंजाब किंग्स की स्पिन गेंदबाजी का जिम्मा उसके तुरुप के लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल, ऑफ स्पिन ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल और बाएं हाथ के हरप्रीत बराड़ पर निर्भर करेगी। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बटलर जिस तरह चैंपियंस ट्रॉफी में रनों के लिए जूझते नजर आए उसके मद्देनजर उन्हें गुजरात टाइटंस को मजबूत शुरुआत दिलाने के लिए संभल कर बल्लेबाजी करने की जरूरत होगी।

मैच का समय

अहमदाबाद, शाम साढ़े सात बजे से।

जोकोविच ने एटीपी मास्टर्स 1000 मैच जीतने का नडाल का रिकॉर्ड तोड़ा

मियामी, 24 मार्च (एजेंसियां)। नोवाक जोकोविच ने मियामी ओपन में अर्जेंटीना के कैमिलो उगो कैराबेली को हराकर रिकॉर्ड 411वीं एटीपी मास्टर्स 1000 मैच जीत हासिल की, जिससे स्पेन के राफेल नडाल के साथ उनकी बराबरी टूट गई। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने लकी लूजर कैराबेली पर तीसरे दौर में 6-1, 6-0 से जीत दर्ज की। सर्बियाई खिलाड़ी ने 409 मास्टर्स 1000 जीत के साथ टूर्नामेंट में प्रवेश किया, जो उनके पुराने प्रतिद्वंद्वी से सिर्फ एक पीछे था। उन्होंने रिंकी हिजिकाटा पर शुरुआती दौर की जीत के बाद नडाल के साथ सबसे ज्यादा मास्टर्स 1000 जीत की बराबरी की। मास्टर्स 1000 स्तर पर सबसे ज्यादा खिताब (40), फाइनल (59) और सेमीफाइनल (78) जीतने वाले जोकोविच ने 1990 में सीरीज की शुरुआत के बाद से अब तक सबसे ज्यादा मैच जीतने (410) के मामले में नडाल को पीछे छोड़ दिया है, जब उन्होंने रविवार को अपना 411वां मास्टर्स 1000 मैच जीता। जोकोविच ने कहा, 'मैं एक और मील का पत्थर हासिल करके, एक और रिकॉर्ड तोड़कर सम्मानित महसूस कर रहा हूँ। जब भी मैं खेलता हूं, हमेशा कुछ न कुछ दांव पर लगा होता है और निश्चित रूप से यह मुझे टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है।' मास्टर्स 1000 इवेंट में अपनी पहली जीत के लगभग 20 साल बाद जोकोविच की 411वीं जीत आई है। पूर्व नंबर 1 ने 2005 में पेरिस में विक्टर हनेस्कु को हराकर उस स्तर पर अपनी पहली जीत हासिल की थी।

■ 37 वर्षीय खिलाड़ी ने तब से रिकॉर्ड 40 मास्टर्स 1000 खिताब जीते हैं, जिसमें से उनका पहला खिताब 2007 में मियामी में आया था

37 वर्षीय खिलाड़ी ने तब से रिकॉर्ड 40 मास्टर्स 1000 खिताब जीते हैं, जिसमें से उनका पहला खिताब 2007 में मियामी में आया था। 2018 में वे सभी नौ मास्टर्स 1000 इवेंट जीतने वाले पहले और एकमात्र खिलाड़ी बन गए। 2020 तक, उन्होंने प्रत्येक टूर्नामेंट को कम से कम दो बार जीता था। एटीपी विन/लॉस इंडेक्स के अनुसार, अब उनका मास्टर्स 1000 इवेंट में 411-91 का रिकॉर्ड है। 37 वर्षीय सर्ब, जो अपने सातवें मियामी ओपन खिताब के लिए प्रयासरत हैं, जो आंद्रे अगासी को सबसे अधिक खिताबों से पीछे छोड़ देगा, 16वें राउंड में 23 वर्षीय इतालवी लोरेंजो मुसेट्टी, 15वें सीड, से भिड़ेंगे।

पुणे बिली जीन किंग कप एशिया-ओसनिया ग्रुप-1 टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा

पुणे, 24 मार्च (एजेंसियां)। पुणे देश के टेनिस इतिहास में पहली बार प्रतिष्ठित बिली जीन किंग कप एशिया-ओसनिया ग्रुप-1 टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा, जबकि महाराष्ट्र 25 साल के अंतराल के बाद 8 से 12 अप्रैल तक म्हालुंगे बालेवाड़ी टेनिस कॉम्प्लेक्स में इस आयोजन की मेजबानी करेगा। न्यूजीलैंड, चीनी ताइपे, हांगकांग, कोरिया और थाईलैंड सहित एशिया ओसनिया क्षेत्र की छह टीमें, मेजबान भारत के अलावा, राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेलेंगी, जिसमें सभी मुकाबलों में तीन मैच होंगे - दो एकल और उसके बाद युगल। एमएसएलटीए सचिव सुंदर अय्यर ने कहा, 'मुंबई ओपन डब्ल्यूटीए और महा ओपन एटीपी चैलेंजर की सफलता के बाद, एआईटीए और पीएमडीटीए के सहयोग से एमएसएलटीए उच्चतम स्तर का एक और आयोजन पाकर रोमांचित है।'

अय्यर ने कहा, 'एमएसएलटीए ने पुणे में लगभग सभी बड़े टेनिस आयोजनों की मेजबानी की है, लेकिन हमने कभी भी बीकेजेसी या फेड कप की मेजबानी नहीं की है। एआईटीए और एमएसएलटीए ने इस आयोजन के लिए बोली लगाई है, ताकि लड़कियों के लिए घरेलू परिस्थितियों में उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करना आसान हो सके।'

घरेलू समर्थन और परिचित परिस्थितियों के साथ, भारतीय टीम प्रतियोगिता में अपनी पिछली सफलता को दोहराने और क्षेत्र से उपलब्ध दो योग्यता स्थानों में से एक के लिए मजबूत बोली लगाने का लक्ष्य रखेगी। अंकिता रैना की अगुआई वाली भारतीय महिला टेनिस टीम में सहजा यमलापल्ली, श्रीवल्ली भामिदीपती और वैदेही चौधरी (सभी 300 और 358 के बीच रैंक की हैं) भी शामिल हैं। अनुभवी युगल विशेषज्ञ प्रार्थना थोम्बरे (युगल में 137 रैंक की हैं), जो हाल ही में डब्ल्यूटीए मुंबई ओपन में उपविजेता रहीं, के शामिल होने से कप्तान विशाल उप्पल को टूर्नामेंट में जाने के लिए कई रणनीतिक विकल्प मिलते हैं।

जापान, चीन और कजाकिस्तान जैसी कुछ शक्तिशाली टीमों की अनुपस्थिति के बावजूद, भारतीय टीम को न्यूजीलैंड, थाईलैंड, कोरिया, ताइवान और हांगकांग की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

गायकवाड़ ले रहे हैं 99 प्रतिशत फैसले : धोनी

चेन्नई, 24 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व कप्तान एमएस धोनी ने स्पष्ट किया है कि गेंदबाजी में बदलाव और फील्ड प्लेसमेंट जैसे सभी महत्वपूर्ण फैसले पूरी तरह से कप्तान रुतुराज गायकवाड़ द्वारा लिए गए थे, उनकी भूमिका चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की कप्तानी गायकवाड़ को सौंपने के उनके फैसले के बाद मार्गदर्शन देने तक सीमित थी। धोनी, जिन्होंने 2008 में आईपीएल शुरू होने के बाद से 212 मैचों में सीएसके का नेतृत्व किया, 128 मैच जीते जबकि 82 मैच हारे, सिवाय उन दो सत्रों के जब फ्रेंचाइजी को स्पॉट फिक्सिंग के कारण निलंबित कर दिया गया था, 2024 आईपीएल की पूर्व संध्या पर सीएसके के कप्तान के रूप में पद छोड़ दिया और गायकवाड़ को बागडोर सौंप दी, जो 2019 से फ्रेंचाइजी का हिस्सा हैं।

'आपको दीर्घकालिक तस्वीर को देखना होगा। अधिकतर ऐसा होता है कि जो बल्लेबाज आपकी मुख्य टीम का हिस्सा होते हैं और आपके लिए अच्छा प्रदर्शन करते हैं, वे ऐसे होते हैं जिन पर आप लंबे समय तक भरोसा कर सकते हैं। गेंदबाजों, खासकर तेज गेंदबाजों के साथ, चोट लगने की प्रवृत्ति हमेशा बनी रहती है।' धोनी ने जियो हॉटस्टार के शो 'द एमएस धोनी एक्सपीरियंस' में कहा, 'रुतुराज काफी समय से हमारे साथ हैं। उन्होंने हमारे लिए अच्छा प्रदर्शन किया है। उनका स्वभाव बहुत अच्छा है - वे बहुत शांत, बहुत संयमित हैं। वह और फ्लेमिंग बहुत अच्छे से मिलते हैं। इसलिए यही कारण थे कि हमने उन्हें नेतृत्व के लिए चुना। धोनी ने कहा, 'हमें पूरा यकीन था कि रुतुराज हमारे लिए अच्छा रहेगा।' कप्तान के तौर पर गायकवाड़ के पहले सीजन में, सीएसके प्लेऑफ में जगह बनाने से चूक गई थी। चेन्नई की टीम ने अपने 14 मैचों के अभियान में सात जीत और इतनी ही हार का सामना किया, जिससे वे नेट रन रेट के मामले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से नीचे पांचवें स्थान पर रहे। धोनी ने आगे बताया कि उन्होंने गायकवाड़ से अगले सीजन में टीम की अगुआई जारी रखने को कहा और उन्हें तुरंत नेतृत्व की भूमिका के लिए मानसिक रूप से तैयारी शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया।

'रुतुराज काफी समय से हमारे साथ हैं। उन्होंने हमारे लिए अच्छा प्रदर्शन किया है। उनका स्वभाव बहुत अच्छा है - वे बहुत शांत, बहुत संयमित हैं। वह और फ्लेमिंग बहुत अच्छे से मिलते हैं: एमएस धोनी

भोजपुरी कमेंट्री बेहद ऊर्जावान है; मुझे पुराने जमाने की रेडियो कमेंट्री की याद दिलाती हैः धोनी

नई दिल्ली। भारत के दिग्गज एमएस धोनी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में क्षेत्रीय भाषा की कमेंट्री की पहल की सराहना की और भोजपुरी कमेंट्री के लिए अपनी प्रशंसा प्रकट की, इसे 'ऊर्जावान' बताया और कहा कि यह उन्हें पुराने जमाने की रेडियो कमेंट्री की याद दिलाती है। भोजपुरी ने आईपीएल 2023 के दौरान कमेंट्री फीड में अपनी शुरुआत की और प्रशंसकों को चौंका दिया। इस साल, आईपीएल का 18वां सीजन 16 फीड पर लाइव स्ट्रीमिंग कर रहा है, जिसमें 12 भाषाएं = अंग्रेजी, हिंदी, मराठी, हरियाणवी, बंगाली, भोजपुरी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, गुजराती और पंजाबी शामिल हैं।

डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह यूडब्ल्यूडब्ल्यू-एशिया ब्यूरो सदस्य चुने गए

अम्मान (जॉर्डन), 24 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष संजय सिंह को यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू)-एशिया का ब्यूरो सदस्य चुना गया है। यह चुनाव अम्मान में आयोजित यूडब्ल्यूडब्ल्यू-एशिया आम सभा के दौरान हुआ, जहां सिंह ने 38 में से 22 वोट हासिल किए, जो एशियाई कुश्ती समुदाय से मजबूत समर्थन को दर्शाता है। इस प्रतिष्ठित पद के लिए सिंह का चुनाव अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय कुश्ती के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। उनकी नियुक्ति से भारतीय पहलवानों को यूडब्ल्यूडब्ल्यू-एशिया की निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में अधिक प्रतिनिधित्व मिलने और देश में खेल के विकास के लिए नए अवसर खुलने की उम्मीद है। सिंह ने आभार व्यक्त करते हुए कहा, 'मैं यूडब्ल्यूडब्ल्यू-एशिया के ब्यूरो सदस्य के रूप में चुने जाने पर बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह सिर्फ एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि वैश्विक स्तर पर भारतीय कुश्ती के विकास और पहचान का प्रमाण है। मैं पूरे महाद्वीप में खेल को बढ़ावा देने और विकसित करने के लिए यूडब्ल्यूडब्ल्यू-एशिया के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं।' यूडब्ल्यूडब्ल्यू-एशिया ब्यूरो में सिंह की मौजूदगी से, डब्ल्यूएफआई को उम्मीद है कि भारतीय पहलवानों को बेहतर अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन, बेहतर प्रशिक्षण कार्यक्रम और उच्च स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के बेहतर अवसरों का लाभ मिलेगा।

मैं लॉस एंजेलिस 2028 पैरालंपिक में भारत के लिए पदक जीतना चाहती हूं: जसप्रीत कौर

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब की जसप्रीत कौर ने खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 में पावरलिफ्टिंग में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया, जिसके बाद जेएलएन स्टेडियम के भारोत्तोलन सभागार में जोरदार तालियों की गड़गड़ाहट गूंज उठी। 45 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए, पंजाब की 30 वर्षीय खिलाड़ी ने रविवार को अविश्वसनीय 101 किग्रा वजन उठाया, जो कि 16 मार्च को राष्ट्रीय स्तर पर एक सप्ताह पहले दर्ज किए गए 100 किग्रा के अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को पार कर गई। जसप्रीत का शीर्ष पर पहुंचना किसी प्रेरणा से कम नहीं है। कभी एनआईटी कोझिकोड से स्नातक करने वाली एक अधिक वजन वाली सॉफ्टवेयर इंजीनियर, अपनी मानसिक दृढ़ता के कारण उन्होंने खेल के मैदान में कदम रखते ही 40 किग्रा वजन कम कर लिया।

उन्होंने साई मीडिया को बताया, 'डॉक्टरों ने मुझे बताया कि मेरी रीढ़ की हड्डी के निचले हिस्से पर दबाव पड़ रहा है और मुझे अपना वजन कम करने की ज़रूरत है। यह मेरे लिए एक चेतावनी थी। 2020 के दौरान उस समय मेरा वजन 80 किलोग्राम था और एक इंजीनियर के रूप में मेरी नौकरी के कारण मुझे कई घंटों तक बैठना पड़ता था। मुझे डर था कि कहीं ऐसा न हो कि मैं व्हीलचेयर पर आ जाऊं।' जसप्रीत के लिए, पावरलिफ्टिंग एक खेल से कहीं बढ़कर है - यह एक जीवन रेखा है। उन्होंने कहा, 'खेल ने मुझे चुना है, न कि मैंने खेल को चुना है। मेरे वजन घटाने से मुझे पावरलिफ्टिंग मिली और पावरलिफ्टिंग ने मुझे आत्मविश्वास दिया। अब, मैं 2028 में लॉस एंजेलिस पैरालंपिक में भारत के लिए पदक जीतना चाहती हूं और सुर्खियां बटोरना चाहती हूं, ठीक वैसे ही जैसे मेरे कोच राजिंदर सर ने 2004 एथेंस पैरालिंपिक में किया था, जहां उन्होंने पैरा पावरलिफ्टिंग में कांस्य पदक जीता था।'

दिल्ली प्रीमियर लीग

खिताब सीआईएसएफ ने, मैच और दिल गढ़वाल ने जीता

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। हालांकि सीआईएसएफ प्रोटेक्टर्स ने एक मैच शेष रहते दिल्ली प्रीमियर लीग श्री का खिताब अपने नाम कर लिया था लेकिन अंतिम मुकाबले की खानापुरी के चलते गढ़वाल हीरोज एफसी ने चैंपियन को 1-0 से पीट कर ना सिर्फ दूसरा स्थान अर्जित किया बल्कि एक दिन पहले खोई प्रतिष्ठा को फिर से अर्जित भी किया द्य विजयी गोल मनभाकुपार मालगियांग ने जमाया द्य दिल्ली सरकार के उप मुख्यमंत्री और पीडब्लूडी मिनिस्टर प्रवेश वर्मा ने खिलाड़ियों को पुरस्कार बांटे। पुलिस खेलों की विजेता सीआईएसएफ का हौसला बढ़ाने के लिए स्टेडियम में सैकड़ों पुलिस के जवान मौजूद थे लेकिन

सीआईएसएफ अपने प्रशंसकों की कसौटी पर खरी नहीं उतर पाई द्य शुरुआत धीमी रही लेकिन धीरे धीरे गढ़वाल ने मैच पर पकड़ ली और पुलिस कर्मियों पर पकड़ बनाए रखी द्य हमलावर रुख अपना कर गढ़वाल ने प्रतिद्वंद्वी को हैरान-परेशान किया लेकिन गोल पर सही निशाना नहीं लगा पाए। मनभाकुपार मालगियांग, ईशान बोक, पियूष भंडारी और वंश वदान आसान मौकों का लाभ नहीं उठा पाए।

बीसीसीआई की 16 खिलाड़ियों की केंद्रीय अनुबंध सूची में नए खिलाड़ियों में तितास, श्रेयंका, अमनजोत शामिल

मुंबई, 24 मार्च (एजेंसियां)। होनहार युवा तेज गेंदबाज तितास साधु, मध्यम गति की ऑलराउंडर अरुंधति रेड्डी और अमनजोत कौर, विकेटकीपर-बल्लेबाज उमा छेत्री और ऑलराउंडर श्रेयंका पाटिल को सोमवार को ग्रेड सी श्रेणी में जगह मिलने के बाद 2024-25 सत्र के लिए बीसीसीआई महिला केंद्रीय अनुबंध में शामिल किया गया। दूसरी ओर, भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर, उप-कप्तान स्मृति मंधाना और शीर्ष ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने 50 लाख रुपये के उच्चतम वेतन के साथ ग्रेड ए श्रेणी में अपना स्थान बरकरार रखा है। नए खिलाड़ियों में, अमनजोत एकमात्र खिलाड़ी हैं, जो महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के दूसरे और तीसरे संस्करण के बीच अपनी पीठ में तनाव फ्रैक्चर के कारण भारतीय टीम में वापसी नहीं कर पाई हैं। पंजाब और एमआई की ऑलराउंडर, जिन्होंने आखिरी बार जनवरी 2024 में भारत के लिए खेला था, को हाल ही में डब्ल्यूपीएल 2025 में इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन चुना गया, क्योंकि एमआई ने तीन वर्षों में अपना दूसरा खिताब जीता। ग्रुप सी से उल्लेखनीय चूक में मेघना सिंह, देविका वैद्य, एस मेघना, अंजलि सरवानी और हरलीन देओल शामिल हैं, जिन्होंने हाल ही में राष्ट्रीय टीम में वापसी की और अपना पहला वनडे शतक दर्ज किया। इस बीच, अरुंधति रेड्डी, जिन्होंने पिछले सीज़न में टी20 वापसी और वनडे में पदार्पण किया था, चयनकर्ताओं के रडार से फिसल गई हैं, लेकिन फिर भी उन्होंने ग्रेड सी, 10 लाख रुपये की रिटेनर श्रेणी में स्थान हासिल किया है। ग्रेड बी में, बाएं हाथ की स्पिनर राजेश्वरी गायकवाड़ को चयनकर्ताओं के पक्ष में न होने के बाद बाहर कर दिया गया है। चेन्नई में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत के एकमात्र टेस्ट में आखिरी बार देखी गई पूजा वस्त्रकर ने सितंबर 2023 के बाद से कोई भी सफेद गेंद वाला मैच नहीं खेला है।

2024-25 सीजन के लिए बीसीसीआई की महिला केंद्रीय अनुबंध सूचीः

ग्रेड एः हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, दीप्ति शर्मा
ग्रेड बीः रेणुका सिंह, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष, शैफाली वर्मा
ग्रेड सीः यास्तिका भाटिया, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल, तितास साधु, अरुंधति रेड्डी, अमनजोत कौर, उमा छेत्री, स्नेह राणा, पूजा वस्त्रकर

24 साल के विग्नेश पुथुर ने डेब्यू मैच में चटकाए 3 विकेट

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस के लिए डेब्यू करने वाले 24 वर्षीय विग्नेश पुथुर ने अपनी शानदार गेंदबाजी से सभी का ध्यान खींचा है। केरल के मल्लापुरम के रहने वाले इस युवा खिलाड़ी ने अपनी जबरदस्त स्पिन गेंदबाजी से सभी को प्रभावित किया। विग्नेश पुथुर ने अपनी गेंदबाजी से न केवल मुंबई इंडियंस के स्काउटिंग सिस्टम की सफलता पर मुहर लगाई , बल्कि टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव और भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की तारीफ भी बटोरी। विग्नेश पुथुर ने आईपीएल 2025 के पहले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ अपने डेब्यू मैच में ही छाप छोड़ दी। मुंबई इंडियंस ने उन्हें इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर मैदान में उतारा था और पुथुर ने अपनी गेंदबाजी से पूरी दुनिया को दिखा दिया कि आईपीएल में मिला मौका भुनाना उन्हें आता है। उन्होंने अपने पहले ही ओवर में चेन्नई के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ को आउट किया। गायकवाड़ ने फुल लेंथ बॉल पर शॉट मारा, लेकिन गेंद विल जैक्स के हाथों में जा गिरी, और इस तरह पुथुर ने मैच की शुरुआत ही शानदार तरीके से की। अपने अगले ओवर में शिवम दुबे को लॉन्ग ऑन पर कैच करवा दिया, और फिर दीपक हुड्डा को भी अपनी गेंद पर चलता किया, जिन्होंने पुथुर की गेंद पर स्लॉग स्वीप खेला, और गेंद सीधे डीप स्क्वायर लेग फील्डर के हाथों में गई।

आईपीएल 2025

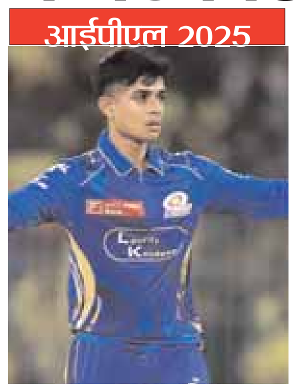

8 वीं बोर्ड परीक्षा: बल्देवगढ़ ब्लॉक देवरदा,बनेरा, टीकमगढ़ क्षेत्र सुजारा परीक्षा केंद्र अध्यक्ष ने लिखी उत्तरपुस्तिका, वायरल हुआ था नकल का वीडियो

डीपीसी ने देवरदा स्कूल 5 के खिलाफ जारी किया था नोटिस , आज घोषित होगा रिजल्ट

◆ अवधेश वर्मा

टीकमगढ़, देशबन्धु। विदित हो पिछले सत्र में पांचवी और आठवीं कक्षा के एग्जाम बोर्ड पैटर्न पर रिजल्ट का परिणाम टीकमगढ़ जिले का प्रदेश में 35 वें स्थान पर आया था लेकिन इस बार विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों ने रिजल्ट सुधारने के लिए निर्देश दिए गए थे कि जिन स्कूलों में पढ़ाई ना कराने वाले शिक्षकों ने सामूहिक नकल कराने का तरीका अपनाया है। जिसमें संकुल प्राचार्य से लेकर स्कूल प्रबंधन वाहवाही लूटने के लिए कमजोर बच्चों की उत्तर पुस्तिकाओं को लिखने का नकल कराने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो चर्चाओं में है।

हालांकि बल्देवगढ़ विकासखंड के माध्यमिक शाला बनेरा,देवरदा और टीकमगढ़ क्षेत्र अंतर्गत माध्यमिक शाला सुजारा स्कूल में 8 वीं बोर्ड परीक्षा का सामूहिक नकल कराने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

जिसमें बल्देवगढ़ विकासखंड के माध्यमिक शाला बनेरा में 8वीं बोर्ड परीक्षा 4 मार्च को अंग्रेजी विषय में हुई नकल का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। उस वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल में छात्र एक जगह, एक टेबल कुर्सी पर नकल करते हुए दिखाई दे रहे हैं। वहीं देवरदा माध्यमिक शाला स्कूल में 5 मार्च को संस्कृत विषय के पेपर में नकल कराते हुए केंद्राध्यक्ष और शिक्षकों का वीडियो वायरल हुआ था। इसमें यह लोग छात्रों की उत्तर पुस्तिका भरते और ग्रीन बोर्ड पर उत्तर लिखते दिखाई दे रहे थे।

टीकमगढ़ विकासखंड के सुजारा माध्यमिक शाला में 28 मार्च को 8 वीं में बोर्ड परीक्षा में सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में बच्चों को सामूहिक बैठाकर नकल करते हुए नजर आ रहे हैं वहीं जो स्कूल से पलायन बच्चों के स्थान पर दूसरों बच्चों को बैठाकर उत्तर पुस्तिका लिखवाई जा रही थी।

बल्देवगढ़ बीआरसी ने 6 मार्च को भेजा डीपीसी को सामूहिक नकल का जांच प्रतिवेदन

बल्देवगढ़ जनपद शिक्षा केंद्र बीआरसी ने 6/3/2025 को जांच प्रतिवेदन डीपीसी को भेजा था है कि 8 वीं बोर्ड परीक्षा 5/3/2025 को संस्कृत विषय का पेपर कब से क्रमांक 9 एवं 10 में छात्रों को नकल कराई गई है जिसका जांच प्रतिवेदन सर्व शिक्षा अभियान के डीपीसी पीआर त्रिपाठी को बल्देवगढ़ बीआरसी ने 19 दिन पहले जांच प्रतिवेदन भेजा गया था जिसमें लगा बाय डीसी ने सामूहिक नकल का जांच प्रतिवेदन की जानकारी राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल को नहीं भेजी गई ना ही उन परीक्षा केंद्रों की परीक्षा निरस्त नहीं कराई गई है बल्कि उन स्कूलों का मूल्यांकन कराया गया है। जिसका परीक्षा परिणाम आज ओपन होगा।

इनका कहना है

आठवीं बोर्ड परीक्षा में नकल कराने का वीडियो वायरल हुआ था। इस मामले में जानकारी नहीं है। डीपीसी से जांच करवाते है।

विवेक श्रोतिय ,कलेक्टर

घटिया सड़क निर्माण बनी लोगों के लिए आफत

टीकमगढ़, देशबन्धु। जिले के बड़ागांव धसान नगर परिषद के द्वारा एक माह पहले बनी सीसी रोड पर धूल उड़ने लगी है । मामला की शिकायत पर सीएमओ ने जांच के आदेश दे दिया है। दरअसल लगभग एक महीने पहले 18 लाख रुपए की लागत से एक सीसी रोड का निर्माण कराया था। खराब गुणवत्ता से डाली गई यह सड़क भ्रष्टाचार की भेट चढ़ गई थी। महज एक महीने के भीतर सड़क बुरी तरह उखड़ने लगी है और घटिया सड़क में गिट्टी की जगह गिट्टी दिखाई दे रही है। रोड़ की डस्ट पाउडर उड़ने से नगर के दुकानदार हो रहें है बीमार, नगर के दुकानदारों ने नाराज़गी ज़ाहिर की है। इस सीसी सड़क ड्रीम कंस्ट्रक्शन हाउस कंपनी के द्वारा अस्पताल से लेकर बस स्टेंड तक डालीं थी। नगर के लोगों ने इसकी शिकायत नगर परिषद् सीएमओ से की, तो अब अधिकारी जागे है। इस पूरे मामले में नगर परिषद सीएमओ संजय बाल्मीकि का कहना कि शिकायत प्राप्त हुई है। सीसी सड़क का निर्माण कार्य गुणवत्ताहीन हुआ है। इस संबंध में कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा, वहीं इंजीनियर वा ठेकेदार के विरोध नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है, जो भी इसमें दोषी पाया जाएगा। उन पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

वैश्य महासम्मेलन की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न

टीकमगढ़, देशबन्धु। वैश्य महासम्मेलन मध्य प्रदेश की प्रदेश कार्यकारिणी की 35वीं दो दिवसीय बैठक मां नर्मदा के उद्गम स्थल के समीप जिला अनूपपुर में संपन्न हुई। बैठक में मध्य प्रदेश के सभी जिलों के जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी, प्रदेश पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में शिरोमणि संरक्षक उमाशंकर गुप्ता पूर्व गृहमंत्री मध्य प्रदेश शासन, सुधीर अग्रवाल प्रदेश अध्यक्ष सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारीयों का मार्गदर्शन सदस्यों को प्राप्त हुआ। सुधीर अग्रवाल ने कहा कि संगठन की स्थापना से लेकर आज तक नानाजी से लेकर उमाशंकर गुप्ता ने एवं सभी कार्यकर्ताओं ने मेहनत और लगन ने वैश्य महासम्मेलन का एक विशाल और मजबूत बट वृक्ष तैयार किया है। वैश्य महासम्मेलन को प्रदेश में सबसे बडा सामाजिक संगठन बनाया है। वैश्य महा सम्मेलन का उद्देश्य सभी वैश्यों में एकता एवं सुरक्षा की भावना पैदा करना है। टीकमगढ़ से प्रकाश अग्रवाल प्रदेश उपाध्यक्ष के नेतृत्व में राजेश साहू प्रदेश कार्य समिति सदस्य, आनंद सोनी जिला अध्यक्ष, कुलदीप जैन कार्यकारी जिला अध्यक्ष सहित प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में शामिल हुए।

अभद्र टिप्पणी से आहत, थाने पहुंचे पार्षद

लिधौरा, देशबन्धु। सोमवार के दिन नगर के पार्षद सोशल मीडिया पर की गई अभद्र टिप्पणी की शिकायत लेकर थाने पहुंच गए। पार्षद हेमलता शर्मा ने बताया कि एक सोशल मीडिया ग्रुप में हिमांशु गंगेले ने हम सभी 15 पार्षदों अभद्र भाषा का उपयोग कर अपमानित करने का काम किया है। जब हम लोगों ने उसे मना किया वह गाली गलौज पर उतारू हो गया। बताया गया कि हिमांशु गंगेले दबंग व्यक्ति है। जो हमेशा विवादों में बना रहता है। इस घटना ने सभी पार्षदों की गरिमा को ठेस पहुंचाने का काम किया है। हम सभी जनता के द्वारा चुने गए जनप्रतिनिधि हैं। अगर इस तरह का अपमान हम नहीं सहेंगे। समस्त पार्षदों ने उक्त व्यक्ति के खिलाफ दंडात्मक कार्यवाही किए जाने की मांग की है। वहीं लिधौरा थाना प्रभारी गिरिजा शंकर बाजपेई ने कहा कि इस मामले में कार्यवाही कर दी गई है। आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस दौरान प्रीति यादव, दामोदर ढीमर, ममता, उमा, शीला सहित वार्ड के समस्त पार्षद मौजूद रहे।

श्रीराम जन्म महोत्सव के लिए बांट दे रहे आमंत्रण

टीकमगढ़, देशबन्धु। नजरबाग मंदिर से निकल रही प्रभात फेरी के माध्यम से श्रीराम जन्म महोत्सव की तैयारियां चल रही हैं। श्रीराम जन्मोत्सव परिवार के सदस्य विभिन्न मोहल्लों में जाकर घर-घर आमंत्रण पत्र और धर्म ध्वज बांट रहे हैं। परिवार के सदस्य विवेक चौरसिया के अनुसार आयोजन का 20वां वर्ष है। 2006 से शुरू हुई परंपरा में 20 मार्च से प्रभात फेरी आरंभ की गई है। पहले ओरछा में श्री राम राजा सरकार को आमंत्रण दिया गया। 21 मार्च को शिव धाम कुंडेश्वर में भगवान भोलेनाथ को आमंत्रण पत्र और धर्म ध्वज अर्पित किया गया। 22 मार्च से शहर के सभी 27 वार्डों में घर-घर आमंत्रण वितरण का कार्य चल रहा है। यह अभियान 5 अप्रैल तक चलेगा। 6 अप्रैल को दोपहर 12 बजे नजरबाग मंदिर में श्रीराम जन्म महोत्सव मनाया जाएगा। शाम 5 बजे से शहर में विशाल शोभायात्रा निकलेगी। आयोजन समिति के सदस्य अजय सिंह गौर ने बताया कि इस वर्ष बुंदेली गायक कविता शर्मा और खनिज देव चौहान बधाई गीतों की प्रस्तुति देंगे।

गायत्री महायज्ञ,जन्मदिवस संस्कार, साधक सम्मान समारोह संपन्न

टीकमगढ़, देशबन्धु।। 24मार्च को ऋषियुग्म के दिव्यसंरक्षण में गायत्री परिवार शाखा लार खुर्द में अनुराधा संतोष साहू के संयोजन में एक कुंडीय गायत्री महायज्ञ, कुमारी प्राप्ति का जन्मदिवस संस्कार एवं घर घर यज्ञ, संस्कार परंपरा के संयोजक प्रमोद खरेजी का सम्मान समारोह संपन्न हुआ। आयोजन उपजॉन की टोली महेशकुमार बादल, बृजकिशोर तिवारी, प्रकाश यादव, किशोरकुमार नामदेव ने किया। मनीषा जगदीश प्रजापति, दीनदयाल साहू, गौरीशंकर वर्मा, अंजना साहू ने तैयारी की। इस दौरान मांची, लार, जरूआ, जतारा, पलेरा आदि शाखाओं के साधकों की उपस्थित रही। श्री बादल ने गायत्री एवं यज्ञ की सारगर्भित व्याख्या कर सभी साधकों को नियमित उपासना,साधना,आराधना को अपनाने पर प्रकाश डाला। अंत में संतोष साहू ने सभी का आभार व्यक्त किया। बालिका को पुष्प वृष्टि कर सभी ने आशीर्वाद दिया।

376 लीटर अवैध शराब जप्त, 21 आरोपियों पर मामला दर्ज

टीकमगढ़, देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई द्वारा अवैध मादक, नशीले पदार्थों पर प्रभावी कार्यवाही करने के लिए साप्ताहिक अभियान चलाया गया। जिसमें एएसपी सीताराम एवं एसडीओपी राहुल कटरे, एसडीओपी जतारा अभिषेक गौतम के मार्गदर्शन में जिले के सभी थाना, चौकी प्रभारियों द्वारा मुखबिर सूचनाओं पर तस्दीक कर 21 आरोपियों से 376 लीटर अवैध शराब कीमती 135480 की मय फ़ोर व्हीलर वाहन के जप्त कर आवकारी एक्ट में प्रकरण पंजीबध कर विवेचना में लिया गया।

पुलिस ने 3 अलग अलग स्थानों से जप्त की शराब

टीकमगढ़, देशबन्धु। जिला पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई द्वारा जिले के समस्त थाना व चौकी प्रभारियों को अवैध शराब की बिक्री करने वाले लोगों पर सख्त कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया गया है। इसी के अंतर्गत थाना प्रभारी नीरज लोधी के नेतृत्व में दिगौड़ा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए ग्राम धर्मपुरा, बिहारीपुरा व रामनगर गांव में तीन लोगों के कब्जे से अवैध शराब को जप्त किया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफआबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। दिगौड़ा पुलिस ने बताया कि रविवार की रात को पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई कर धर्मपुरा गांव में नरेन्द्र राय के कब्जे से अवैध शराब के 20 क्वाटर जप्त किए। इसके अलावा पुलिस टीम ने ग्राम बिहारीपुरा में भान सिंह यादव के कब्जे से अवैध शराब के 21 क्वाटर एवं रामनगर गांव से नरेन्द्र घोष के कब्जे से अवैध शराब के 19 क्वाटर जप्त किए। पुलिस ने इन तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया।

होली मिलन समारोह पर निकली शोभायात्रा

लिधौरा, देशबन्धु। नगर मे गहोई समाज के द्वारा अलबेले सरकार मंदिर में होली मिलन समारोह मनाया गया। समाज के लोगों ने सर्वप्रथम अलबेले सरकार मंदिर में पूजा अर्चना उपरांत, पूरे नगर में शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें समाज के बड़ी संख्या में महिलाएं सहित समाज के लोग शामिल हुए। तदोपरांत सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। शाम 6 बजे से भंडारे में सैकड़ों लोगों ने प्रसादी ग्रहण की। मुख्य अतिथि के रूप में मैथिलीशरण गुप्त पूर्व डीजीपी ने उत्कृष्ठ कार्य करने वाले व्यक्तिओ को सम्मानित किया। इस अवसर पर गोविंद बिहार, अनिल रेजा संदीप सराबंगी, रामजी रूसिया, मनोज कुमार सेठ, मुकेश सोनी, राजेंद्र खरद, हरिशंकर आदि शामिल रहे।

रामलाल मंदिर में होली मिलन समारोह का हुआ आयोजन

टीकमगढ़, देशबन्धु। जिले के दिगौड़ा क्षेत्र के अंतर्गत रामनगर गांव में 23 मार्च की शाम को घोष समाज का होली मिलन समारोह कार्यक्रम धूमधाम व हर्षोल्लास से आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम रामनगर गांव के रामलला व हनुमानजी मंदिर प्रांगण में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम एक महत्वपूर्ण सामाजिक आयोजन था, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों से घोष समाज के कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। होली मिलन समारोह के इस कार्यक्रम में जबलपुर, दमोह, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़ और झांसी जैसे क्षेत्रों से घोष समाज के कई सदस्यों की उपस्थिति ने इस कार्यक्रम को व्यापक क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व दिया। इस समारोह में घोष समाज के सदस्यों के अलावा अन्य समुदायों के लोगों की उपस्थिति ने सामाजिक एकता और सौहार्द को बढ़ावा दिया। इस कार्यक्रम में घोष समाज के प्रदेशाध्यक्ष रामस्वरूप घोष टीकमगढ़, वरिष्ठ अतिथि द्वारका प्रसाद घुवारा, उमेश यादव झांसी और जगदीश सिंह घोष की उपस्थिति ने इस कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की। इस कार्यक्रम का संयोजन पूर्व सरपंच कल्याण सिंह घोष ने किया। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के घोष समाज के व्यक्तियों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया। पूर्व सरपंच ने बताया है कि यह होली मिलन समारोह न केवल एक सांस्कृतिक उत्सव था, बल्कि एक ऐसा मंच भी था जिसने सामाजिक एकता और समुदाय की भावना को मजबूत किया।

एनएसएस की छात्राओं ने बैरवार में पॉलीथिन मुक्त ग्राम बनाने की प्रेरणा दी

जतारा, देशबन्धु। एनएसएस महिला ईकाई शासकीय महाविद्यालय जतारा के द्वारा ग्राम बैरबार तहसील जतारा में कैंप के दूसरे दिन छात्राओं द्वारा ग्रामवासियों को पॉलिथीन मुक्त ग्राम बनाने के लिए प्रेरणा प्रदान की। छात्राओं ने बताया कि किस प्रकार हमारे पालतू पशु पन्नियों का शिकार होकर अपनी जान गवा बैठते हैं, अत: ग्राम वासियों को अपने घर के बाहर पॉलिथीन बैंक का निर्माण करना चाहिए। पॉलिथीन बैंक के पास जाने पर उसके निस्तारण का कार्य सरपंच एवं अधिकारियों द्वारा कर दिया जाएगा। ग्रामवासी बातचीत के प्रथम स्तर पर अपना नाम बताने एवं जानकारी साझा करने में पूर्णतया सहयोगी रहे। ग्रामवासी छात्राओं के प्रति स्नेहपूर्ण थे। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में मुख्य अतिथि कमलापति शर्मा द्वारा छात्राओं को प्राणवायुक्त पौधे लगाने की प्रेरणा दी गई। यदि सभी लोग अपने-अपने छत पर औषधीय पौधे लगाते हैं, तो जीवन स्तर में सुधार होगा। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि महेंद्र सिंह दांगी ने छात्राओं को ग्राम की भौगोलिक संरचना से अवगत कराया और ग्रामवासियों के ग्राम स्वच्छता अभियान में सहयोगी होने की बातें कहीं। डॉ राजेश पांडे ने पॉलिथीन को कभी नष्ट न होने वाला विषैला तत्व बताया। सहायक अध्यापक श्री प्रजापति ने गांव के विकास की सराहना करते हुए हर गांव के उत्कृष्ट बनाने की बात कही। फूलचंद अहिरवार ने पॉलिथीन को प्रकृति के लिए अभिशाप बताया। कार्यक्रम की संयोजक डॉक्टर मृदुला स्वर्णकार ने छात्राओं को पॉलिथीन के दुष्प्रभाव से अवगत कराया एवं स्वच्छता को स्वास्थ्य के लिए सर्वोपरि बताया। इस अवसर पर डॉक्टर लीना ने पॉलिथीन जलने पर निकलने वाली गैस से फेफड़ों को होने वाले नुकसान के संदर्भ में छात्राओं को अवगत कराया। इस अवसर पर डॉक्टर राजेश प्रजापति, बृजेश सेन एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे कैंप में छात्राओं ने पूर्ण ऊर्जा एवं उत्साह से भाग लिया।

पपौरा में सिद्धचक्र महामंडल विधान शुरू

विश्व शांति यज्ञ में शामिल होंगे सौ जोड़े, कलश यात्रा से हुई शुरुआत

टीकमगढ़, देशबन्धु। जैन तीर्थ क्षेत्र पपौरा में श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान और विश्व शांति यज्ञ की शुरुआत हो गई है। यह आयोजन 24 मार्च से 1 अप्रैल तक चलेगा। कार्यक्रम की शुरुआत घट यात्रा से हुई। कार्यक्रम स्थल पंडोक शिला पर घट पात्र को विराजमान किया गया। तीर्थ क्षेत्र पपौरा ट्रस्ट के उपाध्यक्ष पुष्पेंद्र जैन के अनुसार, महामंडल विधान प्रतिदिन सुबह 7 से 11 बजे तक होगा। इस धार्मिक अनुष्ठान को पंडित पवन कुमार दीवान कराएंगे। कार्यक्रम में करीब 100 जोड़े भाग लेंगे। समारोह के आयोजक सनत कुमार जैन ने बताया कि इस आठ दिवसीय कार्यक्रम में महामंडल विधान और यज्ञ के साथ प्रवचन भी होंगे। जिले के साथ-साथ पूरे बुंदेलखंड से जैन समाज के लोग इसमें शामिल होंगे। कार्यक्रम की शुरुआत में गाजे-बाजे के साथ कलश यात्रा निकाली गई। महिलाओं ने सिर पर कलश रखकर यात्रा में भाग लिया। धार्मिक गीतों पर नृत्य किया और श्रीजी की आरती उतारकर पूजा-अर्चना की गई।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

जगंल मे संघ का वन संचार कुटुम्ब प्रबोधन कार्यक्रम

चिचोली, देशबन्धु। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का वार्षिक वन संचार कुटुंब प्रबोधन का कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम चिचोली क्षेत्र के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल चारों और हरियाली से परिपूर्ण वातावरण के साथ पांच नदियों के उद्गम स्थल सते श्री तप श्री बाबा आश्रम झापल मे हुआ वन संचार कार्यक्रम के तहत स्वयंसेवकों ने अपने विचार रखें इस अवसर पर अतिथियों द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सेवकों ने समाज को एक जुट रखने व समाज में फैली बुराइयों को दूर करने व हिंदू समाज को एक साथ रहने की बात कही।

वन संचार कार्यक्रम में उपस्थित मातृ शक्तियों एवं बच्चों ने मानसिक एवं सामूहिक खेल अंताक्षरी भजन हुआ। स्वयंसेवकों ने भी खेलों में अपनी प्रतिभा दिखाई। संघ के पंच परिवर्तन कार्यक्रम के तहत भजन, भोजन, भ्रमण एंव एक साथ हो इसी उपदेश को लेकर कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख वक्ता कौशलेश तिवारी सामाजिक समरसता सनातन हिंदू परिवार के कुटुंब के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला, कार्यक्रम में धर्मांतरण संस्कार सेवा बच्चों द्वारा मोबाईल के दुष्परिणाम के विषय पर भी चर्चा की गई। वन संचार कार्यक्रम के दौरान प्लास्टिक मुक्त पत्तों से बनी पत्तलो मे एक साथ समरसता के साथ सहभोज का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के अंत में संघ की कार्यप्रणाली के तहत् पंक्तिबद्ध खड़े होकर प्रार्थना, संघ कार्य को समय, सयंम, सर्तकता, सावधानी के साफ सफाई करते देखते ही बन रहा था कार्यक्रम में सैकड़ो जोड़े और बच्चे उपस्थित रहे।

राणा सांगा के अपमान के खिलाफ बैतूल में उग्र प्रदर्शन आज

बैतूल, देशबन्धु। सपा सांसद रामजीलाल सुमन के विवादित बयान के खिलाफ राजपूत समाज द्वारा बैतूल में 25 मार्च को जोरदार प्रदर्शन किया जाएगा। हिन्दू और राजपूत समाज के लोग दोपहर 3 बजे बैतूल के शिवाजी चौक स्टेडियम के पास कोठी बाजार में बड़ी संख्या में एकत्र होंगे। यहां से विरोध प्रदर्शन करते हुए कलेक्टर को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा और पुतला दहन किया जाएगा। राजपूत समाज के वरिष्ठ सदस्य जगदीश सिंह राघव ने बताया कि राणा सांगा ने अपने जीवन में कई युद्धों में विजय प्राप्त की थी और हिंदुस्तान की रक्षा के लिए 80 से ज्यादा घाव सहने के बावजूद आखिरी सांस तक लड़े। ऐसे महापुरुष को गद्दार कहने का साहस करने वाले को माफी मांगनी होगी, नहीं तो आंदोलन और तेज होगा। विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए बैतूल जिले के सभी हिन्दू और राजपूत समाज के लोगों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचे और अपने स्वाभिमान की रक्षा के लिए एकजुट हों। राजपूत समाज का कहना है कि जब तक सपा सांसद अपने शब्द वापस नहीं लेते, तब तक विरोध जारी रहेगा।

अलग-अलग घटनाओं में दो लोगों की मौत

चिचोली, देशबन्धु। चिचोली थाना क्षेत्र में अलग-अलग घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना में लिया है। चिचोली थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम झाफल मे एक लड़की कुएं पर पानी भरने गई थी। इसी दौरान पैर फिसलने से 25 वर्षीय लड़की की कुएं के पानी में डूबने से मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के मुताबिक ग्राम झाफल निवासी सुखमनि पिता साधु शैलूकर उम्र 25 साल कुए में पानी भरने गई थी वहीं ट्यूबवेल का भी पानी कुए मे जाता है वहीं पर फिसल कर कुएं में गिर गई आसपास के लोगों ने सुखमनि के कुए गिरते ही निकालने का प्रयास किया लेकिन लड़की कुएं में डूबने से मौत हो गई पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा तैयार कर पीएम करवा कर शव परिजनों को सौंप दिया और विवेचना में जुटी गई है एक और दूसरी घटना में चिचोली थाना क्षेत्र के भीमपुर चौकी के अंतर्गत एक और घटना में एक युवक ने अपने घर में ही फांसी लगाकर अपनी जान दे दी जानकारी के मुताबिक भीमपुर चौकी के अंतर्गत ग्राम काजरी निवासी सुरेंद्र पिता सोमजी सिरसाम 32 साल मे अपने ही घर में फांसी लगाकर जान दे दी इस दौरान घर में कोई मौजूद नहीं था बताया जाता है कि दो-चार दिन पहले पत्नी से छोटी छोटी बातों को लेकर आपसी विवाद हो गया था जिसके बाद पत्नी अपने मायके चली गई थी।

बीट गार्ड के खिलाफ डीएफओ से की शिकायत

बैतूल, देशबन्धु। आठनेर तहसील के ग्राम हिरादेही में चौपाल निर्माण को लेकर बीट गार्ड रवीश कंगाले पर ग्रामीणों ने गाली-गलौच और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि चौपाल निर्माण कार्य में अनियमितता बरती जा रही है और जब उन्होंने इस पर आपत्ति जताई, तो बीट गार्ड ने उनके साथ गाली-गलौच की। डीएफओ से शिकायत कर ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर रवीश कंगाले को तत्काल हटाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि चौपाल का निर्माण कार्य वन समिति के माध्यम से किया जा रहा है। जब ग्रामीणों ने निर्माण कार्य में गुणवत्ता की कमी को लेकर सवाल उठाए, तो बीट गार्ड रवीश कंगाले ने उनके साथ अभद्र भाषा में बात की और गाली-गलौच की। इसके पहले भी ग्रामीणों ने वन समिति के पैसे के दुरुपयोग की शिकायत की थी। उनका आरोप है कि ऐसे लोगों के खातों में पैसे डाले गए, जिन्होंने निर्माण कार्य में कोई भूमिका नहीं निभाई। जब इस अनियमितता का विरोध किया गया, तब भी बीट गार्ड ने ग्रामीणों को अपमानित किया। ग्रामीणों का कहना है कि चौपाल निर्माण में कच्ची ईंटों का उपयोग किया जा रहा है, जिससे निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं।

मुलताई के सरकारी अस्पताल में जन्म लेने वाली कन्याओं को मिले चांदी के आभूषण

गुलाब की पंखुड़ी से किया पूजन, माताओं को मिठाई खिलाकर किया सम्मान

बैतूल, देशबन्धु। जिस प्रकार साहू समाज की अधिष्ठात्री देवी भक्त शिरोमणि माता कर्मा के जन्म पर उनके पिता रामशाह ने बेटी के जन्म पर कन्या पूजन किया और पूरे गांव में मिठाई बाट कर बेटी की खुशियां मनाई थी। उसी प्रकार मुलताई के सरकारी अस्पताल में 24 मार्च को कुछ ऐसा ही दृश्य नजर आ रहा था।

दरअसल, साहू समाज की अधिष्ठात्री देवी भक्त शिरोमणि मां कर्मा के जन्मोत्सव पर सरकारी अस्पताल में जन्म लेने वाली कन्याओं को अखिल भारतीय साहू वैश्य महासभा दिल्ली एवं युवा साहू समाज सेवा संगठन जिला बैतूल द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था इसमें कन्याओं को चांदी के आभूषण समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रहलाद साहू द्वारा उपहार के रूप में भेंट किए गए। समाज के राष्ट्रीय प्रचार मंत्री महेश नायक द्वारा सोमवार को जन्मी सभी कन्याओं को नगद राशि उपहार में प्रदान की एवं सभी कन्याओं को चुनरी उड़ाई गई एवं गुलाब की पंखुड़ियों के साथ कन्या पूजन किया गया। इस कार्यक्रम में कन्याओं को जन्म देने वाली सभी माताओं को मिठाई खिलाकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में प्रहलाद साहू ने कहा कि राष्ट्रीय संगठन द्वारा वर्ष 2025 को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान चलाया जाएगा। संगठन ने तय किया है कि समाज बेटी को किसी भी प्रकार की परेशानी आने पर उनकी मदद करने का काम करेगा। राष्ट्रीय प्रचार मंत्री महेश नायक ने कहा कि समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच लाने के लिए इस प्रकार के आयोजन किए जा रहे हैं। गोपाल साहू ने कहा कि माता कर्मा के जन्म माह के कारण इस माह में जन्म लेने वाली सभी साहू समाज की कन्याओं एवं माताओं को समाज के रजत जयंती समारोह में 18 मई को सम्मानित किया जाएगा। श्रीमती प्रिया देवेंद्र साबले करजगांव चांदी की चैन लॉकेट, रीना विजय काकोटे चांदी चैन लॉकेट गाडरा, पिंकी जिकरू उइके उमनबेहरा चांदी का चैन लॉकेट, सोनम अशोक बिसेंद्रे रैयतवाड़ी चांदी की पायल एवं इन्हीं को एक जुड़वा बेटा हुआ है जिसने चांदी की चैन लॉकेट उपहार के रूप में प्रदान किए गए। इस कार्यक्रम में प्रहलाद साहू, महेश नायक, गोपाल साहू, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर पंचम सिंह, अजय साहू, डॉ सरिता कालभोर, डॉ नाजनीन खान, अनीता पवार, उषा निरापूरे, सुनीता पटेल, योगिता सोनी सहित लोग उपस्थित थे।

कर्मा जयंती पर आज होगा सेवा गतिविधियों का आयोजन - युवा साहू समाज सेवा संगठन जिला बैतूल के तत्वाधान में मंगलवार को भक्त शिरोमणि मां जयंती के अवसर पर सेवा गतिविधियों के आयोजन किए जाएंगे। गोपाल साहू, अजय जीतपुरे ने बताया कि सुबह 8 बजे श्री कृष्ण मंदिर बैतूल गंज में भगवान को विशेष भोग अर्पित किया जाएगा। सुबह 8:30 जिला अस्पताल में भर्ती मरीजों को अंकुरित आहार वितरण किया जाएगा। सुबह 10 बजे उड़दन स्थित मातोश्री वृद्ध आश्रम में वृद्धजनों को आवश्यक सामग्रियों का वितरण किया जाएगा। सुबह 11 जिला चिकित्सालय स्थित भोजन शाला में मरीजो के परिजनों को भोजन खिलाया जाएगा। दोपहर 12:30 बजे रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। दोपहर 3 पापमोचनी एकादशी व्रत अनुष्ठान पूजन समारोह का आयोजन विनोबा वार्ड में किया जाएगा। शाम 5 बजे भक्त शिरोमणि माता कर्मा के मूल प्रति चित्र का विमोचन किया जाएगा जिसकी 3000 चित्रों का वितरण समाज के लोगों को कियाजाएगा। देवेंद्र चौरे, धीरेंद्र साहू ने सभी से इस अवसर पर उपस्थित रहने का आग्रह किया है।

ब्राह्मण जाति नहीं, संस्कार है- पंडित शुक्ला

होली गीत, कविताओं और पुराने दोहों से उत्साहपूर्ण बना माहौल

बैतूल, देशबन्धु। बैतूल बाजार में राम मंदिर, शुक्ला चौक पर सर्व ब्राह्मण संगठन का होली मिलन समारोह धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथियों के रूप में पंडित कांतु दीक्षित, के.के.पांडे, विनोद मिश्रा, प्रोफेसर एस.के. शुक्ला, स्वदेश त्रिवेदी, गजानन व्यास, पप्पन मिश्रा, बबला शुक्ला, अंजली मिश्रा और प्रेरणा शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन पंडित नरेंद्र शुक्ला जिला अध्यक्ष के सानिध्य में किया गया।

समारोह की शुरुआत मां सरस्वती, राम दरबार और भगवान परशुराम जी के पूजन से हुई। इसके बाद सभी अतिथियों ने होली की शुभकामनाएं दीं। होली गीत, कविताओं और पुराने दोहों से माहौल उत्साहपूर्ण बना रहा। महिलाओं ने फूलों और गुलाल से होली खेलकर उत्सव को और खास बना दिया। अपने अध्यक्षीय भाषण में पंडित नरेंद्र शुक्ला ने कहा कि ब्राह्मण केवल जाति नहीं, बल्कि एक संस्कार है, जिसे सभी को मिलकर निभाना चाहिए। उन्होंने समाज में भाईचारा, एकता, शांति और देशप्रेम को बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक सुभाष जामगडे ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाराष्ट्र मंडल, नगर ब्राह्मण महिला मंडल और परशुराम सेना का विशेष योगदान रहा।

आग में एक मकान जलकर राख

चिचोली शाहपुर, देशबन्धु। बीजादेही थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत धनवार स्थित खरवार गांव मे भीषण आग में एक मकान जलकर राख हो गया। आग इतनी भयानक थी आग ने पूरे घर को आग की लपेट में ले लिया। इस दौरान घर में रखा अनाज, फर्नीचर, वस्त्र, बर्तन, आभुषण, नगदी सहित सब कुछ जलकर राख हो गया। ग्रामीणों ने दूसरे मकान को बड़ी मुश्किल से जलने से बचाया

जानकारी के मुताबिक बीजादेही थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत धनवार स्थित खरवार गाँव के रामकिशन पिता डोडू के मकान मे सोमवार सुबह अचानक आग लगई, आग की लपटो से देखते देखते पुरे घर को चपेट मे ले लिया। वहां अफरा तफरी मचगई ग्रामीणो ने आग को बुझाने का काफी प्रयास किया लेकिन आग की लपटो ने सब कुछ जलकर राख कर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि घर में पांच कुन्टल मक्का, 5 कुंटल चना, 6 कुंटल गेहूं, दहेज में मिला फर्नीचर, 1 लाख 30 हजार के चांदी के जेवर 1लाख 20 हजार के सोने के जेवर, घर में के बर्तन, बिस्तर, और कपड़े और घर में रखा सब कुछ जलकर राख हो गया। ग्रामीण पंचनामा बनाया है और शासन से मुआवजे की मांग की है।

स्वर्णकार समाज की होली मिलन में दिखी एकजुटता

एक- दूसरे को गुलाल लगाकर दी बधाई

बैतूल, देशबन्धु। सराफा संघ सारणी और स्वर्णकार समाज का संयुक्त होली मिलन समारोह रविवार की रात मालवीय मैरिज गार्डन, कैलाश नगर शोभापुर में आयोजित हुए, इस दौरान बड़ी तादाद में महिला-पुरूषों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर पर्व की शुभकामनाएं दी। शुरूआत में स्वर्णकार समाज के आराध्य अजमीढ़ देव के चित्र पर सभी ने माल्यार्पण किया। इसके बाद सराफा संघ सारणी के अध्यक्ष जितेन्द्र (गोलू) सोनी और सचिव देवेन्द्र सोनी ने संघ की गतिविधियों को बताया। कार्यक्रम में नन्हे-मुन्हे बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति भी दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में नितेश सोनी, उमाशंकर सोनी, गोविंद सोनी, राजू सोनी, मनोज सोनी, देवन्द्र सोनी, मिश्रीलाल सोनी, राजेन्द्र सोनी, राजेश रायपुरे, शक्ति रायपुरे, गौरंग विश्वास, अरविंद सोनी, राहुल सोनी, संजीव सोनी,मनीष सोनी, जयप्रकाश सोनी, टीकू सोनी, नितेश सोनी, आयुष सोनी, अंकिता सोनी, भावना सोनी, संगीता सोनी, स्वाति सोनी, रुपाली सोनी, गायत्री सोनी, प्रीति सोनी,वर्षा सोनी, दीपिका सोनी, श्वेता सोनी, रजनी सोनी, कंचन सोनी, अर्चना सोनी, सरिता सोनी और सुरभि सोनी का योगदान रहा। कार्यक्रम में बैतूल, आमला, चिचोली एवं सारणी के सामाजिक बंधु भी मौजूद थें।

श्री विनायकम स्कूल का रहा शानदार वार्षिक परीक्षा परिणाम

बैतूल, देशबन्धु। जिले के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान श्री विनायकम स्कूल ने विगत 23 वर्षों की अपनी उत्कृष्ट परंपरा को कायम रखते हुए इस वर्ष भी शानदार वार्षिक परीक्षा परिणाम दर्ज किया है। नर्सरी से लेकर ग्रेड 8 तक के विद्यार्थियों ने अपने प्रदर्शन से स्कूल का नाम रोशन किया।

सर्वप्रथम राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात, विद्यालय प्रबंधन से श्री कमलेश खासदेव, श्री अमित मालवी, श्री संजय राठौर एवं श्री भोजराज चढ़ोकार द्वारा मां सरस्वती जी के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण द्वारा कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। विद्यालय के प्राचार्य श्याम साहू ने परिणाम घोषित करते हुए बताया कि सत्र 2024 के दौरान विद्यार्थियों ने निरंतर मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और पालकों के सहयोग से शानदार उपलब्धियां हासिल की हैं।

श्री विनायकम स्कूल में बच्चों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है, जहां शिक्षा के साथ-साथ उनके कौशल और नैतिक मूल्यों को भी सशक्त किया जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी विद्यार्थी की सफलता केवल प्राप्त अंकों से नहीं आंकी जा सकती, बल्कि उनके व्यवहार, अनुशासन और कौशल विकास से ही उनकी वास्तविक प्रतिभा को पहचाना जाता है। विद्यार्थियों के पालकों ने स्कूल द्वारा अपनाई गई शैक्षणिक रणनीतियों और बच्चों को मिले मार्गदर्शन की सराहना की। सत्र 2024 के शानदार परिणामों को देखते हुए श्री विनायकम स्कूल ने घोषणा की है कि आगामी सत्र 2025 में भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए नए और प्रभावी प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि स्कूल में दी जा रही गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के बल पर विद्यार्थी आगे भी नए आयाम स्थापित करेंगे।

वार्षिक परीक्षा परिणाम की इस घोषणा के बाद स्कूल प्रांगण में उत्सव जैसा माहौल रहा। बच्चों की उपलब्धियों पर उनके माता-पिता गर्वित नजर आए। विद्यार्थियों ने भी अपनी सफलता का श्रेय शिक्षकों और माता-पिता के मार्गदर्शन को दिया। पालकों ने कहा कि श्री विनायकम स्कूल की शिक्षण पद्धति और अनुशासन ने बच्चों के व्यक्तित्व को संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। स्कूल में निरंतर होने वाली गतिविधियों और प्रतियोगिताओं से बच्चों को नई ऊर्जा मिलती है, जिससे वे हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। अंत में विद्यालय प्रबंधन समिति द्वारा सभी विद्यार्थियों को इस उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम के लिए शुभकामना देते हुए समस्त पालकों व अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

स्टैंड-अप कॉमेडी पर विवाद के बीच

- **छात्र नेता ने कुनाल कामरा को मप्र में विशेष शो के लिए दिया निमंत्रण**
- **ट्वीट कर कहा- मंच आपका, सुरक्षा हमारी**

बैतूल, देशबन्धु। एनएसयूआई नेता हर्ष भुसारी ने मशहूर स्टैंड-अप कॉमेडियन कुनाल कामरा को राज्य में एक विशेष शो के लिए निमंत्रण दिया है। हर्ष भुसारी ने यह ऐलान किया है कि इस शो की पूरी जिम्मेदारी वे खुद संभालेंगे, जिसमें आयोजन, सुरक्षा और प्रशासनिक मंजूरी शामिल होगी।

हाल ही में मुंबई में आयोजित एक शो के दौरान कुनाल कामरा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर तंज कसा था। इसके बाद उनके शो को लेकर विवाद खड़ा हो गया और कई लोगों ने उनके खिलाफ विरोध जताया। इसी बीच हर्ष भुसारी और एनएसयूआई ने कुनाल कामरा को मध्य प्रदेश में परफॉर्म करने का न्योता देकर एक साहसिक कदम उठाया है।

हर्ष भुसारी ने ट्वीट करते हुए लिखा एनएसयूआई एमपी आपको आधिकारिक निमंत्रण दे रहे हैं। हम चाहते हैं कि आप मध्य प्रदेश में एक विशेष स्टैंड-अप कॉमेडी टूर करें, जहां आप बेखौफ होकर अपने अंदाज में परफॉर्म करें। मैं इस शो की पूरी ज़िम्मेदारी और जवाबदारी लूँगा। उन्होंने यह भी कहा कि कुनाल बिना किसी रोक-टोक और डर के अपनी बात रख सकें, इसके लिए वे पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। हर्ष भुसारी ने अपने अगले ट्वीट में इस निमंत्रण को और विस्तार देते हुए कहा, भोपाल, इंदौर।आप जहां चाहें, स्टेज आपका होगा और दर्शक आपका इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने साफ किया कि यह कदम अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया है। सोशल मीडिया पर यह ट्वीट तेजी से वायरल हो रहा है।

घोड़ाडोंगरी में राज्य कर्मचारी संघ की नई कार्यकारिणी गठित

- **मुकेश सरयाम बने विकासखंड अध्यक्ष, नितेश राठौर को तहसील की कमान**
- **नई टीम को जिलाध्यक्ष सचिन राय ने दिलाई जिम्मेदारी**
- **कर्मचारियों की आवाज बुलंद करेगी नई कार्यकारिणी**

बैतूल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ विकासखंड घोड़ाडोंगरी एवं तहसील घोड़ाडोंगरी की नई कार्यकारिणी का गठन संपन्न हुआ। इस मौके पर मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष सचिन राय, भारतीय मजदूर संघ के जिला मंत्री पंजाबराव गायकवाड़, संरक्षक नीरज गलफट, पीसी बोस, प्रवीण शर्मा, मंटू वर्मा और पूर्व जिला सचिव संजय ठाकुर की उपस्थिति रही।

चुनाव प्रक्रिया में मुकेश सरयाम को विकासखंड अध्यक्ष और नितेश राठौर को तहसील अध्यक्ष चुना गया। विकासखंड सचिव के रूप में संतोष जोठे और तहसील सचिव के रूप में राजेंद्र मालवीय की नियुक्ति हुई। कोषाध्यक्ष पद पर सुनील मालवीय और दर्शन वामनकर निर्वाचित हुए। उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी पीयूष वर्मा, रामेश्वर अश्वारे, दुर्गेश मालवी, अनूप चौधरी, शंभू यादव, धीरज यादव और सुरेश गोलदार को दी गई। सहसचिव पद पर रामलाल परते और रंजन मंडल को जिम्मेदारी दी गई। सह कोषाध्यक्ष पद पर शिरीष वर्मा और मिलनसिंह सिसोदिया को नियुक्त किया गया। कार्यालय मंत्री और मीडिया प्रभारी का कार्यभार मुकेश सरनेकर और सुपद मंडल को सौंपा गया। जिला प्रतिनिधि के रूप में अनिल साहू और तिवारीलाल धुर्वे का चयन किया गया। कार्यकारिणी सदस्यों में गौरव कोकने, संतोष राठौर, शिवकुमार गंजाम, हरेकृष्ण कामला, जगदीश वर्डे, केपी राय, तेजीलाल यादव और दिनेश कोराई शामिल हैं।

चुनाव के बाद जिलाध्यक्ष सचिन राय ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों का माला पहनाकर स्वागत किया और संबोधित करते हुए कहा कि संगठन की सभी मांगों को उच्च अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कर्मचारियों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं को हल कराने के लिए वे हमेशा साथ खड़े रहेंगे। भारतीय मजदूर संघ के जिला मंत्री पंजाबराव गायकवाड़ ने कहा कि मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ने हमेशा कर्मचारियों की आवाज सरकार तक पहुंचाई है और आगे भी यह काम जारी रहेगा। संरक्षक नीरज गलफट ने कर्मचारियों से एकजुट होकर नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता और पुरानी पेंशन की बहाली के लिए संघर्ष करने का आह्वान किया। इस दौरान कर्मचारी रंजन मंडल ने नियुक्ति दिनांक से सेवा अवधि की गणना की मांग प्रमुखता से उठाई, जिसे शीघ्र ही प्रदेश प्रतिनिधिमंडल के माध्यम से मुख्यमंत्री तक पहुंचाने का आश्वासन दिया गया। कार्यक्रम के अंत में विकासखंड अध्यक्ष मुकेश सरयाम और तहसील अध्यक्ष नितेश राठौर ने सभी का आभार व्यक्त किया। जिला संयोजक सचिन राय ने शिक्षकों की वरिष्ठता बहाली का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि 1998 से 2013 तक नियुक्त अध्यापकों की वरिष्ठता समाप्त कर दी गई है, जबकि सरकार 2018 से नियुक्ति मान रही है। इससे शिक्षकों की 20 साल की सेवा खत्म हो गई है, जिसके कारण वे पुरानी पेंशन और यूपीएस न्यू पेंशन योजना से वंचित हो रहे हैं। इस अन्याय के खिलाफ संगठन पूरी ताकत से संघर्ष करेगा और सरकार के सामने यह मांग रखेगा।

भागवत कथा में शिव-पार्वती और हनुमान जी की झांकी बनी आकर्षण का केंद्र

भक्ति रस में डूबे श्रद्धालु

बैतूल, देशबन्धु। पुराना नागपुर रोड मुलताई, ग्राम कामथ में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का भव्य आयोजन किया जा रहा है। पं. संतोष मनोहरलाल शर्मा (जगदीश मंदिर, मुलताई) के मुखारविंद से कथा के दिव्य प्रसंगों का रसपान कराया जा रहा है। कथा के दूसरे दिन सोमवार को पं. संतोष शर्मा ने सृष्टि वर्णन, कपिलोपाख्यान, ध्रुव चरित्र और पुरंजनोपाख्यान का विस्तार से वर्णन किया। कथा के दौरान श्रद्धालुओं को जीवन में धर्म और भक्ति के महत्व को समझाने के साथ-साथ भगवान की कृपा प्राप्ति के मार्ग भी बताए गए। कथा पंडाल में शिव-पार्वती और हनुमान जी की झांकी सजाई गई, जिसने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। इस झांकी को देखकर भक्तजन भाव-विभोर हो गए। कथा स्थल पर भक्तों की बड़ी संख्या में उपस्थिति देखी जा रही है। भक्तजन कथा सुनने के साथ भजन-कीर्तन में भी झूमते नजर आ रहे हैं। पूरे कथा पंडाल में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हो रहा है। मंगलवार,को कथा में भरत चरित्र, अजामिल कथा, नृसिंह अवतार और प्रह्लाद चरित्र का वाचन किया जाएगा। नृसिंह अवतार और प्रह्लाद चरित्र की कथा विशेष रूप से भक्तों में उत्साह और भक्ति की भावना जागृत करेगी। आयोजन समिति ने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से कथा में शामिल होने की अपील की है।

प्रयागराज ने चंडीगढ़ को 6 विकेट से हराकर क्वार्टर फाइनल में किया प्रवेश

बैतूल, देशबन्धु। लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम, कोठी बाजार में चल रहे अखिल भारतीय लेदर बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट राजीव कप में 24 मार्च को खेले गए आखिरी प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में प्रयागराज ने चंडीगढ़ को 6 विकेट से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। चंडीगढ़ की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए केवल 106 रन पर ऑल आउट हो गई। प्रयागराज के शानदार स्पिन गेंदबाज अभय राज यादव ने 6 विकेट चटकाकर चंडीगढ़ की पारी को तहस-नहस कर दिया।

चंडीगढ़ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया, लेकिन प्रयागराज के गेंदबाजों के सामने टीम टिक नहीं पाई। चंडीगढ़ की ओर से रिजवान ने सर्वाधिक 26 रन और अनुज ने 20 रन बनाए। प्रयागराज की घातक गेंदबाजी के आगे चंडीगढ़ की टीम 35 ओवर भी पूरे नहीं कर पाई और 106 रन पर सिमट गई। कृष्णा यादव ने भी अपनी सटीक गेंदबाजी से 3 विकेट झटके, जिससे चंडीगढ़ की पारी बिखर गई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी प्रयागराज की टीम ने बिना किसी दबाव के शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। प्रयागराज की तरफ से शुभम जायसवाल ने 31 रनों की नाबाद पारी खेली और टीम को जीत तक पहुंचाया। कप्तान अखिल ने 22 रन और शुभम गुप्ता ने 19 रन बनाए।

प्रयागराज ने 16 ओवर में ही 107 रन बनाकर 6 विकेट से मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस शानदार प्रदर्शन के लिए प्रयागराज के गेंदबाज अभय राज यादव को मैन ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा गया। कांग्रेस के युवा नेता सेंटी वाघमारे और कृष्णा नाईक ने अभय राज यादव को पुरस्कार प्रदान किया। इसके अलावा, 6 विकेट लेने की उपलब्धि के लिए अभय को मैच बॉल भी भेंट की गई, जिसे टूर्नामेंट के फिजियो डॉक्टर आयुष चढ़ोकार ने प्रदान किया। 25 मार्च को टूर्नामेंट का पहला क्वार्टर फाइनल मुकाबला खेला जाएगा, जिसमें सिवनी बानापुरा और भानु प्रताप सिंह क्रिकेट क्लब प्रयागराज की टीम आमने-सामने होंगी।

प्रदेश में गुड़ी पड़वा पर होंगे नव वर्ष आयोजन, प्रभार के जिलों में शामिल होंगे मंत्री

- ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों को मिलेगा मुआवजा
- नगर निकायों में लगेंगे सौर ऊर्जा प्लांट

भोपाल, देशबन्धु। प्रदेश में गुड़ी पड़वा पर्व को नववर्ष के रूप में मनाया जाएगा। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री जिलों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मंत्रीमंडल की बैठक में सभी जिलों में नववर्ष आयोजन धूमधाम से मनाने के निर्देश दिए हैं।

बैठक के बाद मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार सभी जिलों में गुड़ी पड़वा उत्सव मनाया जाएगा। मंत्रियों को भी जिलों में जाकर इस पर्व को मनाने को कहा गया है। उन्होंने बताया कि इंदौर और उज्जैन में पहले से ही गुड़ी पड़वा को नववर्ष के रूप में मनाया जाता रहा है। मंत्री विजयवर्गीय ने बताया कि उज्जैन में विक्रमोत्सव जारी है और 12, 13 और 14 अप्रैल तक दिल्ली में सम्राट विक्रमादित्य पर महानाट्य का आयोजन होगा। सरकार उज्जैन को पुन: काल गणना का वैश्विक केंद्र बनाने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय गणना प्रणाली की विशेषता को पुन: वैश्विक स्तर पर प्रचारित किया जाएगा। उज्जैन को समय गणना का केंद्र बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं।

विजयवर्गीय ने बताया कि सरकार ने ओंकारेश्वर में 614 वर्ग किमी क्षेत्र में नई वाइल्ड लाइफ सेंचुरी को मंजूरी दी है। श्री विजयवर्गीय ने बताया कि यह प्रदेश की 26वीं सेंचुरी होगी। इस वन क्षेत्र में कोई वन ग्राम नहीं है, जिससे इसे विकसित करने में कोई समस्या नहीं आएगी। देश में सबसे अधिक वाइल्ड लाइफ सेंचुरी बनाने का रिकॉर्ड मध्य प्रदेश के नाम। यह सेंचुरी प्राकृतिक संपदा और जैव विविधता को बढ़ावा देगी।

श्री विजयवर्गीय ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों को मुआवजा देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि गर्मी की शुरुआत को देखते हुए जल संरक्षण और पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देशित किया गया है। मुख्यमंत्री ने जल संकट से निपटने के लिए मंत्रियों को जल आपूर्ति की निगरानी के निर्देश दिए है। उन्होंने पशु-पक्षियों के लिए भी पानी की व्यवस्था करने को कहा है। साथ ही प्रदेश के कुछ जिलों में ओलावृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में कलेक्टरों को जल्द सर्वे कर मुआवजा देने के निर्देश दिए गए है।

श्री विजयवर्गीय ने बताया कि सरकार नगर निगमों और नगर पालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए चार बड़े सोलर प्लांट लगाने जा रही है। उन्होंने बताया कि नगर निगमों का सबसे बड़ा खर्च वेतन और बिजली का बिल है। सोलर प्लांट से जल योजनाओं की बिजली लागत घटेगी और सरप्लस बिजली विक्रय हो सकेगी। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समूह जल योजनाओं के लिए भी सौर ऊर्जा का उपयोग होगा। इसको लेकर विभाग से कैबिनेट ने अनुमति मांगी थी, जिसे स्वीकृति दे दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव नई दिल्ली में डायमंड स्टेट अवॉर्ड से सम्मानित

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में विगत सवा वर्ष में मध्यप्रदेश सरकार ने विरासत को साथ लेकर विकास के नए आयाम स्थापित किये हैं, जिससे उन्हें संतोष है। प्रदेश सरकार गरीब, युवा, महिला और किसान कल्याण के लिए लगातार काम कर रही है। इंदौर की हुकुमचंद मिल के श्रमिकों का कई वर्षों से लंबित भुगतान जहां एक ओर पूरा कर दिया गया है, वहीं दूसरी ओर राज्यों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंधों के आधार पर 20 वर्ष पुरानी पार्बती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजना भी मूर्त रूप ले रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना में प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में साढ़े आठ लाख आवास और ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 36 लाख आवास में गृह प्रवेश करवाया जा चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि जड़ों से जुड़े रहकर ही विकास पथ पर आगे बढ़ा जा सकता है। उन्होंने ये विचार रविवार को दिल्ली में एक निजी समाचार चैनल द्वारा आयोजित डायमंड स्टेट्स समिट कार्यक्रम में व्यक्त किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को डायमंड स्टेट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 2000 वर्ष पूर्व सम्राट विक्रमादित्य ने वीरता, न्यायप्रियता और दानशीलता से शासन की व्यस्थाओं का संचालन किया और विदेशी आक्रांताओं से स्वतंत्रता दिलाकर सुशासन स्थापित किया, जो प्रदेश की गौरवशाली विरासत है। विक्रम संवत का प्रवर्तन इसी गौरवशाली परंपरा का हिस्सा है। सम्राट विक्रमादित्य ने अपने राज्य में जनता का कर्ज माफ किया और बिना ब्याज का धन जनता को उपलब्ध कराया।

मुख्यमंत्री उज्जैन में 24 इकाइयों का करेंगे भूमिपूजन और लोकार्पण

भोपाल, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास के स्वर्णिम युग की ओर बढ़ रहा है। विगत वर्ष रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव, देश-विदेश में आयोजित रोड शो और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 के माध्यम से प्रदेश को निवेशकों के लिए सबसे उपयुक्त राज्य बनाने के जो प्रयास हुए, उनके ठोस परिणाम अब धरातल पर दिखाई देने लगे हैं। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री डॉ. यादव 25 मार्च को उज्जैन के विक्रम उद्योगपुरी, ताजपुर औद्योगिक क्षेत्र और मेडिकल डिवाइसेस पार्क में 24 औद्योगिक इकाइयों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण करेंगे। वह उज्जैन की विक्रम उद्योगपुरी में 28.1 करोड़ रुपये की लागत से बने सामान्य अपशिष्ट उपचार केंद्र (सीईटीपी) का लोकार्पण भी करेंगे। इन इकाइयों में 582.98 करोड़ रुपये का निवेश होगा, जिससे 3196 लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। इस निवेश से उज्जैन औद्योगिकीकरण का नया केंद्र बनेगा और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को और अधिक गति मिलेगी।

नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने जारी किये निर्देश

सम्पत्ति कर, जल प्रभार एवं अन्य उपभोक्ता प्रभार में अधिभार में छूट

भोपाल, देशबन्धु। नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 की अवधि में सम्पत्ति कर, जल प्रभार एवं अन्य उपभोक्ता प्रभार के अधिभार में उपभोक्ताओं को छूट देने का निर्णय लिया है। यह छूट उपभोक्ताओं को 31 मार्च 2025 तक ऑनलाइन भुगतान की दशा में की जायेगी। इस संबंध में विभाग ने नगर पालिक निगम, नगरपालिका परिषद और नगर परिषद को पत्र लिखकर निर्देश जारी किये हैं। आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास ने बताया कि वर्ष 2024-25 वित्तीय वर्ष की कर वसूली 31 मार्च 2025 तक ही हो सकेगी। वर्तमान में 15वें वित्त आयोग की शर्तों के अनुसार प्रतिवर्ष सम्पत्ति कर की वसूली में राज्य की ग्रास स्टेट डॉमिस्टिक प्रोडक्ट (जीएसडीपी) की औसत वृद्धि के अनुरूप वृद्धि किया जाना अनिवार्य है। इस स्थिति को देखते हुए वृद्धि न किये जाने की स्थिति में संबंधित नगरीय निकायों को 15वें वित्त आयोग के अनुदान से वंचित होना पड़ सकता है। नगरीय निकायों को अपने क्षेत्र के उपभोक्ताओं को समस्त प्रकार के करों की वसूली नियत समय में किये जाने के लिये जागरूक करने के लिये कहा गया है। नागरिक इस संबंध में विस्तृत जानकारी अपने क्षेत्र के नगरीय निकाय के वार्ड कार्यालय से भी प्राप्त कर सकते हैं।

विधायक को नोटिस पर सियासत गरमाई

कांग्रेस ने कहा- भाजपा दलित विरोधी

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश की धार्मिक नगरी उज्जैन में वर्ष 2028 में सिंहस्थ होने वाला है। इससे पहले सरकार वहां विकास कार्य कराने को लेकर फैसले कर रही है। जमीन अधिग्रहण पर भाजपा विधायक चिंतामणि मालवीय ने सवाल उठाया, जिस पर पार्टी ने उन्हें नोटिस दिया है। पार्टी की ओर से दिए गए नोटिस पर सियासत गरमा गई है और कांग्रेस ने भाजपा पर हमला बोला है।

बीते दिनों उज्जैन के आलोट विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक चिंतामणि मालवीय ने सिंहस्थ के लिए स्थाई संरचनाएं बनाने और किसानों की जमीन अधिग्रहण किए जाने का मामला उठाया था। विधानसभा में मालवीय का साथ कांग्रेस ने भी दिया और सरकार पर जमीन अधिग्रहण में मनमानी के आरोप भी लगाए। विधानसभा में सिंहस्थ का मामला उठाए जाने के बाद पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने रविवार को मालवीय को नोटिस जारी कर सात दिन में जवाब मांगा है। नोटिस में कहा गया है कि मालवीय लगातार सरकार की आलोचना कर रहे हैं। इससे पार्टी की प्रतिष्ठा को आघात पहुंच रहा है और सरकार व पार्टी की छवि पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। यह

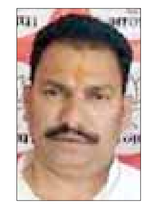

मालवीय बोले- यह मेरे और पार्टी के बीच का मामला

अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा के निर्देश पर नोटिस जारी किया गया है।

उधर, विधायक मालवीय का कहना है कि उन्हें अभी तक पार्टी का नोटिस प्राप्त नहीं हुआ है, यह मामला उनका और पार्टी के बीच का है। उज्जैन में किसान परेशान हैं और आंदोलन भी कर रहे हैं। उन्होंने वहां के मामले को सदन में उठाया था। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी ने मालवीय का साथ देते हुए कहा कि मालवीय ने लोकतंत्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन किया है। वर्तमान में राज्य में भू माफिया सिर चढ़कर बोल रहे हैं। उज्जैन में किसानों की जमीन सिंहस्थ के नाम पर अस्थाई रूप से लेकर उस पर स्थाई कब्जा करेंगे। सिंहस्थ आस्था से जुड़ा हुआ है मगर किसानों से स्थाई तौर पर जमीन लेना ठीक नहीं है।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने भाजपा पर दलित विरोधी होने का आरोप लगाते हुए कहा कि नोटिस तो प्रहलाद पटेल और विश्वास सारंग को दिया जाना चाहिए। जमीन अधिग्रहण के मामले में कांग्रेस उज्जैन जाकर लड़ाई लड़ेगी।

मुख्यमंत्री ने दी जानकारी

2 दिवसीय वैश्विक निवेशक सम्मेलन पर खर्च हुए 82.31 करोड़

भोपाल, देशबन्धु। राजधानी भोपाल में विगत 24 और 25 फरवरी को आयोजित 2 दिवसीय वैश्विक निवेशक सम्मेलन पर 82.31 करोड़ रुपये खर्च किए गए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यह जानकारी विधानसभा में विपक्ष के उपनेता हेमंत कटारे के सवाल के जवाब में लिखित रूप से दी। उन्होंने बताया कि 10 वर्षों से राज्य में निवेश को आकर्षित करने के लिए विभिन्न सम्मेलनों का आयोजन किया गया, जिन पर करीबन 268 करोड़ रुपये खर्च किए गए। जवाब में बताया गया कि इस बार जीआईएस और रीजनल इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव्स, इंटरएक्टिव सेशंस आदि के जरिए कुल 30.77 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए।

उल्लेखनीय है किवैश्विक निवेशक सम्मेलन का आयोजन इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय संग्रहालय में किया गया था। यहां पर एक दर्जन से ज्यादा डोम लगाए गए थे। मेहमानों को कार्यक्रम स्थल तक लाने ले जाने के लिए इलेक्ट्रिक बसें और गोल्फ कार किराए से ली गई थी। मेहमानों के लिए समिट में खास और विशेष इंतजाम किए गए थे। इस सम्मेलन से पहले रीजनल इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव्स का आयोजन किया गया। निवेश लाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव यूनाईटेड किंग्डम - जर्मनी और जापान की यात्रा पर गए। वैश्विक निवेशक सम्मेलन से पहले शहर को संवारने पर करोड़ों रुपए खर्च किए गए। लोक निर्माण विभाग ने जहां सड़क निर्माण और मरम्मत का कार्य और नगर निगम ने पेटिंग का कार्य करवाया।

वन विभाग ने लोगों से की अपील चीतों से दूर रहें

गांव में घुसे 5 चीते, बछड़े पर झपटे ग्रामीणों ने खदेड़ा

श्योपुर/भोपाल, देशबन्धु। कूनो नेशनल पार्क में एक माह पहले बाड़े से निकालकर खुले जंगल में छोड़ी गई मादा चीता ज्वाला और अपने चारों शावकों के साथ कूनों से निकलकर गांव में पहुंच गई। चीतों ने बछड़े पर हमला कर दिया, जिसके बाद ग्रामीणों ने लाठी और पत्थरों से उन्हें खदेड़ दिया। खबर मिलते ही मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों को चीतों पर पत्थरों से हमला न करने की सलाह दी।

उल्लेखनीय है कि करीब एक माह पहले खुले जंगल में छोड़ी गई मादा चीता ज्वाला और उसके 4 शावक शनिवार शाम को पहली बार राष्ट्रीय उद्यान कूनों की सीमा से बाहर निकल आए। हालांकि रविवार दोपहर कुछ देर बाद वह वापस जंगल में लौट गए।

जानकारी के मुताबिक रविवार की रात को ये चीते वीरपुर तहसील के ग्राम श्यामपुर के पास नजर आए। वे निर्माणाधीन श्योपुर-ग्वालियर ब्रॉडगेज

रेल ट्रैक से करीब एक किलोमीटर की दूरी पर थे। सोमवार सुबह ये पांचों चीते कूनो सायफन के पास से होते हुए कूनो नदी में पहुंचे। वे निर्माणाधीन रेलवे पुल के नीचे काफी देर तक बैठे रहे। इस दौरान कूनो सायफन से गुजरने वाले राहगीरों की भीड़ चीतों को देखने के लिए जमा हो गई।

मादा चीता और शावक एक-एक कर रास्ता पार कर रहे थे, तभी उन्होंने गाय के बछड़े पर हमला कर दिया। चीता ज्वाला काफी देर तक बछड़े का गला पकड़े रही। बछ्ड़े पर हमला होते देख ग्रामीणों ने चीतों को भगाने का प्रयास किया। ग्रामीणों के हमले के बाद मादा चीता बछड़े को छोड़ और शावकों के साथ भाग निकली।

गौरतलब है कि मादा चीता ज्वाला व शावकों की निगरानी में 15 लोगों का दल निगरानी कर रहा है। जब सोमवार सुबह यह घटना हुई तो एक दल पीछे रह गया था और एक वहीं चीतों के आसपास ही मौजूद था।

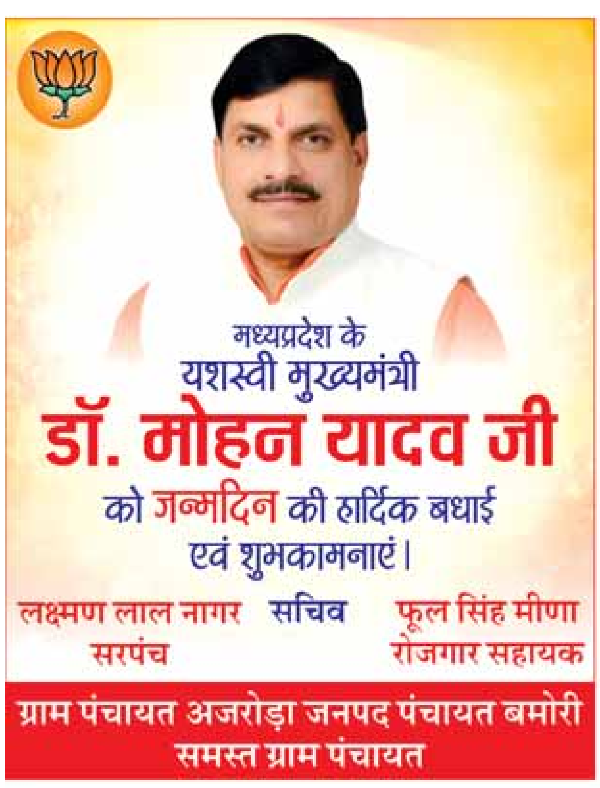

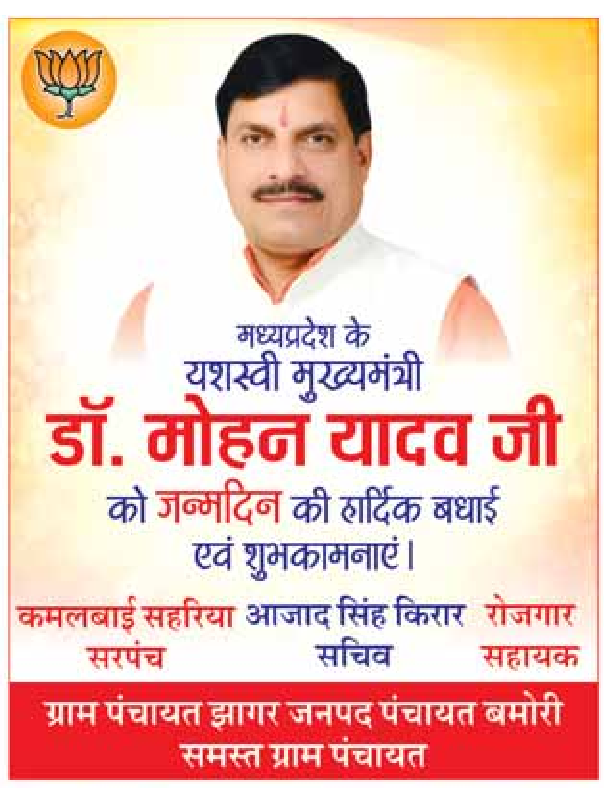

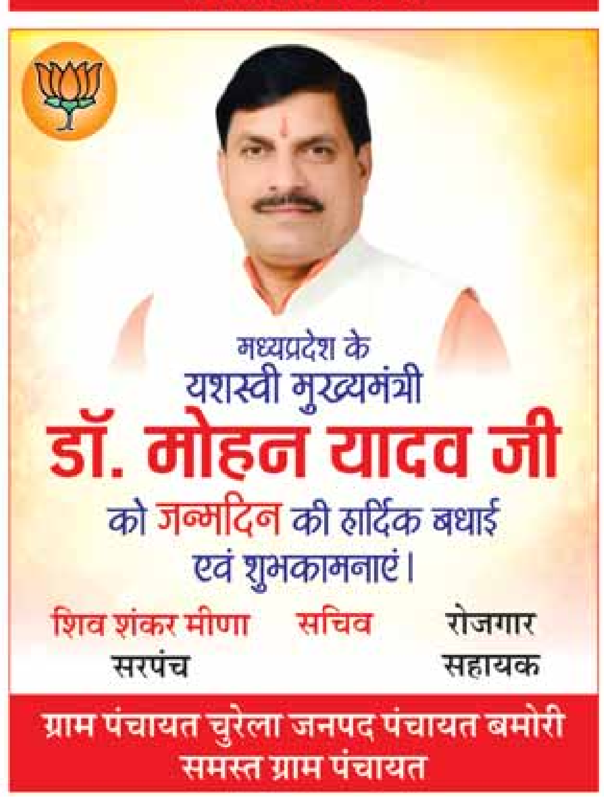

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमिटेड फौजदार गैरेज पवारखेड़ा इटारसी रोड नर्मदापुरम से मुद्रित एवं 45, वार्ड नं. 6, कसेरा मुहल्ला नर्मदापुरम म.प्र. से प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** फोन 422297। ई-मेल deshbandhuhbd1@gmail.com समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।